पेज-06

आज की जनधारा

सीधी और सच बात, साहस के साथ

डाक पंजीयन 29/2010-2012

वेब संस्करण

www.aajkijandhara.com

www.jandhara.in

Jandhara24x7

@AJandhara/Jandhara24/7

AajkiJandhara & Jandhara24x7

6232949114, 8959444440

RNI No.- 52143/91

वर्ष : 35, अंक : 140, रायपुर, मंगलवार 26 मई 2026

रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित epaper www.aajkijandhara.com | email:aajkijandhara@gmail.com | ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष-10, वि.सं. 2083 | पृष्ठ : 12 | मो. : 9425203900, 9425243430 ❁❁❁ मूल्य: 2.00 रु.

ट्विशा मौत मामले में सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

युवती की जान चली गई, वजह जो भी हो पता चलना चाहिए-निष्पक्ष हो जांच

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश के चर्चित मॉडल ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में सुप्रीम कोर्ट के स्वतः संज्ञान मामले पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी एम पंचोली की बेंच ने अहम टिप्पणी की। कोर्ट ने मीडिया से इस मामले में आरोपियों के इंटरव्यू न चलाने का आग्रह किया। साथ ही कोर्ट में सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो इस मामले की पूरी जांच को आज ही अपने हाथों में ले रही है, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने रिकॉर्ड पर लिया है।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने उम्मीद जताई कि सीबीआई तुरंत जांच अपने पास लेकर इस पर कड़े स्तर की सुनवाई शुरू करेगी। कोर्ट ने कहा कि एक मासूम युवती की जान गई है, वजह चाहे जो हो

,उसका पता चलना चाहिए। उसके स्वतंत्र निष्पक्ष और गहराई से जांच होनी जरूरी है। क्योंकि मामले में अपराधिक साजिश का भी एंगल शुरुआती जांच और आरोपों से सामने आ रहा है।

सीबीआई को सौंपी जा रही है जांच: सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हम मीडिया और जनता की अटकलें नहीं चाहते हैं। सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि जांच आज सीबीआई को सौंपी जा रही है। सुनवाई के दौरान अदालत को ये भी बताया गया कि एक मृत बेटी होने की तुलना में समाज में एक तलाकशुदा बेटी होना कहीं ज्यादा बेहतर है। इस पर अदालत ने सुनवाई के दौरान दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उसे एक युवा बेटी को असमय खोने पर पीड़ित परिवार की असीम पीड़ा के साथ पूरी मानवीय सहानुभूति है।

ट्विशा के पति और सास के खिलाफ एफआईआर दर्ज: ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के बाद उनके पति समर्थ सिंह और उनकी सास जो कि एक पूर्व जिला न्यायाधीश हैं, गिरिबाला सिंह के खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि रसूख के कारण स्थानीय स्तर पर जांच प्रभावित हो रही थी। सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट को बताया कि इसी प्रक्रियागत अनियमितता को दूर करने के लिए आज ही जांच सीबीआई को सौंपी जा रही है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ⏮शेष पृष्ठ 10 पर

रिटायर्ड जज सास को हाईकोर्ट का नोटिस

एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा मौत मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने आरोपी सास और रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस राज्य सरकार और ट्विशा के पिता नवनिधि शर्मा की उस याचिका पर जारी हुआ, जिसमें ट्रायल कोर्ट से मिली गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत का विरोध किया गया है। सोमवार को सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से पेश महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने कहा कि गिरिबाला जांच में सहयोग नहीं कर रही हैं। वहीं, गिरिबाला सिंह के वकील मृगेंद्र सिंह ने कहा- यह कहना गलत है कि हम जांच में सपोर्ट नहीं कर रहे हैं। हमें पिटीशन के दस्तावेज नहीं मिले हैं, इसलिए जवाब दाखिल करने के लिए समय चाहिए। वहीं भोपाल जिला कोर्ट ने रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह मामले की सुनवाई मंगलवार तक के लिए टाल दी है। पुलिस प्रतिवेदन नहीं मिलने के कारण सुनवाई स्थगित की गई। कोर्ट ने पुलिस को कल तक प्रतिवेदन पेश करने के निर्देश दिए हैं।

एनटीए ने अब तक सबक नहीं सीखा

नीट पेपर लीक केस में सुप्रीम कोर्ट सख्त, सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक मामले में घमासान लगातार जारी है। इसी बीच सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि यह दुखद है कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने पहले हुए नीट पेपर लीक से सबक नहीं सीखा है। साथ ही शीर्ष अदालत ने केंद्र, एनटीए और सीबीआई से मेडिकल प्रवेश परीक्षा आयोजित करने के लिए परीक्षा एजेंसी की जगह एक मजबूत और स्वायत्त निकाय स्थापित करने का अनुरोध करने वाली याचिकाओं पर जवाब मांगा है।

शीर्ष कोर्ट ने कहा- यह दुखद है: जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस आलोक आराधे की पीठ ने निर्देश दिया कि याचिकाओं की प्रति अन्य पक्षों के अलावा सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को भी दी जाए। कोर्ट ने नीट परीक्षा आयोजित करने के लिए जिम्मेदार

एनटीए को 2024 में अदालत की ओर से जारी निर्देशों के अनुपालन पर गुरुवार तक एक हलफनामा दाखिल करने को कहा। पीठ ने कहा कि यह दुखद है कि उन्होंने सबक नहीं सीखा है। यह मामला पहले भी इस अदालत में आया था। एक समिति, एक निगरानी समिति गठित की गई थी जिसने कुछ सिफारिशें की थीं और उन्हें स्वीकार कर लिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने मांगा हलफनामा: शीर्ष कोर्ट ने कहा कि हम चाहते हैं कि एनटीए समिति की ओर से सुझाई गई सिफारिशों के अनुपालन के लिए उठाए गए कदमों पर एक हलफनामा दाखिल करे। शीर्ष अदालत ने फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (एफएआईएमए) की ओर से वकील तन्वी दुबे के माध्यम से दायर याचिका पर नोटिस जारी करते हुए कहा कि वह सभी समान मामलों को एक साथ नत्थी कर रहा है। अदालत ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व प्रमुख के. राधाकृष्णन के नेतृत्व वाली केंद्र की ओर से नियुक्त समिति को एनटीए के कामकाज में सुधार करने और उसके निर्देशों के अनुपालन के लिए उठाए गए कदमों का विस्तृत विवरण देने का निर्देश दिया।

फेमा की याचिका, उठाई ये मांग: मेडिकल संस्था ने बार-बार पेपर लीक होने के कारण 22.7 लाख से ⏮शेष पृष्ठ 10 पर

गुलमर्ग में मौत से जीती 320 पर्यटकों ने जंग, सेना ने सभी को सुरक्षित बचाया

श्रीनगर। गुलमर्ग गोंडोला में तकनीकी खराबी के कारण फंसे सभी पर्यटकों को सोमवार को जम्मू-कश्मीर पुलिस, एसडीआरएफ, सेना और एनडीआरएफ की संयुक्त बचाव मुहिम के बाद सुरक्षित निकाल लिया गया। जम्मू कश्मीर पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात ने बताया कि यह खराबी दोपहर करीब 1:20 बजे आई, जिससे केबल कार के केबिन पर्यटकों के साथ हवा में ही लटक गए। डीजीपी ने बचाव अभियान के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सबसे पहले एसएचओ गुलमर्ग अपनी स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप की टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उसके बाद, हमने एसडीआरएफ की 14 टीमें भेजीं। बाद में, एक और टीम को इसमें जोड़ा गया, जिससे एसडीआरएफ टीमों की कुल संख्या 15 हो गई। उन्होंने बताया कि आठ माउंटेन रेस्क्यू टीमें और नौ स्नो लेपर्ड यूनिट भी तैनात की गई थीं। प्रभात ने आगे कहा कि एसडीआरएफ, भारतीय सेना और एनडीआरएफ के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर पुलिस के बड़ी संख्या में जवानों ने इस बचाव अभियान में हिस्सा लिया।

अभिषेक बनर्जी के आवास पर पुलिस की छापेमारी, कंप्यूटर समेत कई दस्तावेज किए गए जब्त

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के कद्दावर नेता, राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के कोलकाता स्थित निजी आवास पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की टीमों ने अचानक एक बड़ी छापामार कार्रवाई को अंजाम दिया है। इस हाई-प्रोफाइल कार्रवाई के दौरान अभिषेक बनर्जी के घर के बाहर और आसपास के पूरे इलाके में भारी मात्रा में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। अचानक हुई इस प्रशासनिक घेराबंदी से पूरे राज्य के राजनीतिक हलकों में कयासों और तीखी बहसों का दौर बेहद तेज हो गया है।

यह पूरी कार्रवाई कोलकाता के पॉश इलाके में स्थित 188ए हरीश मुखर्जी रोड वाले अभिषेक बनर्जी के मुख्य आवास पर सोमवार दोपहर को की गई। पुलिस के आला अधिकारियों ने आवास के भीतर कई घंटों तक सघन तलाशी ली। तलाशी अभियान पूरा होने के बाद बाहर निकली पुलिस की टीमें अपने साथ कंप्यूटर मॉनिटर, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज, सीपीयू और कई अन्य महत्वपूर्ण फाइलों व विधिक दस्तावेजों को जब्त कर अपने साथ लेकर रवाना हुई हैं। शुरुआती जांच और प्रशासनिक सूत्रों से मिली आधिकारिक जानकारियों के मुताबिक, इस पूरी कार्रवाई का सीधा संबंध कोलकाता नगर निगम द्वारा पूर्व में जारी किए गए एक विधिक नोटिस से जुड़ा हुआ है। निगम के अधिकारियों का आरोप है कि अभिषेक बनर्जी के इस आलीशान घर के कई हिस्सों में कथित तौर पर नियमों को ताक पर रखकर और बिना उचित प्रशासनिक अनुमति के अवैध निर्माण कार्य कराया जा रहा था।

10 दिन में चौथी बार बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

- 7 रुपये से ज्यादा की आई तेजी

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की ऊंची कीमतों और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में कमजोरी के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने सोमवार को एक बार फिर पेट्रोल और डीजल के दामों में बढ़ोतरी कर दी है। पिछले 10 दिनों में यह चौथी बार है जब पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े हैं। लंबे अंतराल के बाद हाल में 15 मई को पहली बार तेल की कीमतों में वृद्धि हुई थी। तब से लेकर अब तक पेट्रोल 7.35 रुपये और डीजल 7.82 रुपये प्रति लीटर महंगे हो चुके हैं। इनकी कीमतों में अभी और वृद्धि हो सकती है।

तेल अधिकारियों का कहना है कि इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की आसमान छूती कीमतें और रुपये के अवमूल्यन के कारण बढ़ी हुई आयात लागत है। ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में लगातार अस्थिरता और अंडर-रिकवरी (लागत से कम पर बिक्री) ने तेल खुदरा विक्रेताओं पर भारी दबाव बना दिया है।

15 मई: पेट्रोल और डीजल की कीमतों में प्रति लीटर करीब 3 रुपये की वृद्धि हुई थी।

19 मई: पेट्रोल ⏮शेष पृष्ठ 10 पर

कपिल शर्मा के घर पर फायरिंग

अमृतसर। मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा के अमृतसर स्थित घर के बाहर कथित फायरिंग की सूचना सामने आई है। बताया जा रहा है कि सोमवार देर रात बाइक सवार कुछ बदमाशों ने घर के बाहर गोलियां चलाईं। घटना के समय कपिल शर्मा का परिवार घर के अंदर मौजूद था, जबकि कपिल शर्मा शूटिंग के सिलसिले में मुंबई में बताए जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार घटना अमृतसर के होली सिटी इलाके में स्थित कपिल शर्मा के घर के बाहर हुई। गनीमत रही कि इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

कार 800 फीट गहरी खाई में गिरी:8 की मौत

रायगढ़/भटकल। महाराष्ट्र और कर्नाटक में दो हादसों में 19 लोगों की मौत हो गई। महाराष्ट्र के रायगड में पोलादपुर-महाबलेश्वर रोड के अंबेनली घाट इलाके में रविवार सुबह एसयूवी कार 800 फीट गहरी खाई में गिर गई। घटना में 8 लोगों की मौत हुई है। पीड़ित परिवारों की शिकायत पर पुलिस ने मृतकों के मोबाइल की लास्ट लोकेशन ट्रेस की। तब जाकर घटना की जानकारी मिली।

असम में यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल पेश

गुवाहाटी। असम विधानसभा में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) बिल सोमवार को पेश किया गया। इसे पटल पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की ओर से राज्य के संसदीय कार्य मंत्री अतुल बोरा ने रखा। इस बिल को दो हफ्ते पहले कैबिनेट से मंजूरी मिली थी। इस बिल पर 27 मई को चर्चा होगी। यदि यह बिल पारित हो जाता है, तो असम देश का तीसरा ऐसा राज्य बन जाएगा। इससे पहले उत्तराखंड और गुजरात ऐसा कर चुके हैं। सीएम सरमा के मुताबिक अनुसूचित जनजातियां (पहाड़ी) और अनुसूचित जनजातियां (मैदानी) यूसीसी के दायरे से बाहर रहेंगी। साथ ही पारंपरिक धार्मिक रीति-रिवाजों, प्रथाओं और अनुष्ठानों को भी इससे छूट दी जाएगी।

बीजापुर में 10 करोड़ का तेंदूपत्ता जलकर खाक

- किराए के गोदाम में 10 दिनों में स्टोर किए गए थे 18 हजार बोरे,बुझाने में जुटी सीआरपीएफ

बीजापुर। जिले में सोमवार दोपहर एक निजी तेंदूपत्ता गोदाम में भीषण आग लग गई। कुछ ही मिनटों में आग ने पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया और वहां रखे लगभग 18 हजार बोरे जलकर खाक हो गए। शुरुआती अनुमान के मुताबिक इस हादसे में 10 करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ है।

आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड तुरंत मौके पर पहुंच गई और आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। आग इतनी भीषण थी कि हालात को देखते हुए वन विभाग, पुलिस और नगर पालिका की टीम के अलावा सीआरपीएफ के जवान भी मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में जुट गई।

वन विभाग ने तेंदूपत्ता स्टोरेज के लिए गोदाम को किराए पर लिया था। जिसमें 10 दिनों के भीतर तेंदूपत्ता के लगभग 18 हजार मानक बोरे स्टोर किए गए थे। फिलहाल आग पर काबू पाने की कोशिश लगातार जारी है। यह मामला बीजापुर कोतवाली थाना क्षेत्र के ईंटपाल इलाके का है।

जानकारी के अनुसार, ईटपाल इलाके में वन विभाग ने तेंदूपत्ता स्टोरेज के लिए एक किराए का गोदाम लिया था, जिसमें दोपहर करीब 2:30 बजे भीषण आग लग गई। उस समय गोदाम में ⏮शेष पृष्ठ 10 पर

बेमेतरा में पटवारी 15 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार

रायपुर। बेमेतरा जिले में एंटी करप्शन ब्यूरो ने पटवारी को 15 हजार रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी पटवारी जमीन के बंटवारे और ऋण पुस्तिका बनाने के बदले रिश्वत मांग रहा था। जानकारी के मुताबिक, ग्राम बोड़ निवासी नरोत्तम साहू ने एसीबी रायपुर से शिकायत की थी कि ग्राम बोड़, तहसील साजा

में पदस्थ पटवारी ओमकार सोनवानी उनकी जमीन का बंटवारा और खाता विभाजन करने के एवज में 25 हजार रुपए मांग रहा है। शिकायतकर्ता रिश्वत नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने एसीबी से संपर्क किया।

शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने पहले पूरे मामले का जांच करवाई। जांच के दौरान यह पुष्टि हुई कि पटवारी वाकई रिश्वत मांग रहा है। इसी दौरान बातचीत में रकम को लेकर मोलभाव हुआ और आरोपी 25 हजार की जगह 15 हजार रुपए लेने पर तैयार हो गया। एसीबी ने ट्रैप की पूरी रणनीति तैयार की। शिकायतकर्ता को कैमिकल लगे नोट दिए गए और टीम को आसपास तैनात कर दिया गया। शिकायतकर्ता पटवारी के पास पहुंचा। जैसे ही आरोपी ने रिश्वत की रकम अपने हाथ में ली, एसीबी टीम ने मौके पर दबिश दे दी।

धर्मेंद्र का मरणोपरांत पद्म विभूषण सम्मान लेकर भावुक हुईं हेमा मालिनी

- बेटी अहाना नहीं रोक पाईं आंसू

नई दिल्ली। इस साल जनवरी में देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल पद्म पुरस्कारों की घोषणा हुई थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कला, साहित्य, चिकित्सा, विज्ञान और खेल सहित विभिन्न क्षेत्र की हस्तियों को सोमवार को देश के सबसे प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान से सम्मानित किया। राष्ट्रपति ने वर्ष 2026 के लिए कुल 131 पद्म पुरस्कारों को मंजूरी दी, इनमें से 66 हस्तियों को आज सम्मानित किया जा रहा है। इस साल की सूची के मुताबिक कुल पांच लोगों को पद्म विभूषण, 13 विभूतियों को पद्म भूषण और 113 लोगों को पद्म श्री से नवाजा जाएगा। 2026 में कुल 131 हस्तियों को

पद्म पुरस्कार दिए जाने हैं, जिनमें से बाकी बचे 65 विजेताओं को अगले चरण में सम्मानित किया जाएगा।

धर्मेंद्र को मरणोपरांत पद्म विभूषण; हरमनप्रीत कौर समेत कई हस्तियों को सम्मान: पद्म विभूषण सम्मान 2026 में सबसे पहले दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र सिंह देओल (मरणोपरांत) को प्रदान किया गया। यह सम्मान उनकी पत्नी और अभिनेत्री हेमा मालिनी ने ग्रहण किया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को पद्मश्री से नवाजा गया। उनकी नेतृत्व क्षमता में भारतीय टीम ने इस वर्ष वनडे वर्ल्ड कप जीतकर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की थी।

सोलर ग्रुप के चेयरमैन सत्यनारायण नुवाल को रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किया गया।

बंगाल में घुसपैठियों और विदेशी कैदियों के लिए होल्डिंग सेंटर शुरू

- लालगोला के पद्मा भवन में रखे गए तीन बांग्लादेशी

कोलकाता। बंगाल में सीमा पार से होने वाली अवैध घुसपैठ और सजा पूरी कर चुके विदेशी नागरिकों के प्रत्यर्पण की जटिल प्रक्रिया को व्यवस्थित करने के लिए राज्य सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार के ताजा आदेश के बाद प्रदेश के हर जिले में होल्डिंग सेंटर बनाने का काम युद्ध स्तर पर शुरू हो गया है। गौर करने वाली बात यह है कि गत 23 मई को इस संबंध में आधिकारिक दिशानिर्देश जारी होने के महज 48 घंटों के भीतर ही इस पर कड़ाई से अमल भी शुरू कर दिया गया है।

होल्डिंग सेंटर का निर्माण शुरू: इसी कड़ी में मुर्शिदाबाद के

लालगोला स्थित पद्मा भवन की तीसरी मंजिल पर राज्य का पहला सक्रिय होल्डिंग सेंटर अस्तित्व में आ चुका है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस सेंटर में तीन बांग्लादेशी नागरिकों को लाकर रखा भी जा चुका है। सुरक्षा और गोपनीयता के लिहाज से फिलहाल इन तीनों की विस्तृत पहचान उजागर नहीं की गई है, लेकिन बताया जा रहा है कि ये सभी पुरुष हैं और इनकी उम्र 30 से 40 वर्ष के बीच है।

तीन श्रेणियों के लोग रखे जाएंगे इन केंद्रों में: सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार, इन होल्डिंग सेंटरों का उपयोग मुख्य रूप से तीन विशेष श्रेणियों के विदेशी नागरिकों को रखने के ⏮शेष पृष्ठ 10 पर

छत्तीसगढ़ में बढ़े आत्महत्या के मामले : देश के टॉप फाइव राज्यों में प्रदेश का चौथा स्थान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आत्महत्याओं का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। आए दिन खुदकुशी की खबरें आ रही हैं। रोजाना खुद ही जान देने के मामले इतने बढ़े हैं कि छत्तीसगढ़ देश में आत्महत्या के मामलों में चौथे स्थान पर है यानी देश में टॉप फाइव के स्थान पर आ गया है। नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट 2023 के मुताबिक राज्य में 7,868 आत्महत्याएं दर्ज की गईं। आत्महत्या दर प्रति एक लाख आबादी पर 26 रही, जो राष्ट्रीय औसत 12.3 से दोगुने से भी अधिक है।

एनसीआरबी के अनुसार, आत्महत्या दर के मामले में छत्तीसगढ़ देश के राज्यों में चौथे

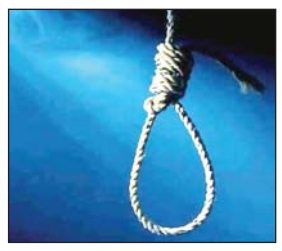

स्थान पर रहा। इससे पहले सिक्किम केरल और तेलंगाना जैसे राज्य हैं। आंकड़े बताते हैं कि 2022 में राज्य में 8,446 आत्महत्याएं दर्ज हुई थीं, जबकि 2023 में इसमें करीब 6.8 प्रतिशत की कमी आई। एनसीआरबी की 2022 रिपोर्ट में छत्तीसगढ़ आत्महत्या दर के मामले में देश में तीसरे स्थान पर था। उस समय राज्य की आत्महत्या दर 28.2 दर्ज की गई थी, जबकि राष्ट्रीय औसत 12.4 था। 2022 में राज्य में कुल 8,446 लोगों ने आत्महत्या की थी, जो 2021 की तुलना में लगभग 7.9 प्रतिशत अधिक थी।

राष्ट्रीय तस्वीर भी चिंताजनक: देशभर में 2023 के दौरान 1.71 लाख से अधिक आत्महत्याएं दर्ज की गई। एनसीआरबी रिपोर्ट के मुताबिक पारिवारिक समस्याएं और बीमारी आत्महत्या के प्रमुख कारणों में शामिल रहीं। महाराष्ट्र, तमिलनाडु और मध्यप्रदेश जैसे बड़े राज्यों में आत्महत्या के कुल मामलों की संख्या सबसे अधिक रही। किन वर्गों पर सबसे ज्यादा असरराष्ट्रीय स्तर पर दैनिक मजदूरी करने वाले लोग आत्महत्या के सबसे बड़े प्रभावित वर्ग के रूप में सामने आए हैं। एनसीआरबी के हालिया विश्लेषणों के अनुसार आर्थिक अस्थिरता, बेरोजगारी, पारिवारिक तनाव और मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं लगातार बड़े कारण बन रही है।

टेली-मानस हेल्पलाइन हो सकती है मददगार

यदि आप या आपका कोई परिचित मानसिक तनाव या आत्मघाती विचारों से जूझ रहा है, तो तुरंत परिवार, मित्र या मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से संपर्क करना जरूरी है। भारत सरकार की टेली-मानस हेल्पलाइन 14416 या 1-800-891-4416 पर भी सहायता उपलब्ध है। ⏮शेष पृष्ठ 10 पर

प्रेमानंदजी की अपील- मैं रहूं न रहूं, हमेशा साथ रहूंगा

- मेरी चिंता छोड़िए, श्रीजी का ध्यान लगाइए; तबीयत बिगड़ने के बाद 9 दिन से पदयात्रा बंद

मथुरा। 'बिल्कुल चिंता मत करो। हम मिलें न मिलें, बोलें न बोलें, हम आप सबको बहुत प्यार करते हैं। अंतिम बात यही कि चिंता नहीं करनी। न ये चिंता करनी है कि कैसे हमारा उत्थान होगा। बिना बोले तुम्हारे दिमाग में हम होंगे।'

ये भावुक अपील वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज ने वीडियो जारी कर अपने शिष्यों और भक्तों से की। 1 मिनट 19 सेकेंड का वीडियो रविवार को केली कुंज आश्रम ट्रस्ट के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया।

17 मई यानी 9 दिन से प्रेमानंद

महाराज की रात्रि पदयात्रा बंद है। शिष्यों ने तब बताया था कि प्रेमानंद महाराज की तबीयत ठीक नहीं है। वह भक्तों से एकांतिक मुलाकात भी नहीं कर रहे हैं। प्रेमानंद महाराज की दोनों किडनी खराब हैं। उनकी हफ्ते में 2-3 बार डायलिसिस होती है। प्रेमानंद महाराज ने आगे कहा कि देख लेना तुम वही करोगे, जो गुरुदेव कहेंगे। आप बिल्कुल निश्चिंत रहिएगा। जो जहां जिस सेवा में आए, उस सेवा में रहिएगा। खूब नाम जप करो। मंगल होगा। तुम्हारे गुरुदेव तुम्हारे दिमाग में बैठे रहेंगे।

बदलता इंफ्रास्ट्रक्चर, बढ़ता भारत : रायपुर-विशाखापट्टनम कॉरिडोर से खुलेगा तरक्की का द्वार

धनंजय राठौर, संयुक्त संचालक
सुनील त्रिपाठी, सहायक संचालक

'गति शक्ति और आत्मनिर्भर भारत के विजन से छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई उड़ान'

रायपुर। भारत आज तीव्र गति से आधुनिक बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) और सुदृढ़ आर्थिक नेटवर्क के निर्माण की दिशा में अग्रसर है। सड़क, रेल, बंदरगाह और लॉजिस्टिक्स को एकीकृत करते हुए देश को आर्थिक रूप से अधिक सक्षम और आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास निरंतर जारी है। विकास के इसी दूरदर्शी दृष्टिकोण का एक उत्कृष्ट उदाहरण रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर है। यह कॉरिडोर केवल दो शहरों को जोड़ने वाली सड़क परियोजना नहीं है, बल्कि यह ष्नए भारत की नई रफ्तारष् का प्रतीक है, जो उद्योग, व्यापार, निवेश और रोजगार के नए क्षितिज खोलने जा रहा है।

मध्य-पूर्वी समुद्री तट को जोड़ने वाला महामार्ग: रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर देश के मध्य भाग को पूर्वी समुद्री तट से जोड़ने वाला एक अत्यंत महत्वपूर्ण आर्थिक मार्ग है। यह छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी (संपर्क) स्थापित करेगा, जिससे सड़क परिवहन, लॉजिस्टिक नेटवर्क और औद्योगिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। इस परियोजना को प्रधानमंत्री की 'गति शक्ति' और 'आत्मनिर्भर भारत' की सोच को धरातल पर उतारने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

विकास का मूलमंत्र: किसी भी राज्य या देश के विकास का सबसे मजबूत आधार उसका इंफ्रास्ट्रक्चर होता है। जहां विश्वस्तरीय सड़कें, सुगम परिवहन और अत्याधुनिक लॉजिस्टिक सुविधाएं होती हैं, वहां उद्योगों का तेजी से विस्तार होता है और निवेश आकर्षित होता है। यह कॉरिडोर माल परिवहन को अधिक तीव्र, सुरक्षित और लागत प्रभावी (कम खर्चीला) बनाएगा। इसके परिणामस्वरूप उद्योगों को कच्चा माल आसानी से उपलब्ध होगा और तैयार उत्पाद कम से कम समय में बाजार तक पहुंच सकेंगे।

चूंकि विशाखापट्टनम बंदरगाह देश के प्रमुख समुद्री द्वारों में से एक है, इसलिए इस कॉरिडोर के माध्यम से छत्तीसगढ़ को सीधे पोर्ट कनेक्टिविटी मिलेगी। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि राज्य के उद्योगों की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक सीधी पहुंच स्थापित होगी, जिससे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान मिलेगी।

छत्तीसगढ़ को मिलने वाले प्रमुख लाभ: रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था के लिए गेम-चेंजर साबित होने वाला है। छत्तीसगढ़ खनिज संपदा, ऊर्जा संसाधनों, कृषि और वनोपज से समृद्ध राज्य है। यहाँ लौह अयस्क, कोयला, बॉक्साइट और स्टील उद्योगों की अपार संभावनाएं हैं। पूर्व में बेहतर परिवहन और लॉजिस्टिक नेटवर्क के अभाव के कारण उद्योग अपनी पूरी क्षमता का लाभ नहीं उठा पाते थे, परंतु यह कॉरिडोर इन चुनौतियों को समूल समाप्त कर देगा।

औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन: कॉरिडोर के निर्माण से रायपुर, दुर्ग, भिलाई, धमतरी, कांकेर और जगदलपुर जैसे क्षेत्रों में नए औद्योगिक क्लस्टर्स विकसित होंगे। स्टील, सीमेंट, एल्युमिनियम, खाद्य प्रसंस्करण (फूड प्रोसेसिंग) और एमएसएमई (लघु उद्योगों) को एक नई ऊर्जा मिलेगी, जिससे घरेलू और विदेशी निवेशकों का रुझान इस क्षेत्र की ओर तेजी से बढ़ेगा।

ह्यइतनी बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजना के आने से रोजगार के अवसर भी आनुपातिक रूप से बढ़ते हैं। सड़क निर्माण, वेयरहाउसिंग, लॉजिस्टिक पार्क्स, नई औद्योगिक इकाइयों और परिवहन सेवाओं के माध्यम से हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होंगे। स्थानीय युवाओं को अपने ही क्षेत्र में जीविकोपार्जन के साधन मिलने से पलायन की समस्या पर काफी हद तक रोक लगेगी।

बस्तर क्षेत्र का कायाकल्प: यह कॉरिडोर बस्तर संभाग के लिए विशेष रूप से परिवर्तनकारी सिद्ध होगा। लंबे समय से विकास की मुख्यधारा से कटे क्षेत्रों में बेहतर सड़क और व्यापारिक संपर्क स्थापित होगा। बस्तर के बहुमूल्य वन उत्पाद, अनूठे हस्तशिल्प, कृषि उपज और लघु उद्योगों को बड़े बाजार तक पहुंच मिलेगी, जिससे आदिवासी समुदायों की आय में वृद्धि होगी और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी।

कृषि और वनोपज को सही मूल्य

छत्तीसगढ़ देश में धान के कटोरे के रूप में प्रसिद्ध है। इसके अतिरिक्त यहाँ मक्का, दलहन, फल और लघु वनोपज का भी प्रचुर मात्रा में उत्पादन होता है। बेहतर परिवहन व्यवस्था से किसानों और वनोपज संग्राहकों को अपनी उपज मंडियों तक पहुंचाने में सुगमता होगी। परिवहन लागत घटने से सीधे तौर पर किसानों का मुनाफा बढ़ेगा।

पर्यटन उद्योग को नई उड़ान: चित्रकोट जलप्रपात, तीरथगढ़, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, सिरपुर और बस्तर के सांस्कृतिक पर्यटन स्थलों तक पहुंच सुगम होने से राज्य में पर्यटन उद्योग को भारी बढ़ावा मिलेगा। इससे होटल, गाइड, स्थानीय परिवहन और हस्तशिल्प व्यवसायियों की आय दोगुनी होगी।

व्यापार और निर्यात में ऐतिहासिक वृद्धि: विशाखापट्टनम पोर्ट तक आसान और तेज पहुंच से छत्तीसगढ़ के उद्योगों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता (कॉम्पिटिटिवनेस) बढ़ेगी। संक्षेप में कहें तो, रायपुर-

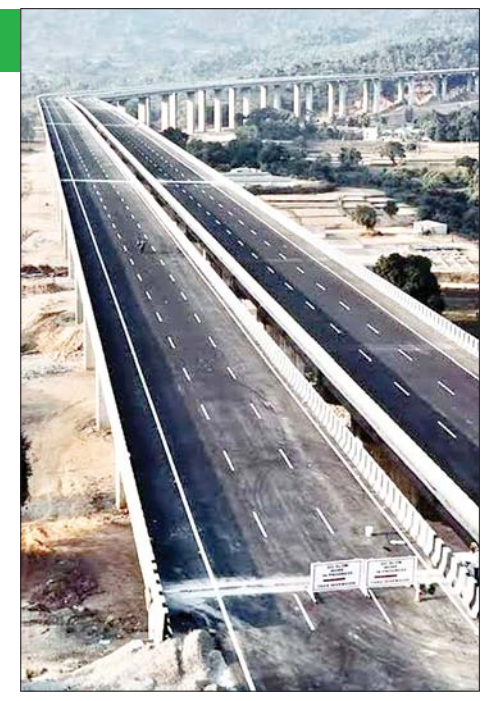

विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर महज एक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की प्रगति, समृद्धि और आत्मनिर्भरता का नया महामार्ग है। यह छत्तीसगढ़ को देश के एक प्रमुख औद्योगिक और व्यापारिक हब के रूप में स्थापित करने का सामर्थ्य रखता है।

मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर ही सशक्त अर्थव्यवस्था की नींव होता

सड़क दुर्घटनाएं नहीं हों, इसके लिए हर जरूरी कदम उठाएं : मुख्य सचिव

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील ने विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए सभी समुचित और ठोस कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। मुख्य सचिव आज मंत्रालय में सड़क सुरक्षा को लेकर आयोजित बैठक में अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे।

ब्लैक स्पॉट सुधारने पर विशेष जोर: मुख्य सचिव ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के लिए चिन्हित ब्लैक स्पॉट की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और वहां आवश्यक सुधार कार्य तत्काल किए जाएं। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय से सड़कों की स्थिति सुधारने के निर्देश दिए ताकि हादसों की आशंका खत्म हो सके।

सुप्रीम कोर्ट और केंद्र की योजनाओं की समीक्षा: बैठक में राज्य सड़क सुरक्षा कोष, माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा फलोदी एवं रंगा रेड्डी सड़क दुर्घटना मामलों में दिए गए दिशा-निर्देशों के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। साथ ही पीएम राहत योजना और पीएम ई-ड्राईव योजना की प्रगति की जानकारी ली गई। मुख्य सचिव ने सर्वोच्च न्यायालय की कमेटी ऑन रोड सेफ्टी के निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने को कहा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी सड़क दुर्घटना रेस्क्यू से संबंधित एसओपी के क्रियान्वयन की भी समीक्षा की गई।

ईव्ही चार्जिंग स्टेशन बढ़ाने के निर्देश: मुख्य सचिव ने पीएम ई-ड्राइव योजना के अंतर्गत ई-वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन की स्थापना में तेजी लाने को कहा। उन्होंने परिवहन विभाग को निर्धारित स्थलों पर तत्काल ई-चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में अब तक 150 स्थानों पर ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा चुके हैं। इन स्टेशनों पर पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत सब्सिडी भी दी जाती है।

जल जीवन मिशन से बदली जशपुर के ग्राम बेंगटा की तस्वीर

61 परिवारों तक पहुंचा शुद्ध पेयजल, महिलाओं और बच्चों को मिली बड़ी राहत

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में संचालित जल जीवन मिशन ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर सुधारने का माध्यम बन रहा है। जशपुर जिला मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर दूर जंगलों से घिरे ग्राम बेंगटा में इस योजना ने पेयजल संकट को दूर कर ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है।

भौगोलिक चुनौतियों के बावजूद लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा गांव में 10 किलोलीटर क्षमता का उच्च स्तरीय जलागार स्थापित किया गया है, जिसके माध्यम से ग्राम की दोनों बसाहटों के 61 परिवारों को नियमित रूप से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। जल जीवन मिशन के लागू होने से पहले ग्रामीणों को पेयजल के लिए नाला और कुओं पर निर्भर रहना पड़ता था। महिलाओं और बच्चों को प्रतिदिन लंबी दूरी तय कर पानी लाना पड़ता था। गर्मी के मौसम में जल संकट गहरा जाता था, वहीं बरसात में मटमैले और असुरक्षित पानी के कारण जलजनित बीमारियों का खतरा बना रहता था। अब हर घर में नल कनेक्शन के माध्यम से स्वच्छ पेयजल पहुंच रहा है। इससे महिलाओं और बच्चों के समय की बचत हो रही है तथा महिलाएं आजीविका गतिविधियों पर अधिक ध्यान दे पा रही हैं। स्वच्छ पानी मिलने से ग्रामीणों के स्वास्थ्य में भी सुधार हुआ है और जलजनित बीमारियों में कमी आई है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जशपुर द्वारा ग्राम बेंगटा को 'हर घर जल' प्रमाणित किया जा चुका है। ग्रामीणों ने कहा कि जल जीवन मिशन ने गांव में न केवल पेयजल की सुविधा सुनिश्चित की है, बल्कि जीवन को अधिक सुरक्षित, सरल और बेहतर बनाया है।

मिट्टी के दीयों और पेपर कप फोन से जगमगाई सीख की दुनिया

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल की आंगनबाड़ी केन्द्रों में इन दिनों नन्हे हाथ सिर्फ खेल नहीं रहे, बल्कि अपने सपनों, कल्पनाओं और सीखने की नई दुनिया को आकार दे रहे हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वंयसेवी संस्था 'तितली' के सहयोग से चल रही रचनात्मक गतिविधियों ने बच्चों के लिए आंगनबाड़ी को आनंद, जिज्ञासा और नवाचार का केंद्र बना दिया है।

माटी की सोंधी खुशबू के बीच जब छोटे-छोटे बच्चों ने अपने हाथों से दीये बनाए, तो वह सिर्फ एक कलाकृति नहीं थी, बल्कि आत्मविश्वास और रचनात्मकता की पहली चमक थी। गीली मिट्टी को आकार देते हुए बच्चों ने स्पर्श, संतुलन और कल्पनाशीलता को महसूस किया। पारंपरिक दीये बनाते हुए वे अपनी सांस्कृतिक विरासत से भी सहज रूप से जुड़ते चले गए।

वहीं दूसरी ओर साधारण पेपर कप और धागे से तैयार किया गया 'पेपर कप फोन' बच्चों के लिए किसी जादू से कम नहीं था। जब एक छोर से बोली गई आवाज दूसरे छोर तक पहुंची, तो बच्चों की आंखों में आश्चर्य और खुशी एक साथ झलक उठी। इस छोटे से प्रयोग ने नन्हे मनों को विज्ञान के उस अद्भुत संसार से परिचित कराया, जहां सीखना किताबों तक सीमित नहीं, बल्कि अनुभवों से जुड़ा होता है।

बस्तर की आंगनबाड़ियों में खेल-खेल में विज्ञान, कला और आत्मविश्वास की नई उड़ान

इन गतिविधियों ने बच्चों को केवल मनोरंजन नहीं दिया, बल्कि संवाद, ध्यान से सुनना, मिलकर काम करना और नई चीजें बनाने का आत्मविश्वास भी सिखाया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने बताया कि बच्चों में अब सवाल पूछने और खुद से प्रयोग करने की उत्सुकता बढ़ रही है।

विशेषज्ञ मानते हैं कि प्रारंभिक अवस्था में इस तरह की खेल-आधारित शिक्षा बच्चों के मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास में बेहद प्रभावी होती है। बस्तर की आंगनबाड़ियों में हो रहे ये प्रयास इस बात का प्रेरक उदाहरण हैं कि यदि बच्चों को सीखने का सहज और आनंददायक वातावरण मिले, तो वे बहुत कम उम्र में ही रचनात्मक सोच और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित कर सकते हैं। बस्तर की ये तस्वीर आज पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणा बन रही है, जहां आंगनबाड़ी केन्द्र केवल पोषण तक सीमित नहीं रहे, बल्कि नौनिहालों के सपनों, जिज्ञासाओं और उज्ज्वल भविष्य को गढ़ने वाले सशक्त सीख केंद्र बनते जा रहे हैं।

सुशासन तिहार बना ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम

रायपुर। किसानों को केसीसी, विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र और हितग्राहियों को मिली राहतमुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन संकल्प को साकार करते हुए जशपुर जिले के ग्राम बड़ाकरौंजा में सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आसपास के 15 गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

शिविर में कुल 235 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निराकरण किया गया। विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया। इस दौरान 08 हितग्राहियों को नए राशन कार्ड, 03 परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के पूर्णता प्रमाण-पत्र, 14 किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड तथा 4 किसानों को उर्वरक वितरित किए गए। साथ ही 25 मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने नवजात शिशुओं का अन्नप्राशन संस्कार एवं गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की रस्म पूरी कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है और सुशासन तिहार इस दिशा में प्रभावी पहल साबित हो रहा है। शिविर में टेकुल ग्राम के किसान अजीत एक्का को किसान क्रेडिट कार्ड प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि अब उन्हें खेती-किसानी के लिए समय पर खाद-बीज उपलब्ध हो सकेगा और साहूकारों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

संघर्ष से आत्मनिर्भरता तक : बीजापुर की मनीषा नायक ने पेश की मिसाल

'जब हौसला मजबूत हों, तो सीमित संसाधन भी सफलता का मार्ग प्रशस्त कर देता है'

रायपुर। यदि सही मार्गदर्शन और दृढ़ इच्छाशक्ति हो, तो कठिन से कठिन परिस्थितियों को भी अनुकूल बनाया जा सकता है। बेरोजगारी और सीमित संसाधनों जैसी चुनौतियों के आगे घुटने टेकने के बजाय, उन्होंने नवाचार का रास्ता चुनकर अपनक भ्सवष्य को संवार सकते हैं। आज छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले की रहने वाली 22 वर्षीय मनीषा नायक ने यह साबित कर दिया है। वे एक सफल राइस मिल संचालक के रूप में न केवल आत्मनिर्भर जीवन जी रही हैं, बल्कि अन्य ग्रामीण युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत भी बन चुकी हैं।

'संघर्ष और दुविधा का वो शुरुआती दौर': मनीषा नायक का जीवन सफर शुरुआत में काफी संघर्षमय रहा। पढ़ाई पूरी करने के बाद एक अदद स्थायी रोजगार के लिए उन्होंने लंबे समय तक प्रयास किए, लेकिन सफलता हाथ नहीं लग रही थी। समय बीतने के साथ भविष्य की चिंता और मानसिक तनाव गहराता गया। एक साधारण आर्थिक पृष्ठभूमि वाले परिवार से आने के कारण उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती स्वयं को

आत्मनिर्भर बनाने और परिवार का संबल बनने की थी। ऐसे नाजुक मोड़ पर मनीषा ने हताश होने के बजाय स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ाने का साहसिक निर्णय लिया।

'उम्मीद की एक नई किरण': इसी बीच एक परिचित के माध्यम से मनीषा को जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, बीजापुर के बारे में पता चला। वहाँ पहुँचने पर विभागीय अधिकारियों ने उन्हें अत्यंत सरल और प्रभावी ढंग से केंद्र सरकार की पीएमएफएमई (PMFME) योजना की बारीकियों से अवगत कराया।

'पीएमएफएमई योजना- आत्मनिर्भरता का नया आधार': प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना विशेष रूप से उन महत्वाकांक्षी युवाओं को ध्यान में रखकर बनाई गई है, जो खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में अपना छोटा व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं। विभाग से मिले मार्गदर्शन और प्रोत्साहन ने मनीषा के भीतर एक नया आत्मविश्वास भर दिया। उन्हें यह विश्वास हो गया कि वे भी अपने दम पर एक सफल उद्यमी बन सकती हैं।

'बैंक ऋण से शुरू हुआ उद्यम का सफर': जिला उद्योग एवं व्यापार केंद्र के सहयोग से मनीषा ने भारतीय स्टेट बैंक की भैरमगढ़ शाखा में पीएमएफएमई योजना के अंतर्गत ऋण के लिए आवेदन किया।

गाँव-गाँव इन दिनों तेंदूपत्ता संग्रहण का चल रहा सिलसिला

तेज धूप और थकान में भी हरा सोना से मिलती है राहत

रायपुर। तेज़ दोपहरी की धूप हो या गाँव के तालाबों में कम होता पानी, गर्मी का मौसम अपने साथ कई चुनौतियाँ लेकर आता है। लेकिन कोरबा जिले के दूरस्थ गाँव लेमरू के परिवारों के लिए यही मौसम खुशियों की सौगात भी लेकर आया है। कारण हैकृतेंदूपत्ता के बढ़े हुए दाम, जिसने इस क्षेत्र के सैकड़ों संग्राहक परिवारों की उम्मीदों को नई उड़ान दी है। गाँव की गलियों में दोपहर का सन्नाटा भले ही छाया रहता हो, पर जंगल की ओर जाने वाली पगडंडियों पर सुबह से शाम तक रौनक देखने को मिलती है। महिलाएं, युवा, बच्चे और बुजुर्ग तेंदूपत्ता संग्रहण में जुटे हुए हैं। जंगलों से पत्ते तोड़कर लाना, उन्हें गठरी में भरकर घर तक लाना और फिर घर की परछी में बैठकर 50-50 पत्तों के बंडल बनानाकृइन सब कामों के बीच उनके चेहरों पर एक समान चमक दिखाई देती है। सभी के मन में यही खुशी है कि दाम बढ़ने से आमदनी भी बढ़ेगी और जितना अधिक संग्रहण होगा, उतनी ही आमदनी मिलेगी।

लेमरू गाँव के संतोष यादव और उनकी पत्नी दिव्या यादव हर सुबह सूरज निकलने से पहले लाम पहाड़ के जंगल की ओर निकल जाते हैं। दिव्या बताती हैं कि सुबह से दोपहर तक पत्ते तोड़ते हैं, फिर दोपहर के बाद खाना खाकर घर में बैठकर बंडल बनाना शुरू करते हैं। इस बार वे पिछले साल से कहीं अधिक पत्ता तोड़ रहे हैं, क्योंकि कीमत भी बढ़ी है और मेहनत का सीधा लाभ मिलने वाला है। संतोष परसा पेड़ की छाल से रस्सी बनाकर तेंदूपत्तों की गड्डी तैयार करते हैं।

दिव्या, जिन्हें महतारी वंदन योजना से प्रति माह 1000 रुपये की सहायता मिलती है, बताती हैं कि यह राशि उनके परिवार के लिए बेहद उपयोगी है। तेंदूपत्ता संग्रहण और योजना से मिली सहायता मिलकर अब उनके परिवार के लिए बेहतर भविष्य की राह खोल रहे हैं। वे खुशी से बताती हैं कि अब प्रति मानक बोरा की कीमत 5500 रुपये कर दी गई है, जिससे वे अपने घर के निर्माण का सपना पूरा करना चाहती हैं।

गाँव की ही सोना बाई और सुमित्रा बाई भी सुबह-सुबह जंगल जाती हैं। वे कहती हैं कि जितना ज्यादा पत्ता तोड़ेंगे, उतनी ही आय होगी। पहले कीमत 2500 रुपये थी, फिर 4000 हुई और अब 5500 रुपये होने से उनके जीवन में बड़ा बदलाव आया है। तेंदूपत्ता संग्राहक कार्ड के माध्यम से बीमा और बच्चों को छात्रवृत्ति जैसी सुविधाएँ भी मिल रही हैं, जो वन क्षेत्र के परिवारों के लिए महत्वपूर्ण सहारा बन चुकी हैं।

तेंदूपत्ता के बढ़े दामों ने संग्राहकों के चेहरों पर नई रोशनी ला दी है। संग्राहकों ने कीमत वृद्धि पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया है।

गर्मी में राहत और सतत बनी रहे रोशनी

शासन की संवेदनशील पहल से सियाराम मरकाम के घर लौटी बिजली

रायपुर। राज्य शासन की संवेदनशील पहल और दूरस्थ अंचलों तक बिजली सुविधाओं की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता ने धमतरी जिले के गंगरेल डुबान क्षेत्र स्थित ग्राम तुमाखुर्द निवासी सियाराम मरकाम के परिवार के जीवन में फिर से रोशनी लौटा दी है। वर्षों पहले स्थापित सोलर होम लाइट सिस्टम के खराब हो जाने से उनका परिवार लंबे समय से परेशान था। भीषण गर्मी के इस मौसम में बिजली और पंखे की सुविधा बंद होने से दैनिक जीवन कठिन हो गया था। राज्य शासन की मंशा के अनुरूप यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में भी बिजली की उपलब्धता बनी रहे तथा गर्मियों के कठिन समय में लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। इसी संवेदनशील

दृष्टिकोण के तहत समस्या की जानकारी मिलते ही क्रेडा के तकनीकी अमले ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सोलर होम लाइट सिस्टम की मरम्मत की और नई बैटरी स्थापित कर उसे पुनः चालू किया।

सिस्टम के पुनः कार्यशील होते ही मरकाम के घर में फिर से उजाला फैल गया। अब उनका घर रात में रोशन रहने लगा है और पंखे की सुविधा बहाल होने से परिवार को गर्मी से राहत मिली है। दूरस्थ डुबान क्षेत्र में रहने वाले इस परिवार के लिए यह सुविधा बड़ी राहत लेकर आई है।

श्री सियाराम मरकाम ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे समय से वे इस समस्या से परेशान थे, लेकिन अब उनके परिवार को बड़ी सुविधा मिल गई है और घर में फिर से सामान्य जीवन लौट आया है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना 'सौभाग्य' सहित विभिन्न विद्युत एवं सौर ऊर्जा आधारित योजनाओं के माध्यम से राज्य शासन लगातार यह प्रयास कर रहा है कि अंतिम छोर तक रहने वाले परिवारों को भी भरोसेमंद और सतत ऊर्जा सुविधा मिल सके।

आज की जनधारा City Dhara

मंगलवार 26 मई 2026, www.aajkijandhara.com

छत्तीसगढ़ के गोडबोले दंपती पद्मश्री से सम्मानित

डॉक्टर भैया-भाभी नाम से फेमस, दंतेवाड़ा-अबूझमाड़ में 1 लाख मरीजों का किया फ्री इलाज

रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को 66 हस्तियों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया है। इनमें छत्तीसगढ़ के डॉक्टर दंपती भी शामिल हैं। दंतेवाड़ा और अबूझमाड़ में चिकित्सा सेवा दे रहे डॉ. रामचंद्र त्रयम्बक गोडबोले और डॉ. सुनीता गोडबोले डॉक्टर भैया-भाभी के नाम से भी फेमस हैं।

डॉक्टर दंपती लंबे समय से आदिवासी और ग्रामीण इलाकों में लोगों का इलाज कर मानव सेवा का काम कर रहे हैं। उन्होंने अब तक 1 लाख से ज्यादा मरीजों का फ्री में इलाज किया है। उनके इस समर्पण और सेवा को देखते हुए केंद्र सरकार ने उन्हें देश के प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा है।

साल 2026 में देशभर की कुल 131 हस्तियों को पद्म पुरस्कार दिए जाने हैं। सोमवार को पहले चरण में 66 लोगों को सम्मानित किया गया है, जबकि बाकी 65 विजेताओं को अगले फेज में सम्मान मिलेगा। हालांकि, दूसरे चरण की तारीखों का अभी

ऐलान नहीं किया गया है। अगले फेज में समाज सेवा के क्षेत्र में काम करने वाली दंतेवाड़ा की बुधरी ताती को भी पद्मश्री सम्मान से नवाजा जाएगा।

बस्तर के डॉक्टर भैया और भाभी: डॉ. रामचंद्र गोडबोले और उनकी पत्नी सुनीता गोडबोले दंतेवाड़ा के आदिवासी इलाके में पिछले 35 साल से निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं। ये दोनों पति-पत्नी हैं। मूल रूप से महाराष्ट्र के सतारा के रहने वाले हैं। 1990 में बारसूर (दंतेवाड़ा) आकर बस गए। तब से ये दक्षिण बस्तर, बीजापुर और सुकमा के वनवासी समुदाय की सेवा में अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। गोडबोले दंपती ब्रू योजना के तहत बच्चों को कुपोषण और एनीमिया से बचाने का काम कर रहे हैं। इसके साथ ही दूर-दराज के गांवों में मेडिकल कैंप लगाते हैं। लगातार फॉलो-अप करते हैं।

मेरे सामने बैठा हर आदिवासी मेरे लिए भगवान- डॉ. रामचंद्र: डॉ. रामचंद्र जिन्हें लोग प्यार से डॉक्टर भैया कहते हैं, अब तक 1 लाख से ज्यादा मरीजों का इलाज कर चुके हैं। वहीं सुनीता गोडबोले आदिवासी महिलाओं के संगठन और स्वास्थ्य जागरूकता में सक्रिय रूप से काम कर रही हैं। साथ ही स्कूल के बच्चों को स्वास्थ्य शिक्षा और संस्कार भी देते हैं। डॉ. गोडबोले का कहना है कि मेरे सामने बैठा हर आदिवासी मेरे लिए भगवान है।

मुख्यमंत्री साय ने दी बधाई

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गोडबोले दंपती को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति द्वारा यह सम्मान प्रदान किया जाना जनसेवा, समर्पण और संवेदनशीलता जैसे मूल्यों को राष्ट्रीय पहचान मिलने का प्रतीक है।

94 बैच के आईएफएस अरुण पांडेय होंगे नए हेड ऑफ फॉरेस्ट

- डीपीसी की बैठक में लगी मुहर

रायपुर। छत्तीसगढ़ वन विभाग के प्रमुख पीसीसीएफ वी. श्रीनिवास राव 31 मई को रिटायर हो रहे हैं। नए पीसीसीएफ के लिए डीपीसी की बैठक में अरूण पाण्डेय, अनिल साहू और कौशलेंद्र कुमार के नाम पर चर्चा हुई। जिसमें अरूण पाण्डेय के नाम पर मुहर लग गई।

जाहिर है, 30 और 31 मई को शासकीय अवकाश है। लिहाजा श्रीनिवास राव 29 मई को सेवानिवृत हो जाएंगे। माना जा रहा है, अरुण पांडेय 29 मई की शाम को वन बल प्रमुख का कार्यभार संभालेंगे। बता दें, वन विभाग के प्रमुख वी. वर्तमान वन प्रमुख वी. श्रीनिवास राव 31 मई को रिटायर हो रहे हैं। उनके रिटायर होने से पहले ही नए वन प्रमुख को चुनने की तैयारी तकरीबन पूरी हो गई है। डीपीसी की बैठक में अरुण पांडेय के नाम पर सहमति बन गई। अब फाइल वन मंत्री से होते हुए मुख्यमंत्री तक जाएगी। वहाँ अनुमोदन के बाद आदेश जारी हो जाएगा।

वन बल प्रमुख (हॉफ) वी. श्रीनिवास राव 31 मई को रिटायर हो रहे हैं। प्रशासनिक गलियारों में चर्चा थी कि क्या राव को मुख्य सचिव या डीजीपी की तरह 'सेवा विस्तार' (एक्सटेंशन) मिलेगा? लेकिन अब तक इस बारे में कोई संकेत नहीं है। हालांकि, पूर्व मुख्य सचिव अमिताभ जैन और पूर्व डीजीपी अशोक जुनेजा को आखिरी दिन एक्सटेंशन मिला था। उधर, अरुण पांडेय 1994 बैच के आईएफएस अफसर हैं। वर्तमान में पीसीसीएफ (वाइल्ड लाइफ) और डेवलपमेंट की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

रायपुर में बम फेंकने वाले 6 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर के कबीर नगर इलाके में घर पर बम (पटाखा) फेंककर दहशत फैलाने और चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी देने वाले 6 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनमें 4 युवक, 1 नाबालिग लड़का और 1 नाबालिग लड़की शामिल हैं। पुलिस ने घेराबंदी कर सभी को पकड़ लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने यह भी स्वीकार किया कि उन्होंने थाना क्षेत्र में चोरी की वारदात भी की है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम सोनू पटेल, आकाश पासवान, सूरज सिंह और शेख कलीम बताए जा रहे हैं।

कबीर नगर पुलिस के अनुसार, 24 मई की रात करीब 1 बजे वीर सावरकर नगर निवासी रिंकु तिवारी के घर कुछ युवक पहुंचे। आरोपियों ने घर के बाहर बम जैसे तेज धमाके वाले पटाखे फेंके और इलाके में दहशत फैलाने की कोशिश की। विरोध करने पर आरोपियों ने चाकू दिखाकर परिवार को जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

रायपुर पुलिस ने आईपीएल ऑनलाइन-सट्टा गिरोह का किया भंडाफोड़

- 72 घंटे, 5 पैनल और 26 बुकी गिरफ्तार, कोलकाता से हरियाणा तक फैला था सट्टे का नेटवर्क

रायपुर। कमिश्नरेट पुलिस ने आईपीएल ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कोलकाता और हरियाणा तक दबिश दी है। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट ने 72 घंटे तक चले विशेष ऑपरेशन में 5 बड़े पैनल नेटवर्क ध्वस्त करते हुए कुल 26 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 17 लाख 92 हजार 70 रुपए कैश, 59 मोबाइल फोन, 4 लैपटॉप और एक कार जब्त किया है। जिसकी कीमत करीब 50 लाख रुपए बताई गई है।

कई राज्यों में फैला था नेटवर्क: यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त स्मृतिक राजानाला की मॉनिटरिंग में की गई। इस दौरान कोलकाता, गुरुग्राम, महाराष्ट्र, झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ के कई जिलों में दबिश दी गई। पुलिस के अनुसार आरोपी लोटस एक्स जेड,

गोल्डनेच, लायनी, नसीब बुक, ग्रांडेच, पॉवरएच समेत कई ऑनलाइन पैनलों के जरिए आईपीएल क्रिकेट मैचों पर सट्टा संचालित कर रहे थे।

आईपीएल के दौरान 13 पैनल नेटवर्क ध्वस्त: रायपुर पुलिस ने बताया कि, कमिश्नरेट सिस्टम लागू होने के बाद से अब तक ऑनलाइन सट्टा मामलों में 18 केस दर्ज कर 100 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। अब तक करीब 4 करोड़ 29 लाख रुपए से ज्यादा की संपत्ति और सामग्री जब्त की गई है। पुलिस का दावा है कि आईपीएल सीजन के दौरान कुल 13 बड़े सट्टा पैनल नेटवर्क ध्वस्त किए गए हैं।

श्री नारायणी महिला मंडली समिति द्वारा श्रीमद्भागवत कथा के पंचम दिवस में उमड़ा श्रद्धा का सागर

जनधारा समाचार

रायपुर। श्री नारायणी महिला मंडली समिति के तत्वावधान में पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के पंचम दिवस में भक्तिमय वातावरण के बीच श्रद्धालुओं ने भावविभोर होकर कथा श्रवण किया। कथा का आयोजन पीआरटी अमलेश्वर में किया जा रहा है, जहां खारुन तटवासी बड़ी संख्या में उपस्थित होकर ज्ञान गंगा में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। कथा व्यासपीठ पर विराजमान आचार्य वेदप्रकाश पाण्डेय ने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, माखन लीला, गोवर्धन पूजा एवं छप्पन भोग प्रसंगों का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया। कथा स्थल पर भजन, संकीर्तन और जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव: आचार्य श्री ने बताया कि जब अत्याचार और

अधर्म बढ़ता है, तब भगवान स्वयं धर्म की स्थापना के लिए अवतार लेते हैं। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि अन्याय पर सत्य और प्रेम की विजय का संदेश है।

माखन लीला: बाल कृष्ण की माखन चुराने की लीलाएं वात्सल्य और निष्कपट प्रेम का प्रतीक हैं। भगवान अपने भक्तों के प्रेम रूपी माखन को ही सबसे अधिक प्रिय मानते हैं और इसी प्रेम से भक्त और भगवान का संबंध मजबूत होता है।

गोवर्धन पूजा: गोवर्धन लीला के माध्यम से भगवान कृष्ण ने प्रकृति संरक्षण और अहंकार त्याग का संदेश दिया। इंद्र के अभिमान को तोड़ते हुए उन्होंने गोवर्धन पर्वत उठाकर समस्त ब्रजवासियों की रक्षा की।

छप्पन भोग: छप्पन भोग भगवान के प्रति श्रद्धा, समर्पण और कृतज्ञता का प्रतीक माना जाता है। भक्त अपने आराध्य को प्रेमपूर्वक विविध व्यंजन अर्पित कर भक्ति भाव प्रकट करते है।

रायपुर के मदरसों में बाल आयोग अध्यक्ष का सरप्राइज इंस्पेक्शन

- बच्चों से कराई जा रही थी सफाई, यतीमखानों में गंदगी और अस्वच्छ भोजन व्यवस्था मिली

रायपुर। राजधानी में 2 मदरसों और यतीमखानों में छत्तीसगढ़ बाल आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा ने सरप्राइज इंस्पेक्शन किया। इस दौरान बच्चों की दिनचर्या, साफ-सफाई और भोजन व्यवस्था को लेकर गंभीर अनियमितताएं सामने आई है। वर्णिका शर्मा ने बैजनाथ पारा स्थित मदरसा इस्लाहुल मुस्लिमीन, दारुल यतामा और पुलिस पेट्रोल पंप के पास स्थित मदरसा इदारा-ए-सरिया यतीम खाना का जायजा लिया। बच्चों से श्रम कार्य कराए जाने और सुबह से देर रात तक पढ़ाई कराए जाने पर भी नाराजगी जताई।

किचन और परिसर में मिली गंदगी: जांच में पाया गया कि बच्चों की दिनचर्या अधिक लंबी और असंतुलित है। उन्हें सुबह से देर रात तक पढ़ाई कराई जा रही थी,

जिससे उनके शारीरिक और मानसिक विकास पर असर पड़ने की आशंका जताई गई। साथ ही निरीक्षण के दौरान परिसर और किचन में गंदगी भी मिली। इसके अलावा स्वच्छ पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी और बच्चों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता को भी असंतोषजनक पाया गया।

निरीक्षण में पाया कि बच्चों से सफाई और अन्य दैनिक कार्य कराए जा रहे थे। इसे बाल अधिकारों के खिलाफ माना गया। आयोग की अध्यक्ष स्पष्ट कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और मानसिक विकास के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

भीषण गर्मी और लू से बेहाल राजधानी, अगले 4 दिन 46 डिग्री तक पहुंच सकता है तापमान

रायपुर। नौतपा की शुरुआत के साथ ही छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया है। राजधानी रायपुर में सोमवार को तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया। लगातार बढ़ते तापमान और तेज लू को देखते हुए मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मौसम वैज्ञानिक डॉ. गायत्री वाणी ने जानकारी देते हुए बताया कि आने वाले 4 से 5 दिनों तक प्रदेश में भीषण गर्मी और हीट वेव की स्थिति बनी रह सकती है। इस दौरान तापमान 45 से 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना जताई गई है।

उन्होंने लोगों से अपील की है कि दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक अत्यधिक जरूरत पड़ने पर ही घर से बाहर निकलें। खासकर बच्चों और बुजुर्गों को सीधे धूप के संपर्क में

आने से बचाने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार इस दौरान तेज गर्म हवाएं यानी लू चलने की भी संभावना बनी हुई है।

डॉ. गायत्री वाणी ने बताया कि फिलहाल प्रदेश में गर्म और शुष्क हवाओं का प्रभाव बना हुआ है। हालांकि 4 से 5 दिनों बाद मौसम में बदलाव के संकेत मिल सकते हैं। कुछ इलाकों में बिजली चमकने और हल्की गतिविधियां होने की संभावना है, जिसके बाद तापमान में 1 से 2 डिग्री की गिरावट दर्ज की जा सकती है। भीषण गर्मी के चलते दिन के समय सड़कों पर आवाजाही कम दिखाई दे रही है। लोग गर्मी और लू से बचने के लिए घरों में रहने को मजबूर हैं।

सरकारी कार्रवाई पर सरकारी तस्वीरों ने ही खड़े कर दिए सवाल

झुके ट्रक, दबे टायर और खामोश अफसर, राजधानी में रेत के खेल का सच

जनधारा समाचार

रायपुर। रायपुर और नया रायपुर में अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ खनिज विभाग और एसडीएम की टीम की हालिया कार्रवाई अब खुद सरकार की जारी तस्वीरों में उलझती नजर आ रही है। जिन वाहनों को पकड़कर प्रशासन ने अपनी 'सख्ती' का प्रचार किया, उन्हीं सरकारी तस्वीरों ने कार्रवाई की पोल खोल दी है। तस्वीरों में साफ दिखाई दे रहा है कि रेत से लबालब भरे ट्रक और हाईवा अपनी निर्धारित क्षमता से कहीं ज्यादा लोड लेकर सड़कों पर दौड़ रहे थे। यानी अवैध उत्खनन तो था ही, साथ में खुलेआम ओवरलोडिंग भी हो रही थी। लेकिन कार्रवाई केवल खनिज प्रकरण तक सीमित रख दी गई। यहीं से सवाल उठना शुरू हो गए हैं कि आखिर ओवरलोडिंग पर कार्रवाई करने से प्रशासन किसके

दबाव में पीछे हट गया?

जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी फोटो सोशल मीडिया और प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का विषय बन चुकी हैं। लोग पूछ रहे हैं कि जब तस्वीरों में ही वाहन झुके हुए दिखाई दे रहे हैं, टायर दबे नजर आ रहे हैं और रेत ऊपर तक भरी है, तब फिर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या प्रशासन को ओवरलोडिंग दिखाई नहीं दी, या फिर देखकर भी अनदेखा कर दिया गया?

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय लगातार मंचों से अवैध खनन और माफियाओं पर सख्ती की बात कर रहे हैं। सरकार यह संदेश देने की कोशिश कर रही है कि रेत माफियाओं पर शिकंजा कस रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। कार्रवाई का तरीका यह संकेत दे रहा है कि सिस्टम अवैध उत्खनन तक तो हाथ डाल देता है, लेकिन ओवरलोडिंग के जरिए चल रहे बड़े खेल को छूने से बचता है। क्योंकि ओवरलोडिंग केवल ट्रैफिक नियम का उल्लंघन नहीं है, यह करोड़ों के अवैध खेल की रीढ़ मानी जाती है। रायपुर और नया रायपुर की सड़कें पहले ही भारी वाहनों के दबाव से टूट रही हैं। कई नई सड़कें समय से पहले उखड़ चुकी हैं। पुलों और ग्रामीण मार्गों की हालत बिगड़ रही है। इसका सीधा नुकसान सरकारी खजाने को उठाना पड़ता है। यानी जनता के टैक्स से सड़क बनती है और ओवरलोड माफिया उसे कुछ महीनों में तबाह कर देते हैं। इसके बावजूद यदि प्रशासन सिर्फ 'खनिज प्रकरण दर्ज' कर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान ले, तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर संरक्षण किसे मिल रहा है?

स्थानीय लोगों का आरोप है कि रेत घाटों से लेकर परिवहन तक पूरा नेटवर्क संगठित तरीके से काम कर रहा है। सबसे बड़ी बात यह है कि जिन रास्तों से ये ओवरलोड वाहन गुजरते हैं, वहां परिवहन विभाग, पुलिस और प्रशासनिक अमला भी मौजूद रहता है। फिर भी कार्रवाई न होना संदेह को और गहरा करता है। अब चर्चा इस बात की है कि क्या प्रशासन सिर्फ दिखावटी कार्रवाई कर रहा है? क्योंकि यदि अवैध रेत पकड़ना उपलब्धि है, तो ओवरलोडिंग पर चुप्पी समझ से परे है। क्या खनिज विभाग और एसडीएम केवल फोटो खिंचवाने तक सीमित हैं? क्या परिवहन विभाग की जिम्मेदारी खत्म हो चुकी है? और सबसे अहम सवाल-यदि सरकार की अपनी तस्वीरें ही ओवरलोडिंग की गवाही दे रही हैं, तो फिर कानून लागू करने में आखिर डर किस बात का है? राजधानी में यह मामला अब केवल अवैध रेत का नहीं रह गया है, बल्कि सिस्टम की नीयत और कार्रवाई की ईमानदारी पर सवाल बन चुका है।

सीजबीएसई के मेधावी छात्रों को कलिंगा यूनिवर्सिटी ने किया सम्मानित

- टॉपर्स फेलिसिटेशन सेरेमनी 5.0 का भव्य आयोजन

रायपुर। शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने एवं मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करने की अपनी निरंतर परंपरा को आगे बढ़ाते हुए कलिंगा यूनिवर्सिटी, रायपुर द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में टॉपर्स फेलिसिटेशन सेरेमनी 5.0 का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सीजबीएसई कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में आयोजित किया गया।

पिछले चार वर्षों से कलिंगा यूनिवर्सिटी लगातार मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने एवं उनकी उपलब्धियों का सम्मान करने हेतु इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करती आ रही है। इस वर्ष समारोह के पांचवें संस्करण को और

अधिक भव्य एवं प्रेरणादायक रूप में आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली। कार्यक्रम में लगभग 200 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया, वहीं 150 से अधिक अभिभावकों की उपस्थिति ने आयोजन को और विशेष बना दिया। पूरे समारोह के दौरान विद्यार्थियों की मेहनत, उपलब्धियों एवं उनके उज्ज्वल भविष्य को लेकर उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. राजीव कुमार, चेयरमैन, कलिंगा यूनिवर्सिटी रहे। कार्यक्रम में डॉ. मोनिका सेठी, प्रो वाइस चांसलर, कलिंगा यूनिवर्सिटी डॉ. संदीप गांधी, कुलसचिव की विशेष उपस्थिति रही। वहीं प्रसिद्ध इन्फ्लुएंसर एवं लोकप्रिय क्रिएटर पिजुश के रॉय विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सीजबीएसई 12वीं बोर्ड परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। वहीं 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को विशेष रूप से सम्मानित करते हुए कलिंगा यूनिवर्सिटी में प्रवेश हेतु 100 प्रतिशत स्कॉलरशिप प्रदान करने की घोषणा की गई।

विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को उनकी रैंक के अनुसार नगद पुरस्कार प्रदान किए गए, जिसमें प्रथम रैंक प्राप्त करने वाले छात्र को 10,000, द्वितीय रैंक के लिए 8,000, तृतीय रैंक के लिए 6,000, चतुर्थ रैंक के लिए 4,000, पंचम रैंक के लिए 3,000 तथा छठवीं से दसवीं रैंक तक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 2,000 प्रत्येक प्रदान किए गए।

सम्मानित विद्यार्थियों में सिफत परवीन, मानसी टंडन, अंजलि झा, काजल साहू, रूबी पाटले, पौरवी देवांगन, वैभव रफीसदीकर, आर्या पैंकरा, तनिषा साहू, हिमशिखा गुप्ता, शीतल साहू, महक सचदेव, करिना सिंह, लोकनाथ मेहर, आशा यादव, हेमलता साहू, रिया साहू, ओमनी वर्मा एवं जिज्ञासु वर्मा शामिल रहे।

बकरीद शांतिपूर्वक मनाएं, कुर्बानी के फोटो-वीडियो वायरल न कर: डॉ. सलीम

रायपुर। आगामी बकरीद त्योहार को लेकर छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने मुस्लिम समाज से अपील करते हुए कहा है कि बकरीद का त्योहार शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया जाए। उन्होंने कहा कि कुर्बानी दी जाए, लेकिन उससे जुड़े फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल न किए जाएं और सड़कों में खून न फैलाया जाए, क्योंकि इससे कई लोगों की भावनाएं आहत होती हैं।

डॉ. सलीम राज ने कहा कि त्योहार मनाने का उद्देश्य किसी को तकलीफ पहुंचाना नहीं, बल्कि अपनी प्रिय चीज की कुर्बानी देकर त्याग और इंसानियत का संदेश देना है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर कुर्बानी के दृश्य साझा करने से समाज में गलत संदेश जाता है और कई लोग ऐसे दृश्य देखकर असहज महसूस करते हैं।

उन्होंने स्वच्छता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि कुर्बानी के दौरान साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखा जाए। ऐसी स्थिति न बने कि नालियों में खून बहता दिखाई दे, क्योंकि इससे आम लोगों में भय और नाराजगी पैदा

होती है। वहीं प्रदेश में लगातार उठ रहे गौ तस्करी और गौवंश हत्या के मुद्दे पर भी उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया दी। डॉ. सलीम राज ने कहा कि कुछ असामाजिक तत्वों की वजह से पूरे मुस्लिम समाज को बदनाम किया जाता है, जबकि अधिकांश मुस्लिम समाज गौवंश के सम्मान के पक्ष में है।

उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज अब गोवंश को राज्य माता और राष्ट्र माता का दर्जा देने की मांग कर रहा है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि जो भी गौ माता को काटता है, वह गलत है, चाहे वह हिंदू हो या मुस्लिम। डॉ. सलीम राज ने सभी समुदायों से आपसी भाईचारे और सौहार्द बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि त्योहार प्रेम, शांति और सामाजिक समरसता के साथ मनाया जाना चाहिए।

पुलिस की सरप्राइज चेकिंग, 57 शराबी गाड़ी चलाते मिले

रायपुर। रायपुर में ड्रंक एंड ड्राइव के खिलाफ यातायात पुलिस ने रविवार देर रात बड़ा अभियान चलाया। शहर के 9 प्रमुख चौक-चौराहों पर सरप्राइज चेकिंग के दौरान 57 लोग शराब के नशे में वाहन चलाते पकड़े गए। पुलिस ने सभी वाहनों को जब्त कर चालकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की। शराब के नशे में गाड़ी चलाने वाले ड्राइवरों को पुलिस ने पैदल घर भेजा। यातायात पुलिस के मुताबिक, इस साल अब तक 3309 नशेड़ी वाहन चालकों पर कार्रवाई की जा चुकी है। पुलिस का कहना है कि अभियान का मकसद केवल चालान काटना नहीं, बल्कि सड़क हादसों में कमी लाना और लोगों की जान बचाना है। 24 मई की रात एसीपी यातायात सतीष कुमार ठाकुर के नेतृत्व में शहर के तेलीबांधा चौक, पचपेड़ी नाका, भाठागांव, टाटीबंध, कालीबाड़ी, जय स्तंभ, भनपुरी चौक और पंडरी थाना के सामने विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। यहां यातायात पुलिस और जवानों की अलग-अलग टीमों ने वाहनों की जांच की। चेकिंग के दौरान 40 कार चालक, 5 बाइक सवार, 3 ऑटो चालक और 9 मालवाहक वाहन चालक शराब के नशे में वाहन चलाते मिले।

भूकेल के एक खेत में लगी आग गुढ़ियारी-बानीपाली खार तक पहुंची

● कई एकड़ धान फसल जलकर खाक

बसना। रवि फसलों की कटाई अंतिम चरण में है और धान कटाई के बाद खेतों में बचे पैरा (फसल अवशेष) को हटाने के लिए किसानों द्वारा आग लगाने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। खेतों को शीघ्र साफ कर ट्रैक्टर से जुताई कराने की सुविधा के लिए लगाई जाने वाली यह आग अब दूसरे किसानों के लिए भारी नुकसान का कारण बनती जा रही है। तेज हवा और तूफान के बीच एक बार फिर ऐसी ही लापरवाही ने आज व्यापक नुकसान पहुंचाया, जिससे कई किसानों की तैयार धान फसल जलकर राख हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस घटना में एक दर्जन से अधिक किसानों की फसल प्रभावित हुई है। समाचार लिखे जाने तक आग फैलने की स्थिति बनी हुई थी।

जानकारी के अनुसार, आज ग्राम भूकेल के गांव तालाब के समीप किसी खेत में लगी आग तेज हवा के कारण तेजी से फैलते हुए भूकेल के मांझाखार, बानीपाली खार और गुढ़ियारी खार तक पहुंच गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और एक दर्जन से अधिक किसानों के खेतों में खड़ी धान फसलों को अपनी चपेट में ले लिया। अभी भी बड़ी संख्या में किसानों के खेतों में धान की फसल कटी नहीं है और किसान हार्वेस्टर का इंतजार कर रहे हैं। समय पर हार्वेस्टर उपलब्ध नहीं होने के कारण कई खेतों में पकी हुई फसल अभी भी खड़ी हुई है। ऐसे में कुछ किसानों द्वारा अपने खेतों में पड़े पैरा को जलाने से दूसरे किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फिरता नजर आ रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आज लगी आग इतनी तेजी से फैल रही थी कि करीब डेढ़ सौ मीटर दूर से भी उसे नियंत्रित करना मुश्किल हो रहा था। इतनी दूरी पर भी आग की गर्मी और धुएं का प्रभाव स्पष्ट महसूस किया जा रहा था। धुएं का गुबार इतना अधिक था कि लोगों को सांस लेने में तकलीफ होने लगी। स्थिति उस समय और गंभीर हो गई जब आग की लपटें भूकेल के मतवारपारा स्थित घरों तक पहुंच गई, जिससे ग्रामीणों में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने बताया कि यदि समय रहते लगभग 60 से 70 लोगों ने एकजुट होकर आग को रोकने का प्रयास नहीं किया होता तो कई मकान भी इसकी चपेट में आ सकते थे। ग्रामीण घंटों तक आग बुझाने और उसे फैलने से रोकने में जुटे रहे, जिसके बाद बड़ी मुश्किल से घरों को सुरक्षित बचाया जा सका। इस घटना में किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। किसान नरेश पारेश्वर ने बताया कि वे एक दिन पहले ही राइस मिल से 150 बोरा बारदाना लेकर आए थे और आज धान कटाई की तैयारी थी। हार्वेस्टर पहुंचता उससे पहले ही आग की लपटें उनके खेत तक पहुंच गईं। आग लगने से उनकी लगभग 150 बोरा धान उत्पादन की उम्मीद पर पानी फिर गया, हालांकि कुछ फसल को बचा लिया गया। वहीं किसान बालमुकुंद पारेश्वर द्वारा खेत में काटकर बोरे में रखे गए लगभग 25 बोरा एचएमटी धान भी आग की भेंट चढ़ गए। किसान त्रिलोचन कश्यप की चार एकड़ में लगी धान फसल में से लगभग तीन एकड़ पूरी तरह जलकर राख हो गई, जबकि ग्रामीणों के अथक प्रयास से एक एकड़ फसल को बचाने में सफलता मिली। मनोज पटेल के खेत की फसल भी आग से नष्ट हो गई। धारा सिंह सिदार सहित एक दर्जन से अधिक किसानों की खड़ी फसल जलने की जानकारी सामने आ रही है। आग की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि करीब 50 फीट ऊंचाई तक पेड़ों की पत्तियां आग की तपिश से बुरी तरह झुलस गईं। इसके अलावा गुढ़ियारी निवासी बंशीधर चौधरी के बोरवेल का प्लास्टिक पाइप और केबल जल गया, जिससे सबमर्सिबल पाइप और केबल सहित नीचे गिर गया और उन्हें अतिरिक्त आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। उल्लेखनीय है कि इससे एक दिन पहले बरपेलाडीह खार में भी किसी खेत में लगी आग तेज हवा के कारण फैलते हुए गुढ़ियारी तक पहुंच गई थी। उस समय भी 40 से 50 ग्रामीणों ने घंटों मशक्कत कर आग को नियंत्रित किया था, अन्यथा आग गांव तक पहुंचकर घरों को अपनी चपेट में ले सकती थी। इस घटना के बाद प्रभावित किसानों में निराशा और सदमे का माहौल है। सरकार द्वारा हर वर्ष पैरा नहीं जलाने के लिए किसानों को जागरूक किया जाता है, लेकिन सुविधा और श्रम बचाने के कारण कई किसान अब भी पैरा को आग के हवाले कर देते हैं। खेतों में पैरा जलाने के बाद मिट्टी की ऊपरी परत के चटकने और नीचे नमी बने रहने के कारण ट्रैक्टर से जुताई आसान हो जाती है, जिसे किसान बेहतर जुताई मानते हैं। पैरा हटाने में मजदूरों की कमी और परिवहन जैसी समस्याएं भी एक बड़ा कारण मानी जाती हैं। हालांकि शासन द्वारा पैरा जलाने पर रोक लगाए जाने के कारण प्रभावित किसान मुआवजे की मांग नहीं कर पाते।

नपाध्यक्ष ने नागरिकों की सुनी समस्याएं, निराकरण के दिए निर्देश

महासमुंद। जनसमस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशील नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू लगातार लोगों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुन रहे हैं। साथ ही संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर जांच करने व तत्काल कार्रवाई कर समस्याओं का समाधान के लिए निर्देशित भी कर रहे हैं। इसी कड़ी में पालिका अध्यक्ष साहू ने पालिका कार्यालय में नगरवासियों से आत्मीय मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी तथा संबंधित अधिकारियों को शीघ्र समाधान के लिए निर्देशित किया। पालिका अध्यक्ष साहू ने कहा कि नगरवासियों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना पालिका का प्रथम दायित्व है। संबंधित शिकायतों, मांगों का समयबद्ध तरीके से निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

नपाध्यक्ष से मुलाकात करने पालिका कार्यालय में विभिन्न मोहल्लों और वार्डों से लोग पहुंचे थे। नागरिकों ने नाली में जलभराव, स्ट्रीट लाइट की खराबी, सफाई व्यवस्था, गलियों की मरम्मत और बोर खनन, आवास, पट्टा, पेंशन संबंधी मांग सहित अनेक समस्याएं उनके समक्ष रखी। नपाध्यक्ष ने सभी नागरिकों की बातें एक-एक कर सुनीं। उन्होंने मौके पर ही संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिए कि इन शिकायतों का समयबद्ध तरीके से निपटारा किया जाए। इस अवसर पर अध्यक्ष ने कहा कि नगर पालिका कार्यालय जनता के लिए हमेशा खुला है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी समस्या के लिए सीधे कार्यालय आएं, ताकि उनकी हर छोटी-बड़ी समस्या का समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

विधायक ने तुमगांव शीतला मंदिर परिसर सौदर्यीकरण कार्य का किया निरीक्षण

महासमुंद। महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने रविवार को नगर पंचायत तुमगांव में स्थित मां शीतला मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण कार्य का निरीक्षण किया। परिसर में 12 लाख रुपए की लागत से पेवर ब्लॉक लगाया जा रहा है। वहीं 19 लाख रुपए की लागत से डोम शेड लगाया जा रहा है। विधायक सिन्हा ने उक्त कार्य का निरीक्षण करते हुए कार्य एजेंसी को गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं समिति के सदस्यों को भी समय समय पर कार्य का निरीक्षण करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि कार्य की गुणवत्ता और प्रगति की समीक्षा लगातार होना चाहिए जिससे कार्य सुगमता से और गुणवत्तापूर्ण होता है। निरीक्षण के दौरान समिति के अध्यक्ष पप्पू पटेल, भाजपा नेता देवीचंद राठी, राजेंद्र चंद्राकर, साजन यादव, दिनेश रूपरेला, नईम खान, पंडित विकास मिश्रा, पार्षदगण राकेश धीवर, भुनेश्वर साहू, दुकालू नरेंद्र साहू, विनोद गहरवाल सहित अन्य उपस्थित थें।

ओडिशा के बुजुर्ग को पहुंचाया घर

महासमुंद। ओडिशा निवासी एक 81 वर्षीय बुजुर्ग मानसिक तनाव होने के कारण कई महीनों से घर के बाहर अलग-अलग शहरों में भटकते हुए पिछले दो दिनों से महासमुंद में घूम रहा था, जो आज भोजन का तलाश करते हुए अपना मार्केट में विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता अखिलेश लूनिया की दुकान पहुंचा। जहां उड़िया भाषी होने के कारण उसके भाषा को न समझ पाने के कारण उड़िया भाषी बजरंग दल के कार्यकर्ता चंदन नेताम को बुलाकर उनकी भाषा को ट्रांसलेट किया गया, तब पता चला कि वह मधुसूदन साहू ग्राम-भेरुआमुंडा पोस्ट पैकमल जिला बरगढ़ ओडिशा का निवासी है और पुराना 10वीं पढ़ा लिखा व्यक्ति है। तब साहू समाज महासमुंद के पूर्व युवा अध्यक्ष आनंद साहू से संपर्क किया गया, जिसके द्वारा ओडिशा नुवापारा जिला साहू समाज के अध्यक्ष देवेंद्र साहू से संपर्क कर ग्राम भेरुआमुंडा के सरपंच से संपर्क किया गया, तब पता चला कि वह उसी गांव का निवासी है और संपन्न परिवार से हैं। इसके बाद उसकी नाती यशोबंता साहू से संपर्क हुआ और वह 7:30 बजे पैसेंजर ट्रेन से महासमुंद पहुंचा। रात्रि 8 बजे मधुसूदन साहू को उसके नाती यशोबंता साहू के सुपुर्द किया गया, जो रात्रि 9:30 बजे लिंक एक्सप्रेस से नुवापाड़ा ओडिशा के लिए प्रस्थान किया। इस पूरी घटना में प्रमुख रूप से भाजपा के जिला अध्यक्ष येतराम साहू, कोषाध्यक्ष राहुल चंद्राकर, आनंद साहू, विश्व हिंदू परिषद की जिला अध्यक्ष हर्षवर्धन चंद्राकर, अखिलेश लूनिया, चंदन नेताम, रामेश्वर गोलू साहू, सुरेंद्र महाराज, लोकेश दावड़ा, कुंभज चंद्रकार, बीरू वर्मा आदि से बुजुर्ग को घर पहुंचने में सहयोग किया।

गढ़फूलझर भंडारण केंद्र के पास लगी भीषण आग, 200 एकड़ क्षेत्र में पैरा जलकर राख

7 एकड़ से अधिक धान फसल नुकसान की प्रारंभिक सूचना, दमकल की मदद से टला बड़ा हादसा

बसना। गढ़फूलझर स्थित भंडारण केंद्र के समीप सोमवार दोपहर लगभग 3 बजे भीषण आग लगने से करीब 200 एकड़ क्षेत्र में फैले खेतों का पैरा जलकर राख हो गया। तेज गर्मी और हवा के कारण आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। आग धीरे-धीरे फैलते हुए भंडारण केंद्र परिसर तक पहुंच गई, जिससे कुछ समय के लिए बड़े नुकसान की आशंका बढ़ गई थी। सूचना मिलने के बाद सरायपाली से दमकल वाहन को तत्काल गढ़फूलझर बुलाया गया, जिसने शाम लगभग 4 बजे मौके पर पहुंचकर बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दमकल कर्मियों और कर्मचारियों की तत्परता के कारण एक बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार, पिछले वर्ष भंडारण केंद्र में धान भंडारण नहीं होने के कारण इस बार केंद्र खाली था, जिससे बड़ी क्षति नहीं हुई। हालांकि परिसर में रखे खाली और अनुपयोगी वारदाने आग की चपेट में आकर पूरी तरह जलकर राख हो गए। इसके अलावा केंद्र में रखे पुराने कैप कवर भी आग में नष्ट हो गए। वर्तमान में भंडारण केंद्र में वर्ष 2013-14 का लगभग 400 क्विंटल अमानक धान का स्टैग रखा हुआ है, जो आग की चपेट में आने से बाल-बाल बच गया। यदि आग इस हिस्से तक पहुंच जाती तो बड़ा आर्थिक नुकसान हो सकता था। स्थानीय कर्मचारियों के अनुसार खेतों में फसल कटाई के बाद पैरा जलाने की घटनाएं हर वर्ष सामने आती हैं। किसानों को कई बार समझाइश देने के बावजूद कुछ लोग खेतों में आग लगा देते हैं, जो तेज हवा के कारण फैलकर भंडारण केंद्र और आसपास के जंगलों तक पहुंच जाती है। कर्मचारियों ने बताया कि वर्ष 2017 में भी मई माह के दौरान इसी प्रकार की बड़ी घटना हुई थी, जिसमें भंडारण केंद्र में रखे धान स्टैग का एक हिस्सा जल गया था। उस समय भी दमकल की मदद से आग पर नियंत्रण पाया गया था।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग से 7 एकड़ से अधिक क्षेत्र में लगी धान फसल जलकर राख हो गई है, वहीं बड़ी मात्रा में खेतों का पैरा भी नष्ट हो गया। जिन किसानों की फसल प्रभावित होने की जानकारी मिली है, उनमें साल्हेझरिया निवासी अरविंद भोई की लगभग 5 एकड़, आमापाली निवासी दयानंद राणा की 2 एकड़ तथा चिंतामणि राणा की लगभग आधा एकड़ धान फसल आग की चपेट में आ गई है। बताया जा रहा है कि चिंतामणि राणा आमापाली निवासी हैं, जबकि उनका खेत गढ़फूलझर क्षेत्र में स्थित है।

क्षेत्र में इन दिनों रबी फसलों की कटाई के बाद खेतों में पड़े पैरा को जलाने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिसके कारण प्रतिदिन फसलों और पैरा के नुकसान की घटनाएं सामने आ रही हैं। साथ ही खेतों में लगे बोरवेल और अन्य कृषि संसाधनों को भी नुकसान पहुंचने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। ग्रामीणों ने पैरा जलाने की घटनाओं पर सख्ती बरतने तथा जागरूकता अभियान चलाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

सुशासन तिहार अरेकेल में प्राप्त 986 आवेदन में 39 का मौके पर हुआ निराकरण

● 947 आवेदन संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई हेतु सौंपे गए

बसना। जनपद पंचायत बसना अंतर्गत छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना सुशासन तिहार के अंतर्गत शासकीय उच्च प्राथमिक शाला अरेकेल में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए ब्लॉक स्तर के विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं और मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिविर में कुल 986 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 39 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि शेष 947 आवेदन संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई के लिए प्रेषित किए गए हैं। अधिकारियों द्वारा लंबित आवेदनों के समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए गए हैं। शिविर में प्राप्त आवेदन मुख्यतः राजस्व, पंचायत, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, पेयजल, विद्युत, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित रहे। कार्यक्रम में पंचायत बसना की अध्यक्ष श्रीमती डिलेश्वरी निराला के पति मिलाप सिंह निराला , मंडल अध्यक्ष नरेंद्र यादव, जनपद पंचायत बसना के सभापति दीपा अरुण साहू, जन्मजय साव, अमृत चौधरी, सरोज पटेल, रमेश अग्रवाल तथा नरेंद्र बोरे , पार्षद पिंटू अरोरा मंचस्थ रहे। शिविर में प्रशासनिक अमले की सक्रिय उपस्थिति रही, जिसमें एसडीएम बसना हरिशंकर पैकरा, जनपद पंचायत बसना के सीईओ पीयूष सिंह ठाकुर, तहसीलदार कृष्ण कुमार साहू, आरईएस एसडीओ नयन प्रधान, उद्यानिकी विभाग के अधिकारी उपेंद्र कुमार नाग, बीईओ बद्रीविशाल जोल्हे तथा बीआरसी अनिल सिंह साव प्रमुख रूप से शामिल थे। इसके अलावा लगभग 20 ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे। इस अवसर पर जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी पीयूष सिंह ठाकुर ने कहा कि शासन की मंशा केवल योजनाओं का संचालन करना नहीं, बल्कि अंतिम व्यक्ति तक उसका लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की समस्याओं को उनके द्वार तक पहुंचकर सुना जा रहा है ।

ब्लूप्रिंट निर्माण एवं शिक्षण शास्त्र प्रशिक्षण संपन्न, शिक्षकों को मिली नवीन शिक्षण पद्धतियों की जानकारी

● पांच दिवसीय प्रशिक्षण में एनईपी -2020, ब्लूम टैक्सोनॉमी, भारतीय ज्ञान परंपरा व प्रश्न-पत्र निर्माण पर हुआ मंथन

बसना। विकासखंड मुख्यालय बसना स्थित पीएमश्री सेजेस बसना में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) महासमुंद के तत्वावधान में हाई एवं हायर सेकेंडरी स्तर के कला, भाषा, वाणिज्य एवं कृषि समूह के व्याख्याताओं के लिए आयोजित पांच दिवसीय गैर-आवासीय ब्लूप्रिंट प्रश्न निर्माण एवं शिक्षण शास्त्र आधारित प्रशिक्षण सोमवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। प्रशिक्षण 20 मई से 25 मई 2026 तक आयोजित किया गया, जबकि 24 मई को अवकाश रखा गया था।

प्रशिक्षण का शुभारंभ विकासखंड शिक्षा अधिकारी बद्रीविशाल जोल्हे तथा विकासखंड स्त्रोत केंद्र समन्वयक अनिल सिंह साव द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर सेजेस बसना की प्राचार्य सुश्री गिरिजा साहू, प्रशिक्षण प्रभारी खिरोद पुरोहित तथा मास्टर ट्रेनरों ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करते हुए प्रशिक्षण के उद्देश्यों एवं आगामी पांच दिनों की रूपरेखा की जानकारी दी। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रतिभागियों का प्री-टेस्ट भी लिया गया। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी-2020), सीखने हेतु अनुकूल वातावरण का निर्माण तथा विद्यालयीन संस्कृति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। मास्टर ट्रेनर अजय कुमार प्रधान, सिर्भय सिंह चौहान, प्रवीण कुमार भोई, मनोहर लाल दीवान, राजेंद्र पंडा एवं हीराधर राणा ने विभिन्न विषयों पर जानकारी साझा की। द्वितीय दिवस ब्लूम टैक्सोनॉमी, लर्निंग आउटकम्स तथा शिक्षण शास्त्र विषयों पर केंद्रित रहा। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए तथा विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया। मास्टर ट्रेनरों ने ब्लूप्रिंट निर्माण की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया तथा प्रश्न निर्माण की नवीन तकनीकों पर प्रकाश डाला। तृतीय दिवस भारतीय ज्ञान परंपरा, मानसिक स्वास्थ्य एवं नशामुक्ति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। इस दौरान विद्यार्थियों में बढ़ते मोबाइल उपयोग एवं नशे के दुष्प्रभावों पर भी गंभीर विचार-विमर्श किया गया। इसके बाद प्रतिभागियों को विभिन्न विषय समूहों में विभाजित कर कक्षा दसवीं के हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत एवं सामाजिक विज्ञान विषयों के लिए ब्लूम टैक्सोनॉमी आधारित प्रश्न-पत्र निर्माण का कार्य कराया गया तथा समूहों द्वारा प्रस्तुतिकरण भी दिया गया।

चतुर्थ दिवस में कक्षा बारहवीं के हिंदी, अंग्रेजी, भूगोल, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान एवं वाणिज्य विषयों के लिए ब्लूप्रिंट के अनुरूप प्रश्न-पत्र तैयार किए गए। प्रस्तुतिकरण के दौरान प्रश्न-पत्र निर्माण की प्रक्रिया एवं निर्धारित मानकों पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण से प्राप्त अनुभवों को उपयोगी बताते हुए इसे शिक्षण गुणवत्ता सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। प्रशिक्षण के अंतिम दिवस पर ए-1 तथा एनपीएसटी से संबंधित विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। समापन समारोह में विकासखंड शिक्षा अधिकारी बद्रीविशाल जोल्हे, विकासखंड स्त्रोत केंद्र समन्वयक अनिल सिंह साव, प्राचार्य सुश्री गिरिजा साहू एवं प्रशिक्षण प्रभारी खिरोद पुरोहित ने प्रशिक्षण की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बदलते शैक्षणिक परिवेश में शिक्षकों को नई शिक्षण तकनीकों एवं

छत्तीसगढ़ में पेट्रोल 109 के पार, रायपुर में 107.96 लीटर

● इस महीने चौथी बार बढ़े दाम, जाने अपने शहर में फ्यूल का प्राइस

रायपुर। देशभर में तेल कंपनियों ने फिर पेट्रोल डीजल के रेट बढ़ा दिए हैं। आज, 25 मई को पेट्रोल 2.61 प्रति लीटर और डीजल 2.71 प्रति लीटर महंगा कर दिया है। इस बढ़ोतरी के बाद छत्तीसगढ़ के कई जिलों में पेट्रोल का प्राइस 109 रुपए प्रति लीटर के पार पहुंच गया है।

राजधानी रायपुर में अब 1 लीटर पेट्रोल की कीमत 107.96 हो गई है। इससे पहले 15 मई को 3-3 रुपए, 19 मई को 90-90 पैसे और 23 मई को भी 90 पैसे प्रति लीटर रेट बढ़ाए गए थे। इस महीने ये चौथी बार दाम बढ़ा है।

ब्लैक मार्केटिंग पर नजर, शिकायत के लिए नंबर जारी : फ्यूल संकट और बढ़ती कीमतों के बीच प्रशासन भी अलर्ट मोड पर है। रायपुर कलेक्टर ने पेट्रोल-डीजल की ब्लैक मार्केटिंग रोकने के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। शहर में कहीं भी अधिक कीमत वसूली या अवैध बिक्री की जानकारी मिलने पर लोग 9977222564, 9977222574, 9977222584 और 9977222594 नंबर पर शिकायत कर सकते हैं।

इस महीने चौथी बार फ्यूल के रेट बढ़े : ताजा रेट के मुताबिक, बस्तर और सरगुजा संभाग के जिलों में ज्यादा कीमत बढ़ी है। वहीं, रायपुर और कोरबा जैसे शहरों में बाकी जिलों की तुलना में थोड़ी राहत है। नारायणपुर में पेट्रोल 109.65 प्रति लीटर, जगदलपुर में 109.64, दंतेवाड़ा में 109.60 और बीजापुर में 109.59 लीटर बिक रहा है। जशपुर में पेट्रोल 109.52, सूरजपुर में 109.39 और अंबिकापुर में 109.09 प्रति लीटर, रायगढ़ में 109.3 रुपए दर्ज किया गया। बता दें कि इस महीने चौथी बार फ्यूल के रेट में इजाफा हुआ है। दुर्ग में पेट्रोल 108.29, धमतरी में 108.45, महासमुंद में 108.64 और बिलासपुर में 108.65 प्रति लीटर पहुंच गया है।

रायपुर में 108 रुपए से नीचे, लेकिन राहत सीमित : राजधानी रायपुर में पेट्रोल की कीमत 107.96 प्रति लीटर रिकॉर्ड है। प्रदेश के बड़े शहरों में यह दर अपेक्षाकृत कम है, लेकिन हालिया बढ़ोतरी के बाद यहां भी वाहन चालकों पर अतिरिक्त बोझ बढ़ा है।

एचएससीएल के मंच पर यात्रा वृत्तांत एवं लघुकथा लेखन प्रतियोगिता के विजेता सम्मानित

जनधारा समाचार

भिलाई। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग' (नराकास) के तत्वावधान में एच.एस.सी.एल., भिलाई द्वारा आयोजित 'यात्रा वृत्तांत' एवं श्रमिक जीवन पर आधारित 'लघुकथा लेखन' प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह एच.एस.सी.एल. भिलाई के सम्मेलन कक्ष में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भिलाई इस्पात संयंत्र के महाप्रबंधक (मानव संसाधन-आईआर एवं सीएलसी) तथा सचिव, नराकास भिलाई-दुर्ग राजीव कुमार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एच.एस.सी.एल. के उप महाप्रबंधक निशीथ कांति दास ने की।

इस अवसर पर तकनीकी सलाहकार(एच.एस.सी.एल) वी. के. शाह, प्रतियोगिता के निर्णायक भिलाई इस्पात संयंत्र के उप प्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन-राजभाषा), जितेन्द्र दास मानिकपुरी तथा भारतीय डाक विभाग, दुर्ग के सहायक अधीक्षक नितिन गोस्वामी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि राजीव कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के साहित्यिक एवं राजभाषा संबंधी आयोजन प्रतिभागियों को नई ऊर्जा एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति का मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने नराकास, भिलाई-दुर्ग के सक्रिय सदस्य संस्थान के रूप में एच.एस.सी.एल. द्वारा निरंतर प्रतियोगिताओं के आयोजन की सराहना करते हुए प्रतिभागियों से सतत सृजनशीलता एवं सक्रिय सहभागिता बनाए रखने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए निशीथ कांति दास ने हिंदी के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि एच.एस.सी.एल. में कार्यालयीन कार्य हिंदी में किए जाते हैं तथा नराकास स्तर पर प्रतियोगिताओं के आयोजन के माध्यम से हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन नियमित रूप से जारी रहेंगे।

तकनीकी सलाहकार वी. के. शाह ने कहा कि हिंदी में कार्य करने से कार्यों में सरलता एवं शीघ्रता दोनों आती हैं तथा नराकास स्तरीय आयोजन विभिन्न संस्थानों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने में सहायक सिद्ध होते हैं। उप प्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन-राजभाषा) जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने प्रतियोगिताओं के विषयों से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों को उपयोगी सुझाव दिए। वहीं भारतीय डाक विभाग के सहायक अधीक्षक नितिन गोस्वामी ने प्रतिभागियों के उत्साह, लगन एवं रचनात्मक प्रयासों की सराहना की।

लघुकथा लेखन प्रतियोगिता में बीएसपी के शत्रुंजय तिवारी ने प्रथम, सहायक महाप्रबंधक विमल कुमार गेडाम ने द्वितीय तथा उप महाप्रबंधक सुश्री अमृता गंगराडे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सांत्वना पुरस्कार प्राप्त करने वालों में भिलाई इस्पात संयंत्र के अनुभाग अधिकारी सुश्री ग्लोरी एस. पारकर, उप महाप्रबंधक आनंद, जूनियर इंजीनियरिंग एसोसिएट. सुश्री अनीशा कुमारी, टेक्नीशियन एस.आर.यू. अमितेश पुरोहित एवं इंजीनियरिंग एसोसिएट युवराज पैकरा शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन एच.एस.सी.एल. की राजभाषा अधिकारी सुश्री वंदना चौधरी द्वारा किया गया।

सड़क दुर्घटना में एक पैर गवां चुके मजदुर को सुशासन में मिला सहारा

- 20 वार्डों के 763 लोगों ने दिया आवेदन

जनधारा समाचार

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली के सुशासन शिविर में सड़क दुर्घटना में एक पैर गवां चुके पुरैना के दिनेश साहू को सहारा मिला। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने बैटरी चलित ट्राई सायकल प्रदान किया। दिनेश साहू एक वर्ष से ट्राई सायकल लेने कार्यालय का चक्कर लगा रहा था। सोमवार को 20 वार्डों के लिए लगाए शिविर में कुल 763 आवेदन प्राप्त हुए।

दरअसल दिहाड़ी श्रमिक दिनेश हताश होकर पुरैना के शिविर में पहुंचा था। वहां उसने दिव्यांगता का हवाला देते हुए अपनी पीड़ा क्षेत्रीय विधायक ललित चंद्राकर व कलेक्टर अभिजीत सिंह के समक्ष रखा था। दिनेश साहू का कहना था कि वह लगभग एक साल पहले सुबह-सुबह मजदुरी करने घर से निकला था। इसी बीच सिरसा गेट के निकट उसे हाइवा ने अपने चपेट में ले लिया। जब उसकी आँख खुली तो वह अस्पताल में था और दाहिना पैर गायब था। पूरे घर की जिम्मेदारी अपने कांधे पर उठाने वाला दिनेश टूट चुका था। जैसे तैसे जयपुर में निर्मित पैर लगाने के बाद वह हिम्मत से चलना शुरू किया। उसकी इच्छा थी कि अगर बैटरी चलित ट्राई सायकल की मदद से वह फिर से कुछ कर सकता है, किन्तु दस्तावेजों के अभाव की वजह से ट्राई सायकल उपलब्ध नहीं हो पा रहा था। कलेक्टर अभिजीत ने पीड़ित की गुहार सुनने के बाद उसे शीघ्र बैटरी चलित ट्राई सायकल दिलाने का आश्वासन दिया था। सोमवार के शिविर में दिनेश को दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने ट्राई सायकल भेंट किया। शिविर का अवलोकन महापौर शशि सिन्हा, सभापति केशव बंछोर, नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू ने किया। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य सनीर साहू, ममता यादव, जमुना ठाकुर, जहीर अब्बास समेत पार्षद शीला नारखेड़े, सविता ढवस, रमा साहू, धमेन्द्र भगत, मनीष यादव, माया यादव, डॉ. सीमा साहू, विलास राव बोरकर, विनय नेताम, परमेश्वर आदि उपस्थित थे।

विधायक ने समूह को सौंपा चेक: दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने सुशासन शिविर में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने संचालित छत्तीसगढ़ महिला कोष से एक लाख का ऋण ममतत्व स्व साहयता समूह को उपलब्ध कराया। वहीं विधायक, महापौर शशि सिन्हा, सभापति केशव बंछोर ने महिला एवं बाल विकास विभाग की योजना के तहत ज्योति रावते, दीपा ठाकुर, कौशल्या कुर्रे की गोद भराई रश्म की।

आयुर्वेद प्राथमिक अस्पताल खोलने पहल: दुर्ग ग्रामीण विधायक ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि रिसाली क्षेत्र में आयुर्वेदिक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोलने वे पहल करेंगे।

यूनिवर्सल रेल मिल ने 3,867 टन उत्पादन कर बनाया नया सर्वश्रेष्ठ दैनिक उत्पादन कीर्तिमान

जनधारा समाचार

भिलाई। इस्पात संयंत्र के यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) ने रेल उत्पादन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए नया सर्वश्रेष्ठ दैनिक उत्पादन कीर्तिमान स्थापित किया है। 260 मीटर लंबे रेल पैनल का निर्माण करने वाले यूनिवर्सल रेल मिल ने 22 मई 2026 को आर 260-60ई 1 रेल प्रोफाइल में 462 ब्लूम्स के साथ कुल 3,867 टन रेल उत्पादन कर नया डे रिकॉर्ड बनाया। इस उपलब्धि के साथ मिल ने 12 मार्च 2025 को स्थापित 3,852 टन एवं 455 ब्लूम्स के पूर्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर निदेशक प्रभारी (सेल-बीएसपी) चित्त रंजन महापात्र एवं कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार ने यूनिवर्सल रेल मिल की पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने यूआरएम के कार्मिकों से वर्तमान वित्तीय वर्ष के निर्धारित लक्ष्यों को इसी समर्पण एवं कार्य भावना के साथ प्राप्त करने तथा भविष्य में भी नए कीर्तिमान स्थापित करने का आह्वान किया।

इस उपलब्धि पर संपूर्ण मिल बिरादरी को बधाई देते हुए मुख्य महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष (बीआरएम एवं यूआरएम) योगेश शास्त्री ने कहा कि यह सफलता यूनिवर्सल रेल मिल सामूहिक के सतत मॉनिटरिंग, बेहतर समन्वय एवं निरंतर परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने इस उपलब्धि में सहयोगी विभागों एसएमएस-2 एवं एसएमएस-3, ट्रैफिक, पीपीसी, आरसीएल, इंस्ट्रुमेंटेशन, ए एंड डी, सेंट्रल इलेक्ट्रिकल, सेंट्रल मैकेनिकल टीमों तथा तृतीय पक्ष निरीक्षण एजेंसी राइट्स के महत्वपूर्ण सहयोग की भी सराहना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यूनिवर्सल रेल मिल आने वाले समय में भी अनेक नई उपलब्धियाँ हासिल करेगा।

उल्लेखनीय है कि यूनिवर्सल रेल मिल का प्रमुख ग्राहक भारतीय रेलवे है तथा मिल द्वारा उत्पाद गुणवत्ता एवं समयबद्ध उत्पादन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शत-प्रतिशत ग्राहक संतुष्टि सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। बीएसपी के यूनिवर्सल रेल मिल में निर्मित 260 मीटर लंबे रेल पैनल देश में रेलवे अवसंरचना के विस्तार एवं समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

दुर्ग टाउन जोन में लगा सुशासन शिविर

- पीएम सूर्यघर योजना की मिली जानकारी, 12 उपभोक्ताओं ने कराया रजिस्ट्रेशन

दुर्ग। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत दुर्ग टाउन जोन के पुराना गंज मंडी प्रांगण दुर्ग में सुशासन तिहार शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान केंद्र एवं राज्य शासन की अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। उपस्थित अधिकारियों द्वारा आम नागरिकों को सौर ऊर्जा अपनाने के फायदे और योजना से मिलने वाली सब्सिडी व लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई, साथ ही जागरूकता बढ़ाने के लिए पैम्पलेट भी वितरित किए गए। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार के निर्देशों के तहत पावर कंपनी द्वारा मई 2026 को सौर माह (01 मई से 31 मई 2026 तक) के रूप में मनाया जा रहा है।

शिविर में स्थानीय उपभोक्ताओं ने भारी उत्साह दिखाया और लगभग 35 उपभोक्ताओं ने योजना की बारीकियों को समझा व अपने घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने की इच्छा जताई। अधिकारियों की मौजूदगी में ऑन-स्पॉट कार्रवाई करते हुए 12 उपभोक्ताओं का वेंडर के माध्यम से योजना के अंतर्गत सफलतापूर्वक रजिस्ट्रेशन भी कराया गया। पावर कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि इस सौर माह का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना योजना से जोड़कर उनके बिजली बिल को शून्य करना और पर्यावरण संरक्षण में उनका भागीदार बनना है।

सड़क हादसे के मृतक की बेटियों की पढ़ाई का

भिलाई। अंचल की समाजसेवी मुस्लिम महिलाओं के संगठन अल मदद एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी ने सड़क हादसे के मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता दी और उनके बच्चों की पढ़ाई का जिम्मा लिया। सोसाइटी के पदाधिकारी हाल ही में चंद्रा-मौर्या टॉकीज के पास सड़क हादसे में जान गंवाने वाले सेक्टर-2 निवासी सलीम खान के सेक्टर-2, स्ट्रीट-16 क्वार्टर नंबर 64 स्थित निवास पहुंचे। दुख की इस घड़ी में सोसाइटी की ओर से मृतक की पत्नी सलमा खातून को 15,000 की आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया गया, जिससे उनके घर में राशन-पानी और दूसरी जरूरतें पूरी हो सकें। सोसाइटी की प्रेसिडेंट अंजुम अली ने बताया कि मरहूम सलीम खान की तीन बेटियां हैं। सोसाइटी की ओर से इन तीनों बेटियों की स्कूली शिक्षा की पूरी जिम्मेदारी उठाई है। जब तक बच्चियाँ पढ़ाई करेंगी, उनकी शिक्षा का पूरा खर्च सोसाइटी द्वारा वहन किया जाएगा।

सिद्धांत और गिडियन ने फतह किया 13,800 फीट ऊंचा सारपास

जनधारा समाचार

भिलाई। हिमालय की बर्फीली वादियों और चुनौतीपूर्ण पहाड़ी रास्तों के बीच भिलाई के दो ट्रैकर्स के. एस. सिद्धांत और गिडियन सपाटे ने 'सार पास 2026' ट्रैक अभियान सफलतापूर्वक पूरा कर शहर का नाम रोशन किया है। यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (वाईएचएआई) द्वारा आयोजित यह राष्ट्रीय स्तर का ट्रैकिंग कार्यक्रम 13 मई से 19 मई तक हिमाचल प्रदेश की खूबसूरत पार्वती घाटी में आयोजित किया गया।

इस रोमांचक अभियान में देशभर के विभिन्न राज्यों और शहरों से लगभग 47 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। ट्रैक की शुरुआत सियोबाग स्थित बेस कैंप से हुई, जहां से दल ने ग्रेहान गांव, मिन-थाच, नगरू कैंपसाइट और बिस्केरी कैंपसाइट जैसे दुर्गम पड़ावों को पार करते हुए करीब 13,800 फीट की ऊंचाई पर स्थित सार पास तक का सफर तय किया।

अभियान के दौरान के. एस. सिद्धांत ने डिप्टी ट्रेक लीडर की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई। कठिन पहाड़ी मार्गों, बर्फीले ट्रैक और बदलते मौसम के बीच उन्होंने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करने के साथ टीम समन्वय में भी अहम भूमिका निभाई। वहीं 59 वर्षीय बीएसपी कर्मचारी गिडियन सपाटे ने अपने उत्साह, साहस और मजबूत इच्छाशक्ति से सभी को प्रभावित किया। उनकी ऊर्जा और सकारात्मकता युवा प्रतिभागियों के लिए भी प्रेरणा का केंद्र बनी रही। सार पास ट्रेक हिमालय के सबसे लोकप्रिय और चुनौतीपूर्ण ट्रैक्स में गिना जाता है।

घने जंगल, बर्फ से ढकी ढलानें, ऊंची चढ़ाइयां और मनमोहक प्राकृतिक दृश्य इस ट्रेक को बेहद खास बनाते हैं। पूरे अभियान के दौरान प्रतिभागियों ने कठिन मौसम परिस्थितियों का सामना करते हुए साहस और धैर्य का परिचय दिया। भिलाई लौटने पर सिद्धांत और सपाटे को मित्रों, ट्रेकिंग प्रेमियों एवं शुभचिंतकों द्वारा बधाइयां दी जा रही हैं। दोनों की इस उपलब्धि को युवाओं के लिए साहस, फिटनेस और रोमांच के प्रति प्रेरणादायक उदाहरण माना जा रहा है।

जुआ खेल रहे पांच आरोपी गिरफ्तार

जनधारा समाचार

भिलाई। खुर्सीपार थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ताश-पत्ती के जरिए जुआ खेल रहे पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से नगदी रकम, कार, मोबाइल फोन सहित करीब 16 लाख 70 हजार 615 रुपए का मशरूका जब्त किया गया है। कार्रवाई जुआ प्रतिषेध अधिनियम एवं बीएनएस की धाराओं के तहत की गई।

खुर्सीपार थाना प्रभारी आनंद शुक्ला ने बताया कि अनुसार मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि जोन-1 सड़क-2, सेक्टर-11 स्थित एक मकान में कुछ लोग 52 पत्ती ताश के जरिए रुपए-पैसों का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान पांच आरोपियों को पकड़ा गया।

मौके से नगदी और वाहन जब्त: पुलिस ने आरोपियों के पास से 92 हजार 615 रुपए नगद, 4 मोबाइल फोन, 2 कार एवं अन्य सामान बरामद किया। जब्त वाहनों की कीमत करीब 15 लाख 75 हजार रुपए बताई जा रही है। वहीं मकान मालिक के कब्जे से प्लास्टिक की टेबल, कुर्सियां और सीएफएल बल्ब भी जब्त किए गए।

आरोपियों से अलग-अलग रकम बरामद: पुलिस के अनुसार आरोपियों के कब्जे से अलग-अलग नगदी रकम भी जब्त की गई। इसमें एक आरोपी से 32 हजार रुपए, दूसरे से 10 हजार रुपए, तीसरे से 27 हजार रुपए तथा चौथे से 21 हजार रुपए बरामद किए गए। सभी आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया गया।

इन धाराओं के तहत कार्रवाई: पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 4 और 5 तथा भारतीय न्याय संहिता की धारा 112 के तहत अपराध दर्ज किया है।

25 मई 2013 का दिन एक काले अध्याय के रूप में दर्ज : बदरुद्दीन

भिलाई। छत्तीसगढ़ के पूर्व राज्य मंत्री बदरुद्दीन कुरैशी ने, छत्तीसगढ़ के इतिहास में 25 मई 2013 का दिन एक काले अध्याय के रूप में दर्ज है। बस्तर क्षेत्र की झीरम घाटी में नक्सली हमले में प्रदेश के कई वरिष्ठ,जनप्रतिनिधि, कांग्रेस नेता तथा सुरक्षा बलों के जवान शहीद हो गए थे। इस भीषण हमले में वरिष्ठ नेता विद्या चरण शुक्ल, नंदकुमार पटेल, महेंद्र शर्मा, मोहम्मद अल्लाहनूरु, उदय मुदलियार, गोपी माधवन, दिनेश पटेल, योगेंद्र शर्मा, अभिषेक गोलछा, गणपत नाथ, सदासिंह नाग, भागीरथी नाग, मनोज जोशी, राजकुमार श्रीवास्तव, शहीद चंद्रहास ध्रुव के साथ कई जवानों सहित अनेक लोगों ने अपने प्राणों की आहुति दी। यह घटना लोकतंत्र और मानवता पर एक बड़ा हमला माना जाता है।

झीरम घाटी शहादत दिवस पर प्रदेश भर में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है तथा उनके बलिदान को स्मरण किया जाता है। यह दिवस हमें शांति, लोकतंत्र और जन सेवा के मूल्यों को मजबूत करने की प्रेरणा देता है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रति वर्ष 25 मई को झीरम श्रद्धांजलि दिवस के रूप में मनाया जाता है, जहां शहीदों की स्मृति में मौन रखकर उन्हें नमन किया जाता है।

कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने जनदर्शन में सुनी आम लोगों की समस्याएं

- आवेदकों के मांगों एव समस्याओं के निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई करने के दिए निर्देश

बालोद। संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में आज आयोजित कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम में जिले के विभिन्न स्थानों से अपने मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु पहुँचे आम नागरिकों के लिए राहत भरा साबित हुआ। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने जिले के विभिन्न स्थानों से पहुँचे लोगों से आत्मीय बातचीत कर उनकी मांगों एवं समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। इस अवसर पर उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को तलब कर आवेदकों के मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। जनदर्शन में बालोद विकासखण्ड के ग्राम खपरी के बिरेन्द्र कुमार ने शिक्षा ऋण दिलाने, नंगूटोला के लोहरूराम ने कृषि भूमि का बंटवारा कराने, बरबसपुर निवासी तुलेश्वरी ने नया राशन कार्ड बनाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किए। इसी तरह बालोद विकासखण्ड के ग्राम जमरूवा सुखराम ने फसल क्षति का मुआवजा दिलाने, बोहारडीह के जमुना बाई ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, भंवरमरा के सरपंच ने नहर नाली का सीमेंटीकरण कराने, रूपुटोला के ग्रामीणों ने पक्की सड़क का निर्माण कराने एवं उसरीटोला के ग्रामीणों ने मुक्तिधाम में शेड निर्माण के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किए।

जनदर्शन में आज जिले के विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में लोग कलेक्टर से मुलाकात करने पहुँचे थे।

जनसमस्या निवारण शिविरों से साकार हो रहा सुशासन, शिविरों से संवर रही जरूरतमंदों की राह

दुर्ग। जिले में आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण और शासकीय योजनाओं के सुलभ क्रियान्वयन के लिए निरंतर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। प्रशासनिक तत्परता और जनसेवा की इसी कड़ी में, विगत 22 मई को जनपद पंचायत दुर्ग के अंतर्गत ग्राम बेलौदी में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का साक्षी बना। ग्राम बेलौदी में आयोजित इस शिविर में पहुंची ग्राम नागपुरा की निवासी श्रीमती शिलाबाई को 'राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना' के तहत 20,000 की सहायता राशि सीधे डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से प्रदान की गई।

GST रजिस्ट्रेशन नम्बर
बनवाएं मात्र 3 दिन में
5 साल पुरानी ITR फाइल बनवाएं
मात्र 5000/- में
(व्हाट्सएप पर बनवाएं)
www.onlytds.com
GST-Return
प्रोजेक्ट रिपोर्ट
TDS रिफंड
CMA DATA
MSME रजिस्ट्रेशन
Food लाइसेंस
संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

आईटीआई मैदान के पास चिट्टा बेचते युवक गिरफ्तार

- दुर्ग पुलिस की नशे के खिलाफ लगातार कार्रवाई, आरोपी से चिट्टा और मोबाइल जप्त

जनधारा समाचार

भिलाई। नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ दुर्ग पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खुर्शीपार थाना पुलिस ने आईटीआई मैदान क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ चिट्टा बेचते एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चिट्टा एवं मोबाइल फोन जप्त किया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, थाना खुर्शीपार क्षेत्र अंतर्गत आईटीआई मैदान के पास एक व्यक्ति द्वारा चिट्टा बिक्री किए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर संदेही युवक को पकड़ा।

तलाशी में मिला चिट्टा: पुलिस द्वारा पूछताछ एवं तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 05 ग्राम 650 मिलीग्राम अवैध मादक पदार्थ चिट्टा बरामद किया गया। साथ ही घटना में प्रयुक्त विवो कंपनी का मोबाइल फोन भी जप्त किया गया।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम आयान कुरैशी (19 वर्ष) निवासी उत्तम टॉकीज के पीछे, छावनी भिलाई बताया। आरोपी ने अवैध मादक पदार्थ अपने कब्जे में रखना स्वीकार किया।

मनरेगा से दुर्ग जिले में 68 हजार से अधिक श्रमिकों को मिल रहा रोजगार

- 3923 निर्माण कार्यों से गांवों में बढ़ा रोजगार, जल संरक्षण और ग्रामीण विकास को मिली नई गति

जनधारा समाचार

दुर्ग। जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के माध्यम से ग्रामीण श्रमिकों को लगातार रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। जिले की ग्राम पंचायतों में संचालित निर्माण कार्यों से हजारों परिवारों को आजीविका का सहारा मिल रहा है, वहीं जल संरक्षण एवं ग्रामीण अधोसंरचना विकास को भी मजबूती मिल रही है।

वर्तमान में जिले में प्रतिदिन 68 हजार 641 श्रमिक मनरेगा कार्यों में रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। जिले की ग्राम पंचायतों में कुल 3923 निर्माण कार्य संचालित हैं तथा मांग के आधार पर प्रतिदिन नए श्रमिकों को कार्य उपलब्ध कराया जा रहा है। जनपद पंचायतवार देखें तो जनपद पंचायत दुर्ग अंतर्गत 1048 कार्यों में 15 हजार 227 श्रमिक कार्यरत हैं। इसी प्रकार

जनपद पंचायत धमधा अंतर्गत 1687 कार्यों में 29 हजार 695 श्रमिक तथा जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत 1188 कार्यों में 23 हजार 719 श्रमिक रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। कुल 24 करोड़ 12 लाख 53 हजार रुपये की मजदूरी राशि जनपद पंचायतों एवं क्रियान्वयन एजेंसियों के माध्यम से भुगतान की जा चुकी है। इसके अंतर्गत जनपद पंचायत दुर्ग में 8 करोड़ 99 लाख 78 हजार रुपये, जनपद पंचायत धमधा में 6 करोड़ 69 लाख 48 हजार रुपये तथा जनपद पंचायत पाटन में 6 करोड़ 28 लाख 98 हजार रुपये की राशि संबंधित श्रमिकों के खातों में जमा की गई है। इसके अतिरिक्त अन्य क्रियान्वयन एजेंसियों के माध्यम से 2 करोड़ 14 लाख 29 हजार रुपये की मजदूरी राशि का भी भुगतान किया जा चुका है।

वार्डों में विशेष अभियान चलाया जा रहा

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं नागरिकों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रतिदिन अलग-अलग जोनों के वार्डों में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। निगम की स्वास्थ्य विभाग टीम द्वारा डेंगू, मलेरिया एवं अन्य मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम हेतु लगातार कार्य किया जा रहा है। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग की टीम क्षेत्र की नालियों, कूलरों, बाथरूमों एवं अन्य जलभराव वाले स्थानों पर पहुंचकर मच्छर उन्मूलन कार्य कर रही है। अभियान के तहत मैलाथियान, टेमिफास एवं जला ऑयल का छिड़काव कराया जा रहा है, ताकि मच्छरों के लार्वा को नष्ट किया जा सके और बीमारियों का फैलाव रोका जा सके। निगम प्रशासन द्वारा नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे अपने घरों एवं आसपास पानी जमा न होने दें, कूलरों की नियमित सफाई करें तथा स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें। निगम की टीम लगातार वार्डों में निगरानी करते हुए आवश्यक कार्रवाई कर रही है, जिससे शहर में स्वच्छता व्यवस्था बेहतर बनी रहे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बेमेतरा जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

क्रं./638/न.पा./लो.नि.वि./2026-27 बेमेतरा दिनांक 25/05/2026

// मैन्युअल निविदा सूचना //

एतद् द्वारा नगर पालिका परिषद बेमेतरा क्षेत्रान्तर्गत निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों को मैन्युअल निविदा प्रपत्र ''अ'' में आमंत्रित की जाती है। निविदा दर खोलने की तिथि 16.06.2026 को 4.30 बजे शाम तक।

कार्य का नाम	लागत राशि (लाख में)
वार्ड क्र. 16 में टिकेन्द्र साहू के घर से धनी टेंट वाले के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	1.70 लाख

टीप :- उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोह राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट http://uad.cg.gov.in पर डाउनलोड की जा सकती है एवं शाखा से कार्यालयीन अवधि में प्राप्त की जा सकती है। निविदा आमंत्रण से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन सूचना विभाग के वेबसाईट में प्रसारित की जावेगी, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, बेमेतरा

बदलता बस्तर : भय से विश्वास और विकास तक

■ संपादकीय

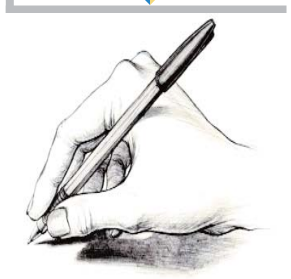

कभी गोलियों की आवाज़, बारूदी सुरंगों और लाल आतंक से कांपने वाला बस्तर आज एक नए मोड़ पर खड़ा दिखाई देता है। जंगलों की खामोशी में अब विकास की हलचल सुनाई देने लगी है। सड़कें बन रही हैं, स्कूल खुल रहे हैं, पर्यटन की संभावनाएँ आकार ले रही हैं और सबसे बड़ी बात यह कि लोगों के भीतर धीरे-धीरे भय की जगह विश्वास लौट रहा है।

लेकिन यह बदलाव केवल नेताओं के भाषणों और सरकारी दावों तक सीमित नहीं रह सकता। बस्तर का असली परिवर्तन तब माना जाएगा जब बरसात के दिनों में बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा, नारायणपुर और अबूझमाड़ के वे गांव देश से कटना बंद होंगे, जहाँ आज भी बारिश आते ही सड़कें बह जाती हैं और लोग हफ्तों तक अलग-थलग पड़ जाते हैं।

आज भी कई ऐसे इलाके हैं जहाँ कोई बीमार पड़ जाए तो उसे अस्पताल तक पहुँचाने के लिए खटिया, मोटरसाइकिल या कंधों का सहारा लेना पड़ता है। गर्भवती महिलाओं को घंटों पैदल चलना पड़ता है। कई गाँव ऐसे हैं जहाँ एम्बुलेंस पहुँच ही नहीं सकती। इसलिए बस्तर में विकास का सबसे बड़ा पैमाना यही होगा कि क्या वहाँ के लोगों तक सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल और संचार वास्तव में पहुँच पाया या नहीं।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रस्तुत 'बस्तर 2.0' विजन डॉक्यूमेंट उम्मीद जरूर जगाता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सौंपा गया यह विजन केवल एक योजना नहीं, बल्कि दशकों के संघर्ष के बाद उभरती नई उम्मीद का दस्तावेज़ माना जा रहा है। इसमें सड़क, रेल, एयर कनेक्टिविटी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, सिंचाई और निवेश जैसे कई बड़े लक्ष्य शामिल हैं।

दरअसल, बस्तर की कहानी केवल नक्सलवाद की कहानी नहीं रही। यह उस ऐतिहासिक उपेक्षा की कहानी भी है जिसमें शासन और विकास की पहुँच जंगलों के भीतर बसे आदिवासी समाज तक कभी पूरी तरह नहीं पहुँच पाई। इसी खालीपन का फायदा माओवादी संगठनों ने उठाया। गरीबी, बेरोजगारी और प्रशासनिक दूरी ने नक्सलवाद को जमीन दी। परिणाम यह हुआ कि बस्तर दशकों तक देश की सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती बना रहा।

हालांकि अब हालात बदलते दिखाई दे रहे हैं। सुरक्षा बलों के लगातार अभियानों, नए कैंपों, सड़क और मोबाइल नेटवर्क के विस्तार तथा आत्मसमर्पण नीति ने माओवादी नेटवर्क को कमजोर किया है। बस्तर के लोगों के भीतर भी अब यह भरोसा पैदा होने लगा है कि नक्सलवाद का प्रभाव पहले जैसा नहीं रहा। लोगों के मन में एक तरह का सुकून लौटा है।

लेकिन असली सवाल अब शुरू होता है—क्या नक्सलमुक्त बस्तर वास्तव में विकसित बस्तर बन पाएगा? क्योंकि केवल सुरक्षा अभियान स्थायी समाधान नहीं होते। विकास तभी दिखाई देता है जब आम आदमी की जिंदगी बदलती है। जब गांव तक सड़क पहुँचती है, जब बच्चे नियमित स्कूल जा पाते हैं, जब अस्पतालों में डॉक्टर मौजूद रहते हैं, जब लोगों को साफ पानी मिलता है और जब युवाओं को रोजगार के अवसर मिलते हैं।

आज भी बस्तर के कई हिस्सों में यह बुनियादी बदलाव अधूरा है। यही वजह है कि सरकारी दावों के बीच जमीनी सच्चाई को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हाल ही में बैलाडीला क्षेत्र से दो ट्रकों में लौह अयस्क की कथित तस्करी पकड़े जाने की खबर यह भी दिखाती है कि बस्तर केवल विकास की कहानी नहीं, बल्कि संसाधनों की लड़ाई का क्षेत्र भी बना हुआ है। खनिज संपदा से समृद्ध यह इलाका लंबे समय से बाहरी हितों और स्थानीय जरूरतों के बीच संघर्ष का केंद्र रहा है।

बस्तर का मूल स्वभाव हमेशा शांत, सामुदायिक और प्रकृति से जुड़ा रहा है। नक्सलवाद ने इस सामाजिक संरचना को गहरे स्तर पर प्रभावित किया। अब जब हिंसा कम हो रही है तो यह अवसर है कि बस्तर अपनी मूल पहचान को फिर से हासिल करे। लेकिन इसके लिए केवल खनन और बड़े निवेश पर्याप्त नहीं होंगे। जरूरी यह है कि विकास का केंद्र वहां का आदिवासी समाज बने। जल, जंगल और जमीन पर उनका अधिकार सुरक्षित रहे। स्थानीय लोगों को केवल दर्शक नहीं, बल्कि विकास प्रक्रिया का भागीदार बनाया जाए। क्योंकि इतिहास गवाह है कि संवाद और संवेदनशीलता के बिना थोपा गया विकास नए असंतोष को जन्म देता है।

पर्यटन, कृषि, वन उत्पाद, हस्तशिल्प और स्थानीय संस्कृति बस्तर की सबसे बड़ी ताकत हैं। चित्रकोट, तीरथगढ़, कांगेर घाटी और अबूझमाड़ जैसे क्षेत्र देश-दुनिया के पर्यटन मानचित्र पर बड़ी पहचान बना सकते हैं। यदि बुनियादी ढांचा मजबूत होता है तो यह इलाका इको-टूरिज्म और सांस्कृतिक पर्यटन का बड़ा केंद्र बन सकता है। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा और पलायन कम होगा।

आज बस्तर एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है। बंदूक की आवाज़ धीमी पड़ी है, लेकिन विकास की असली परीक्षा अभी बाकी है। सड़क बनाना आसान है, भरोसा बनाना कठिन। पुल-पुलिया खड़ी करना संभव है, लेकिन लोगों के मन में राज्य के प्रति विश्वास पैदा करना सबसे बड़ी चुनौती है।

यदि सरकार सुरक्षा, विकास और संवेदनशीलता इन तीनों के संतुलन को बनाए रखती है, तो आने वाले वर्षों में बस्तर सचमुच देश के सबसे विकसित और संभावनाशील संभागों में शामिल हो सकता है। तब 'बदलता बस्तर' केवल एक सरकारी नारा नहीं रहेगा, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक विकास मॉडल की एक सफल मिसाल बन जाएगा।

हो. वे. शेषाद्रि : जीवन, मूल्य और संघ की दायित्व-परंपरा

-कैलाश चन्द्र

(जन्म-जयन्ती 26 मई के उपलक्ष्य में विशेष लेख)

हो.. वे.. शेषाद्रि जी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की उस धारा के तेजस्वी प्रवाह हैं, जिसमें व्यक्तिगत पद नहीं-कर्तव्य और उत्तरदायित्व ही प्रधान होते हैं। उनका जीवन सतत तप, अध्ययन, संगठनशीलता और राष्ट्रनिर्माण के संकल्प से ओतप्रोत रहा। 26 मई की उनकी जन्म-जयंती हमें याद दिलाती है कि संस्कृति, समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पण कैसा होता है।

मूलतः कर्नाटक के निवासी शेषाद्रि जी का प्रारम्भिक जीवन सादगी, अध्ययन और तेजस्वी बुद्धि के लिए जाना जाता है। वे प्रारम्भ में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संपर्क में आये और विद्यार्थी जीवन में ही संघ प्रचारक बनने का निर्णय लिया। संघ की शाखा उनके लिए केवल वैचारिक प्रशिक्षण का स्थल नहीं, बल्कि व्यक्तित्व-निर्माण की प्रयोगशाला बन गई।

एक प्रचारक के रूप में उन्होंने दक्षिण भारत में संगठन के विस्तार, कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शन और समाजजीवन में समन्वय स्थापित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। चाहे 1960-70 के दशक का संगठनात्मक संघर्ष हो या 1975 के आपातकाल का दौर, उन्होंने अद्भुत धैर्य, अनुशासन और सूक्ष्म दृष्टि से कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया।

संघ में 'पद नहीं, दायित्व' की परंपरा और शेषाद्रि जी का आदर्श: संघ की परंपरा में पद का आग्रह नहीं, दायित्व का निर्वाह ही मूल विषय रहा है। शेषाद्रि जी इसका जीवंत उदाहरण थे। दायित्व स्वीकारने में विनम्रता और संघीय परंपरा का अनुपम प्रसंग

1990 के दशक के अन्त में, जब चौथे सरसंघचालक: प्रोफेसर राजेन्द्र सिंह (रज्जु भैय्या जी) स्वास्थ्यगत कारणों से अवकाश चाहते थे, तब अनेक कार्यकर्ताओं का मत था कि शेषाद्रि जी को यह सर्वोच्च दायित्व दिया जाए। परन्तु शेषाद्रि जी ने विनम्रता और आत्मावलोकन के स्वर में कहा

'स्वास्थ्य ऐसा नहीं कि यह दायित्व निभा सकूँ। युवा कार्यकर्ता को अवसर मिलना चाहिए।' यह मात्र विनम्रता नहीं थी, बल्कि उस गहन परंपरा का विस्तार था, जिसमें व्यक्ति नहीं, संगठन की आवश्यकता प्रधान होती है। अंततः सर्वोच्च दायित्व सुदर्शन जी को दिया गया, और शेषाद्रि जी ने सह-सरकार्यवाह एवं प्रचारक प्रमुख के रूप में पूरी निष्ठा से उनके साथ सहयोगी के नाते कार्य किया।

संघ परंपरा का ऐतिहासिक अनुकरण: यह परंपरा संघ के प्रारम्भ से ही प्रवाहित है। पहले सरसंघचालक केशव बलिराम हेडगेवार ने स्वयं कहा था 'मुझसे अधिक योग्य कार्यकर्ता मिलते ही यह दायित्व उसे सौंप दूँगा।' द्वितीय सरसंघचालक एम एस गोलवरकर (श्री गुरुजी) को भी नियुक्ति के पश्चात ज्ञात हुआ; उन्होंने कहा 'यह दायित्व मेरा व्यक्तिगत नहीं, संगठन का है।' तृतीय सरसंघचालक बाला साहब देवरस ने स्वास्थ्य कारणों से स्वयं दायित्व त्यागने का आग्रह किया।

शेषाद्रि जी दायित्व की गरिमा के संरक्षक:

शेषाद्रि जी के जीवन में यह परंपरा कई बार प्रकट हुई। एक महत्वपूर्ण प्रसंग 'दोनों ओर 'वरिष्ठ-कनिष्ठ' नहीं, केवल 'कार्यकर्ता' ही दिखता था।'

प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जु भैय्या) जब सरकार्यवाह थे तब शेषाद्रि जी क्षेत्र प्रचारक थे। कुछ ही वर्षों में शेषाद्रि जी माङ सरकार्यवाह बने तो रज्जु भैय्या सह सर कार्यवाह रहे। उसके 7-8 वर्ष पश्चात रज्जु भैय्या संघ के सरसंघचालक बने और शेषाद्रि जी ने उनके नेतृत्व में पूर्ण निष्ठा से कार्य किया।

इस लेख के लेखक के कथनानुसार ÷मैंने स्वयं देखा है कि शेषाद्रि जी ने सरसंघचालक रज्जु भैय्या जी का कुर्ता स्वयं तुरपाई कर पहना।÷क्षयह केवल शारीरिक सेवा नहीं थी। यह आत्मीयता, सौहार्द, अहंकार-शून्यता और कर्तव्यनिष्ठा की पराकाष्ठा है। संघ की जड़ें इसी भावभूमि में गहरी हैं।

संघ के पाँच महान दायित्व-पुरुषः पद की नहीं, कर्तव्य की परंपरा

नीचे संघ के पाँच शीर्ष नेतृत्वकर्ताओं का 'दायित्व-दर्शन'

डॉ. हेडगेवार: संगठन का दायित्व सर्वोपरि- डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का जीवन इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि संघ का मूल आधार पद की प्रतिष्ठा नहीं कर्तव्य की पूर्णता है। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन एक ऐसे संगठन के निर्माण में लगाया जिसमें 'व्यक्ति' नहीं, 'व्यवस्था' प्रमुख हो।

उनकी दृष्टि स्पष्ट थी।दायित्व उसी को मिले जो सक्षम, समर्पित और परिस्थिति के अनुकूल हो।

दायित्व छोड़ना भी उतना ही पवित्र है जितना दायित्व स्वीकारना।

इसलिए वे बार-बार कहते थे-'संघ व्यक्ति पर नहीं, संघ-व्यवस्था पर चलता है।'

श्री गुरुजी : दायित्व को तप में रूपांतरित करने वाले

माधवराव सदाशिव राव गोलवलकर (श्री गुरुजी) को दायित्व ग्रहण करने की सूचना डॉ हेडगेवार जी के निधन पश्चात पत्र के माध्यम से मिली है। यह बताते समय वे भावुक हो उठे-'यदि संघ को यही अपेक्षित है, तो मैं अपना स्वत्व निछावर करता हूँ।' उनका पूरा जीवन तप, विचार-गहराई, संगठन की सुगंध और कर्तव्य की पूर्णता का प्रतीक रहा।

बाला साहब देवरसः दायित्व में प्रयोगशीलता और व्यावहारिक दृष्टि

बाला साहब देवरस ने दायित्व को निरंतर गतिमान रखा-

सामाजिक समरसता,

अस्पृश्यता-उन्मूलन,

राष्ट्रीय स्तर पर संगठन विस्तार में उनका योगदान अतुलनीय है। उन्होंने कहा 'संगठन की शक्ति सेवा से बढ़ती है, पद से नहीं।'

रज्जु भैय्या : सरलता, सहजता और दायित्व की पवित्रता: प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जु भैय्या) जैसे विद्वान, वैज्ञानिक दृष्टि वाले और अत्यंत सरल व्यक्तित्व में 'दायित्व' स्वभाव की तरह था, पद की तरह नहीं। उन्होंने बार-बार कहा- 'दायित्व मेरा नहीं-संघ का है।'

स्वास्थ्य बिगड़ने पर उन्होंने स्वयं दायित्व छोड़ने का आग्रह किया-यह संगठन-केंद्रित सोच का सर्वोच्च उदाहरण है।

सुदर्शन जी : अनुशासन, परिश्रम और दायित्व की श्रेष्ठता

सुदर्शन जी का जीवन कठोर अनुशासन, बौद्धिक ताजगी और निरंतर संगठन-प्रयास का प्रतीक था। वे स्पष्ट कहते थे- 'दायित्व कभी हल्का नहीं होता, परंतु स्वयंसेवक उसे आनंद से निभाता है।' उन्हें जब सर्वोच्च दायित्व मिला तो वे भी उतने ही विनम्र थे जितने कि प्रचारक अवस्था में।

हो. वे. शेषाद्रि और रज्जु भैय्या एक-दूसरे के लिए आदर्श सहयोग एक ओर रज्जु भैय्या का सौम्य नेतृत्व, दूसरी ओर शेषाद्रि जी की बौद्धिक शक्ति-दोनों ने मिलकर दक्षिण और उत्तर भारत के बीच संगठनात्मक सेतु बनाया।

रज्जु भैय्या कहते थे- 'शेषाद्रि जी संगठन की सर्वोत्तम स्मृति और बुद्धि हैं।'शेषाद्रि जी कहते थे- ÷रज्जु भैय्या सरलता की प्रतिमूर्ति हैं-जो सीखा, उनसे ही सीखा।÷ दोनों संबंधों में स्पर्धा नहीं, केवल सहयोग था। यह संघ-परंपरा का अद्भुत उदाहरण है।

शेषाद्रि जी के ग्रंथ-विचार, नीति और युग-चिंतन की निधि

शेषाद्रि जी केवल संघ के शीर्ष संगठनकर्ता ही नहीं, बल्कि अत्यंत गहन विचारक, इतिहास-विश्लेषक और लेखन-कुशल अध्येता थे। उन्होंने समाज, इतिहास, राष्ट्रीय अस्मिता और संगठन पर अनेक महत्त्वपूर्ण ग्रंथ लिखे। उनके लेखन की तीन विशेषताएँ खड़ी होती हैं-सुस्पष्ट विश्लेषण, सरल भाषा, तथ्यों पर आधारित दृष्टि।

'राष्ट्र निर्माण की दिशा'

इस महत्वपूर्ण विषय को अनेकों कृति में उन्होंने बताया कि भारत का राष्ट्र-निर्माण केवल राजनीतिक क्रिया न होकर एक संस्कृति-आधारित प्रक्रिया है। उन्होंने शिक्षा, समाज-संगठन, सेवा, समरसता और संस्कारों को राष्ट्र निर्माण के पाँच आधार-स्तंभ बताया।

'भारत की राष्ट्रीय पहचान'

यह पुस्तक भारतीय राष्ट्र की आध्यात्मिक-ऐतिहासिक यात्रा को समझने के लिए अमूल्य है। इसमें उन्होंने सिद्ध किया कि-

भारत केवल भौगोलिक इकाई नहीं; बल्कि संस्कृति-समूह, मूल्य-संपन्न सभ्यता और निरंतरता का चमत्कार है।

उनकी विश्लेषण शैली अकादमिक होते हुए भी सरल है-यह उनकी सबसे बड़ी लेखन शक्ति है।

'संघ : एक परिचय'

संघ के उद्देश्य, कार्यपद्धति, संगठनात्मक रूप, शाखा-जीवन और राष्ट्र-चिंतन का सरलतम रूप में परिचय देने वाली यह पुस्तक सदैव लोकप्रिय रही है।

ये पुस्तक उन जिज्ञासुओं के लिए बने विशाल सेतु का कार्य करती है जो संघ के बारे में निष्पक्ष, स्पष्ट और विश्वसनीय जानकारी चाहते हैं।

इस ग्रंथ में शेषाद्रि जी ने हिंदू समाज के पुनर्जागरण की वैश्विक प्रक्रिया का अध्ययन किया। उन्होंने बताया कि 'हिंदू पुनर्जागरण' केवल धार्मिक जागरण नहीं-बल्कि

सांस्कृतिक स्वाभिमान,

सामाजिक समरसता,

राजनीतिक आत्मविश्वास

का समेकित स्वरूप है।

निबंध-संग्रह और व्याख्यान-समाहार

उनके विभिन्न व्याख्यान-आपातकाल, भारतीय राजनीति, समाज-संगठन, शिक्षा और राष्ट्र-चिंतन पर केंद्रित रहे। इन संग्रहों में वाक्य-शक्ति, तथ्य-निष्ठा और विश्लेषण-गहराई अद्वितीय है। पूजनीय श्री गुरुजी के मार्गदर्शन पर कृतिरूप संघ दर्शन और विचार नवनीत का अनोखा संयोजन एवं संकलन भी अनुपम कृतियों में से है।

संक्षेप में, शेषाद्रि जी की कृतियाँ विचार-जगत की निधि और राष्ट्र-चिंतन के विश्वसनीय दस्तावेज हैं।

जहाँ कार्य ही पूजा है-वहीं दायित्व ही गौरव है

शेषाद्रि जी, रज्जु भैय्या, सुदर्शन जी, श्री गुरुजी, देवरस जी और डॉ. हेडगेवार इन सभी व्यक्तित्वों ने हमें एक बात सिखाई है। संगठन का कार्य पद से बड़ा है। पद का त्याग भी उतना ही पवित्र है जितना पद का स्वीकार। स्वयंसेवक का गौरव उसकी विनम्रता से बढ़ता है, अधिकार से नहीं। राष्ट्र-जीवन के इस विराट यज्ञ में इन महापुरुषों का योगदान केवल इतिहास का विषय नहीं। यह वर्तमान और भविष्य दोनों की दिशा है। शेषाद्रि जी की जन्म-जयंती पर यही संकल्प जगता है कि हम पद के पीछे नहीं-कर्तव्य के पीछे चलें। पद नहीं, दायित्व ही हमारा स्वभाव बने। कार्य ही हमारी पूजा बने।

व्यंग्य

दुमदार जी की दुम

सुशांत सुप्रिय

आज मैं आपको एक विश्व-प्रसिद्ध दुम की कहानी सुनाने जा रहा हूँ। यह कहानी किसी ऐरे-गैरे व्यक्ति की नहीं है। यह कहानी दुमदार जी की है।

दुमदार जी का असली नाम कोई नहीं जानता। बचपन से ही दुमदार जी विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। चमचागिरी, चापलूसी, चाटुकारिता और मक्खन लगाने में उनका कोई सानी नहीं थी। हैरानी की बात यह है कि उनके पिता बेहद ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ स्कूल-मास्टर थे जो दुम हिलाने को पाप समझते थे। ऐसे परिवार में पैदा हो कर भी दुमदार जी ने हिम्मत नहीं हारी। दुम हिलाने की कला उन्हें विरासत में नहीं मिली थी। यह कला उनकी 'जीन्स' में नहीं थी। उनकी आनुवंशिकी इससे वंचित थी। लेकिन उन्होंने इस अड़चन को अपनी सफलता की राह में रुकावट नहीं बनने दिया। अपने परिवेश और समाज से निरंतर शिक्षा ग्रहण करते हुए अंत में वे इतने बड़े दुमबाज बन गए कि लोगों ने उनका नाम ही दुमदार जी रख दिया। इस लिहाज से दुमबाजी में वे एक 'सेल्फ-मेड' व्यक्ति थे।

दुमदार जी प्रागैतिहासिक काल में पूर्वजों के पास पाई जाने वाली विलुप्त पूँछ हिलाने में माहिर थे। दुम हिलाने को फूहड़ सड़क-छापपने के टुच्चे स्तर से उठा कर उसे ललित-कला के स्तर तक पहुँचाने में श्री दुमदार जी का अद्भुत योगदान भुलाया नहीं जा सकता। अखिल भारतीय दुमदार महासभा के पहले अधिवेशन में उनका ऐतिहासिक भाषण मील का पत्थर साबित हुआ। 'दुनिया के दुमबाजो, एक हो जाओ' और 'दुम नहीं तो दम नहीं' जैसी उनकी उक्तियाँ लोकप्रिय उद्धरण बन गए। 'सफलतापूर्वक दुम कैसे हिलाएँ' शीर्षक वाली उनकी पुस्तक इतनी लोकप्रिय हुई कि उसे 'नेशनल बेस्टसेलर' माना गया। इस पुस्तक के कई संस्करण निकले और दर्जनों भाषाओं में अनूदित हो कर इसकी करोड़ों प्रतियाँ बिकीं।

लेकिन यह तो बाद की बात है। इसकी शुरुआत कैसे हुई वह भी किसी चमत्कार से कम नहीं था। एक रात दुमदार जी सोने गए। सुबह उठने पर उन्होंने पाया कि उनकी दुम निकल आई है। यह खबर दुमबाजों के बीच हिलती पूँछ-सी फैली। इसे कुदरत का करिश्मा और भगवान का वरदान माना गया। इस महान दुम के दर्शन के लिए अपार जन-सैलाब उमड़ पड़ा। लोगों को आपस में यह कहते हुए सुना गया - 'जरूर दुमदार जी ने पूर्व-जन्म में दुमबाजी के अच्छे कर्म किए होंगे। इसीलिए भगवान दुमश्री महाराज ने उन्हें यह फल दिया है।' इस तरह देखते-ही-देखते दुमदार जी जग-प्रसिद्ध हो गए। शोहरत के साथ सम्मान और धन भी आया। दुमदार जी के दिन फिर गए।

इतिहास में कहीं ऐसा कोई उल्लेख नहीं मिलता जब किसी आदमी की दुम निकल आई हो। लिहाजा अरबों में एक होने की वजह से दुमदार जी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति-प्राप्त हो गए। उनकी महान दुम को 'राष्ट्रीय धरोहर' की संज्ञा दी गई। उन्हें अनेक सम्मानों से अलंकृत किया गया। लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में दुमदार जी को 'दुम-विभूषण' की उपाधि देने की घोषणा की। विपक्ष के नेता भला क्यों पीछे रहते। उन्होंने भी अपनी पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन में दुमदार जी को 'दुम केसरी' की उपाधि से नवाजा। राष्ट्रपति जी ने भी राष्ट्रपति-भवन के प्रांगण में आयोजित एक भव्य समारोह में महामहिम दुमदार जी को देश के सर्वोच्च सम्मान 'दुम-रत्न' से अलंकृत किया। 'दुम-रत्न दुमदार जी, अमर रहें, अमर रहें' के नारों से आकाश गूँज उठा।

दुमदार जी की हिलती दुम की ख्याति दिन-दोगुनी, रात-चौगुनी बढ़ने लगी। सरकारी खर्चे पर करोड़ों रुपयों में उनकी दुम का बीमा कराया गया। उनकी दुम की सुरक्षा के लिए 'नेशनल सेक्योरिटी गार्ड' के जाँबाज कमांडो नियुक्त किए गए। यूनिसेफ ने उन्हें अपना 'गुडविल अंबैसेडर' बना लिया। दुमदार जी की दुम को दुनिया का आठवाँ आश्चर्य माना गया। विदेशी शासनाध्यक्षों के भारत आगमन पर दुमदार जी से मिलना उनके कार्यक्रम का अभिन्न भाग बन गया। हालाँकि कुछ लोग जरूर दबी जुबान से दुमदार जी की दुम को 'ईश्वर का दंड' या 'दैवी प्रकोप' बताते थे। पर ऐसे लोग केवल मुट्ठी भर थे। इन्हें विदेशी एजेंट या राष्ट्र-द्रोही कहा जाता था।

एक बार दुमदार जी की महान दुम को चोट लग गई। पूरा राष्ट्र हतप्रभ रह गया। लोग स्तब्ध और शोकाकुल थे। इसे दुमदार जी के विरोधियों का षड्यंत्र माना गया। मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों और गिरिजा-घरों में दुमदार जी की दुम की सलामती के लिए विशेष प्रार्थना-सभाएँ आयोजित की गईं तथा नमाज पढ़ी गई।

कविता संसार

बेटियों के जल्लादों का हिसाब कब?

संजय एम तराणेकर

बेटियों के जल्लादों का हिसाब कब होगा,
ये सोई हुई व्यवस्था का जवाब कब होगा।
हर रोज़ कहीं मासूमियत कुचली जाती है,
इंसाफ़ की चौखट पर क्यों चुप्पी छाती है।

यूं आँखों में आँसू लिए माँ पूछ रही है अब,
इन दरिंदों पर कानून का प्रहार होगा कब।
क्या? ट्वीशा, क्या? दीपिका एवं अब अनु,
इन देश के लोभियों को कहाँ-कहाँ पे गिनु।

नारे तो बहुत गूँजते रहते चौक-चौराहों पर,
लेकिन क्यों? सन्नाटा है सत्ता की राहों पर।
कब जागेगी मानवता, यूं शर्मिंदा होगा मन,
बेटियों के जल्लादों को नसीब न हो कफ़न।

बेटी तो घर की रौशनी, जीवन का सम्मान,
उससे ही तो महकता है हर आँगन-जहान।
जो हाथ उठे बेटियों पे, वो हाथ झुकेंगे अब,
इन अत्याचारों का आखिर अंत होगा कब?

क्या गाय को 'राष्ट्रीय पशु' घोषित करने में कोई समस्या है?

-महेन्द्र तिवारी

भारत में गाय केवल एक पशु नहीं बल्कि करोड़ों लोगों की धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक चेतना और ग्रामीण जीवन का अभिन्न हिस्सा मानी जाती है। भारतीय समाज में सदियों से गाय को माता का दर्जा दिया जाता रहा है। अनेक धार्मिक ग्रंथों, लोक परंपराओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गाय का विशेष महत्व रहा है। यही कारण है कि समय समय पर गाय को भारत का राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग उठती रही है। कई धार्मिक संगठनों, सामाजिक समूहों और कुछ राजनीतिक दलों ने यह मांग सार्वजनिक रूप से रखी है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने भी एक मामले की सुनवाई के दौरान गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की आवश्यकता पर टिप्पणी की थी। इसके बावजूद भारत सरकार ने अब तक ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया है। इसके पीछे केवल राजनीतिक कारण नहीं बल्कि सामाजिक, संवैधानिक, आर्थिक और प्रशासनिक जटिलताएँ भी हैं।

भारत का वर्तमान राष्ट्रीय पशु बंगाल टाइगर है। इसे 1973 में शुरू किए गए प्रोजेक्ट टाइगर के अंतर्गत संरक्षण का प्रतीक बनाया गया था। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के अनुसार देश में बाघ संरक्षण के लिए विशेष कानूनी और पर्यावरणीय ढांचा तैयार किया गया। आज भारत विश्व के लगभग 70 प्रतिशत बाघों का घर माना जाता है और देश में 50 से अधिक टाइगर रिजर्व स्थापित किए जा चुके हैं। राष्ट्रीय पशु के रूप में बाघ केवल शक्ति और साहस का प्रतीक नहीं है बल्कि वह भारत की जैव विविधता और वन्यजीव संरक्षण नीति का केंद्र भी है। ऐसे में गाय को राष्ट्रीय पशु बनाने का प्रश्न केवल भावनात्मक नहीं बल्कि नीतिगत बहस का विषय बन जाता है।

भारत एक बहुधार्मिक और बहुसांस्कृतिक देश है। यहाँ हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन और अनेक आदिवासी समुदाय रहते हैं। हिंदू धर्म में गाय को पवित्र माना जाता है, लेकिन सभी समुदायों की मान्यताएँ समान नहीं हैं। पूर्वोत्तर भारत के कई राज्यों, केरल और गोवा जैसे क्षेत्रों में गोमांस भोजन का हिस्सा रहा है। भारतीय संविधान सभी नागरिकों को अपनी संस्कृति और भोजन की स्वतंत्रता देता है। ऐसे में यदि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाता है तो कई लोग इसे एक धर्म विशेष की मान्यताओं को सरकारी पहचान देने के रूप में देख सकते हैं। आलोचकों का तर्क है कि धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र में किसी धार्मिक प्रतीक को राष्ट्रीय पहचान बनाना संवैधानिक संतुलन को प्रभावित कर सकता है।

हालांकि दूसरी ओर यह भी सच है कि भारतीय संविधान के नीति निर्देशक तत्वों में अनुच्छेद 48 के अंतर्गत राज्यों को गोवंश संरक्षण और नस्ल सुधार के लिए प्रयास करने का निर्देश दिया गया है। देश के अधिकांश राज्यों में गोहत्या पर किसी न किसी रूप में प्रतिबंध पहले से मौजूद है। केंद्र सरकार का

पशुपालन और डेयरी विभाग भी गोवंश संरक्षण और पशुधन विकास के लिए कई योजनाएँ चला रहा है। राष्ट्रीय गोकुल मिशन जैसी योजनाओं का उद्देश्य देशी नस्लों का संरक्षण और दुग्ध उत्पादन बढ़ाना है। इससे स्पष्ट होता है कि गाय को पहले से ही विशेष सरकारी संरक्षण प्राप्त है। इसलिए समर्थकों का कहना है कि राष्ट्रीय पशु का दर्जा केवल उस सम्मान को औपचारिक रूप देने जैसा होगा जो भारतीय समाज में गाय को पहले से प्राप्त है। लेकिन वास्तविक समस्या केवल सम्मान तक सीमित नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में देश के अनेक राज्यों में आवारा पशुओं की समस्या गंभीर रूप ले चुकी है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में किसान खुले घूमते पशुओं से परेशान हैं। जब गाय दूध देना बंद कर देती है या बूढ़ी हो जाती है तो गरीब किसान उसका पालन जारी नहीं रख पाते। परिणामस्वरूप उन्हें सड़कों या खेतों में छोड़ दिया जाता है। ये पशु किसानों की फसलों को नुकसान पहुँचाते हैं और सड़क दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। अनेक ग्रामीण इलाकों में रात भर खेतों की रखवाली करना किसानों की मजबूरी बन गया है। यदि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाता है और कानून और कठोर हो जाते हैं तो यह संकट और बढ़ सकता है, क्योंकि पशुओं के पुनर्वास के लिए पर्याप्त गौशालाएँ और संसाधन अभी उपलब्ध नहीं हैं।

भारत की कृषि व्यवस्था अभी भी छोटे और सीमांत किसानों पर आधारित है। अधिकांश किसान सीमित आय और बढ़ती लागत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। एक बूढ़ी या अनुत्पादक गाय का पालन करना उनके लिए भारी आर्थिक बोझ बन जाता है। चारा, दवा और देखभाल पर लगातार खर्च होता है जबकि उससे कोई आय नहीं होती।

यदि सरकार गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करती है तो संभव है कि पशुधन प्रबंधन से जुड़े नियम और कड़े हो जाएँ। इससे किसानों की आर्थिक कठिनाइयाँ और बढ़ सकती हैं। इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी बड़े निर्णय से पहले पशु आश्रय, चारे की व्यवस्था और किसानों के लिए आर्थिक सहायता की मजबूत नीति आवश्यक है।

गाय से जुड़ा एक बड़ा आर्थिक पक्ष चमड़ा और मांस उद्योग भी है। भारत दुनिया के प्रमुख चमड़ा उत्पादक देशों में शामिल रहा है। इस उद्योग से लाखों लोगों का रोजगार जुड़ा है। इनमें बड़ी संख्या में आर्थिक रूप से कमजोर और हाशिए पर रहने वाले समुदाय शामिल हैं। भारत में मांस निर्यात का बड़ा हिस्सा भैंस के मांस से जुड़ा होता है, लेकिन कठोर सामाजिक माहौल का प्रभाव पूरे उद्योग पर पड़ता है। यदि राष्ट्रीय पशु का दर्जा मिलने के बाद कानून और सामाजिक दबाव बढ़ते हैं तो रोजगार और व्यापार दोनों प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए आर्थिक विशेषज्ञ इस विषय को केवल धार्मिक दृष्टि से देखने के बजाय रोजगार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के संदर्भ में भी देखते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में गाय के नाम पर हिंसा और भीड़ द्वारा हमले की घटनाएँ भी सामने आई हैं। कई मामलों में गौ रक्षा के नाम पर लोगों को पीटा गया, अपमानित किया गया या उनकी हत्या तक कर दी गई। ऐसे मामलों ने देश की कानून व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द पर गंभीर प्रश्न खड़े किए। समाजशास्त्रियों का मानना है कि यदि गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा दिया जाता है तो कुछ कट्टर समूह इसे अपने सामाजिक अधिकार के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

महंगाई की मारः आर्थिक संकट से जूझ रहे नगरवासी

थाली से दाल-सब्जी गायब, बजट हुआ फेल

निम्न वर्ग के सामने रोजी-रोटी का संकट।

- **बाजारों में रौनक गायब, दुकानदारों की बिक्री में भी आई भारी गिरावट**

गंडई पंडरिया। बढ़ती महंगाई और आर्थिक मंदी ने आम जनता की कमर तोड़ दी है। गांव,शहर के निवासियों इन दिनों दोहरे संकट से गुजर रहे हैं। एक तरफ जहां लोगों की आमदनी घट रही है या स्थिर है, वहीं दूसरी तरफ रोजमर्रा की जरूरी चीजों गैस सलेंडर,पेट्रोल के दाम आसमान छू रहे हैं। स्थिति यह हो गई है कि मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए घर चलाना एक चुनौती बन गया है।

रसोई का बजट बिगड़ा, थाली से पोषण गायब

बाजार में हरी सब्जियों, दालों और खाद्य तेलों की कीमतें पिछले कुछ महीनों में बढ़ोतरी हो चुकी हैं। स्थानीय निवासी कार्तिक यादव ने बताया, पहले गैस सलेंडर की कीमत भी कम था अभी वर्तमान में गैस का सलेंडर का भी रेट बढ़ गया है,जिसके कारण हम कई महीने तक तो गैस सलेंडर ही नहीं खरीद पाते है क्योंकि गैस सलेंडर पहले की अपेक्षा बहुत महंगी हो चुकी है,जिसे खरीदने के लिए हमारे पास पैसा नहीं होता है,वैसे ही पेट्रोल डीजल का रेट भी बढ़ गया है जिसके कारण गाड़ी में आना जाना भी मुश्किल हो रहा है। महंगाई इतनी चरण सीमा तक बढ़ गई है कि सब्जी, दाल,शक्कर जैसे आवश्यक सामग्री को भी लेने के लिए सोचना पड़ता है। पहले जो घर खर्च 8,000 रुपये में चल जाता था, आज वह 15,000 रुपये पार कर रहा है। बच्चों की स्कूल फीस, बिजली का बिल,गैस सलेंडर,पेट्रोल और ऊपर से यह महंगाई– समझ नहीं आता कि पैसे कहां से लाएं। अब तो थाली से दाल और हरी सब्जियां भी गायब होने लगी हैं।

आर्थिक संकट से व्यापार भी ठप

इस आर्थिक मंदी का असर सिर्फ खरीदारों पर ही नहीं, बल्कि स्थानीय व्यापारियों पर भी पड़ रहा है। गांव,शहर के मुख्य बाजार के किराना और कपड़ा व्यापारियों का कहना है कि लोगों के पास पैसे न होने के कारण बाजारों से रौनक गायब है। लोग सिर्फ बहुत जरूरी चीजें ही खरीद रहे हैं। दुकानदारों की बिक्री में 40 से 50 फीसदी तक की गिरावट आई है, जिससे उनके सामने भी दुकान का किराया और स्टाफ की सैलरी निकालने का संकट खड़ा हो गया है।

लोन और कर्ज के जाल में फंस रहे लोग

आर्थिक तंगी के कारण नगरवासियों में मानसिक तनाव भी बढ़ रहा है। अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने और बच्चों की पढ़ाई जारी रखने के लिए कई लोग व्यक्तिगत ऋण या स्थानीय साहूकारों से कर्ज लेने पर मजबूर हैं। आम जनता का मानना है कि यदि प्रशासन और सरकार ने बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए जल्द ही कोई ठोस कदम नहीं उठाए, तो स्थिति और भी चिंताजनक हो सकती है।

नगरवासियों की मांगः

स्थानीय नागरिकों ने शासन प्रशासन से निवेदन किये है कि महंगाई व आर्थिक संकट को रोके , ताकि आम आदमी को थोड़ी राहत मिल सके।

रसोई गैस, डीजल और पेट्रोल के आसमान छूते दामों से आज आम आदमी और किसान त्रस्त हैं। डीजल महंगा होने से खेती की लागत बढ़ गई है और मालभाड़ा बढ़ने से हर चीज महंगी हो गई है। सरकार से मांग है कि टैक्स कम कर तुरंत जनता को राहत दे, वरना किसान कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी

– रणजीत सिंह चन्देल
उपाध्यक्ष, प्रदेश किसान कांग्रेस छत्तीसगढ़ एवं पूर्व अध्यक्ष, सरपंच संघ

इशू विश्वकर्मा ने बताया कि पेट्रोल के दाम बढ़ जाने के कारण हम गाड़ी में भी पेट्रोल डलवाने के लिए बार बार सोचते है क्योंकि जितना हम कमाते नहीं उससे ज्यादा पेट्रोल,बिजली बिल में खर्च हो जाता है इसलिए शासन से मांग है कि पेट्रोल,बिल के दाम को कम करे

3 वार्ड नंबर 07 पार्षद राकेश निषाद ने बताया कि वर्तमान में गैस,पेट्रोल के रेट बढ़ने से निम्न वर्ग के लोग गैस नहीं खरीद पा रहे है, और घरों में चूल्हा से खाना बना रहे है शासन को इस ओर ध्यान देना चाहिए।

लक्ष्य शिक्षण संस्थान का शानदार प्रदर्शन

- **25 छात्र नवोदय व 23 सैनिक स्कूल में चयनित**
- **जनप्रतिनिधियों के हाथों मेडल पहनाकर सफल विद्यार्थियों का किया गया भव्य सम्मान**

बलरामपुर। जिले के शंकरगढ़ विकासखंड में संचालित लक्ष्य शिक्षण संस्थान लगातार विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन कर रहा है। हाल ही में संस्थान के दो और छात्रों का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय में तथा एक छात्र का चयन सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में हुआ है। इस वर्ष संस्थान से कुल 25 विद्यार्थियों ने जवाहर नवोदय विद्यालय एवं 23 विद्यार्थियों ने सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में सफलता प्राप्त की है।

इस उपलब्धि पर लक्ष्य शिक्षण संस्थान में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद उपाध्यक्ष प्रियंवदा सिंह देव व पूर्व जनपद उपाध्यक्ष अमिताभ सिंह देव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि कुसमी नगर पंचायत अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद भगत विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संस्थान के संचालक सुदर्शन यादव ने अतिथियों का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। वहीं निःशुल्क आवासीय अग्निवीर सेना तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं ने भी अतिथियों का पुष्प भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यक्रम में जवाहर नवोदय विद्यालय एवं सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में सफल विद्यार्थियों को अतिथियों द्वारा मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया।

मयंक भगत को जनपद उपाध्यक्ष प्रियंवदा सिंह देव ने गोल्ड मेडल पहनाकर सम्मानित किया। वहीं आदित्य नागेश को नगर पंचायत अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद भगत ने मेडल एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया। सैनिक स्कूल में चयनित हिमाचल भगत को पूर्व जनपद उपाध्यक्ष अमिताभ सिंह देव ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि प्रियंवदा सिंह देव ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने वाले विद्यार्थियों को हरसंभव सहयोग दिया जाएगा तथा उनकी पढ़ाई में किसी प्रकार की बाधा नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं एवं सेना भर्ती की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों की समस्याएं भी सुनीं और आवश्यक सहयोग का भरोसा दिलाया।

पूर्व जनपद उपाध्यक्ष अमिताभ सिंह देव ने लक्ष्य शिक्षण संस्थान की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान शंकरगढ़ क्षेत्र के विद्यार्थियों को नई दिशा देने का कार्य कर रहा है। उन्होंने संस्थान के संचालक सुदर्शन यादव को सम्मानित करते हुए बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

नगर पंचायत अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद भगत ने कहा कि बड़े शहरों की कोचिंग संस्थाओं की तुलना में वनांचल क्षेत्र में स्थित लक्ष्य शिक्षण संस्थान का प्रदर्शन अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि संस्थान को हरसंभव सहयोग दिया जाएगा।

संस्थान संचालक सुदर्शन यादव ने बताया कि इस वर्ष संस्थान का 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम भी शत-प्रतिशत रहा। 10वीं में सर्वाधिक 97.33 प्रतिशत एवं 12वीं में 93.80 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। साथ ही एक जून से शुरू होने वाली अग्निवीर सेना भर्ती की लिखित परीक्षा के लिए विद्यार्थियों को निःशुल्क कोचिंग दी जा रही है। उन्होंने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए विद्यार्थियों की सुविधा हेतु पूर्व जनपद उपाध्यक्ष अमिताभ सिंह देव द्वारा पिछले वर्ष कूलर एवं पंखे उपलब्ध कराए गए थे ।

कलेक्टर परिसर में वाटर फिल्टर की मांग जनदर्शन में उठी

सूरजपुर। कलेक्टर परिसर में पानी की किल्लत को देखते हुए आम आदमी पार्टी के नेताओं ने कलेक्टर सूरजपुर को पत्र लिखकर परिसर में पानी की व्यवस्था की मांग की है। पानी की इस समस्या को लेकर आज आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने सीधे कलेक्टर के नाम एक शिकायती पत्र सौंपकर व्यवस्था सुधारने की मांग की है।

कलेक्टर जनदर्शन में पहुंचे पुनीत दुबे जिला संयुक्त महासचिव और रवि जायसवाल जिला अध्यक्ष, आप सहित अन्य नागरिकों ने बताया कि वर्तमान में पड़ रही प्रचंड गर्मी के कारण लोग बेहाल हैं। ऐसे समय में कलेक्टर मुख्यालय में रोजाना सैकड़ों लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचते हैं।

लेकिन विडंबना देखिए, यहां उनके लिए पीने योग्य साफ पानी की कोई पुख्ता व्यवस्था नहीं है। परिसर में पर्याप्त वाटर फिल्टर न होने के कारण लोगों को या तो प्यासा रहना पड़ता है या फिर महंगे दामों पर बाहर से पानी खरीदना पड़ रहा है।

कलेक्टर को सौंपे गए पत्र में स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि कलेक्टर मुख्यालय में गर्मी को देखते हुए पीने के पानी की भारी समस्या हो रही है। परिसर में पीने योग्य शुद्ध जल की सुविधा और वाटर फिल्टर सुनिश्चित कराया जाना बेहद जरूरी है। नेताओं ने कहा कि यदि जिला मुख्यालय में ही मूलभूत सुविधाएं गायब रहेंगी, तो प्रशासन के सुशासन के दावों पर सवाल उठना लाजिमी है।

अंधेरे के साये में जिंदगी गुजार रहे अटल निवासी

- **अटल आवास में अंधेरा, स्ट्रीट लाइटें महीनों से खराब, स्थानीय निवासी परेशान**

गंडई पंडरिया। नगर के अटल आवास में लगी स्ट्रीट लाइटें महीनों से बंद पड़ी हैं, जिससे रात के समय पूरे इलाके में अंधेरा पसरा रहता है। इस गंभीर समस्या के कारण स्थानीय निवासियों, खासकर महिलाओं और बच्चों का रात में निकलना दूभर हो गया है और क्षेत्र में चोरी व असामाजिक गतिविधियों का खतरा बढ़ गया है।गंडई के अटल आवास में अंधेरा के कारण रास्ता का गढ्ढा,जानवर भी बैठा रहता है तो दिखाई नहीं देता है। स्ट्रीट लाइटें महीनों से खराब होने के कारण स्थानीय निवासी परेशान है।

गंडई स्थित अटल आवास में मूलभूत सुविधाओं के अभाव का एक बड़ा मामला सामने आया है। यहां की कॉलोनियों में लगी स्ट्रीट लाइटें महीनों से बंद पड़ी हैं। स्थानीय निवासि शहनाज खान,हाफिज खान द्वारा बताया कि जिम्मेदार विभाग इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है, जिससे रहवासी घोर अंधेरे में जीवन जीने को मजबूर हैं।अंधेरे के साये में जिंदगीअटल आवास में रहने वाले लोगों ने बताया कि शाम ढलते ही पूरी कॉलोनी में अंधेरा छा जाता है। खंभों पर लगी लाइटें शोपीस बनकर रह गई हैं। स्ट्रीट लाइट न जलने से सड़क पर गड्ढे और मवेशी दिखाई नहीं देते, जिससे रात-बिरात आने-जाने वाले लोगों और बुजुर्गों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।सुरक्षा और अपराध का खतरा लाइट बंद होने का सबसे अधिक असर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर पड़ रहा है। अंधेरे का फायदा उठाकर असामाजिक तत्वों का जमावड़ा कॉलोनियों में शुरू हो जाता है। निवासियों का आरोप है कि इस अंधेरे के कारण क्षेत्र में चोरी और छिनतई जैसी घटनाओं का डर बना रहता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि खराब पड़ी इन लाइटों की न तो मरम्मत की जा रही है और न ही इन्हें बदला जा रहा है।अटल आवास के रहवासियों ने नगर पंचायत गंडई के अधिकारियों से पुरजोर मांग की है कि जल्द से जल्द बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को सुधरवाया जाए, ताकि कॉलोनी वासियों को इस अंधियारे से मुक्ति मिल सके और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित हो सके।

वार्ड पार्षद दिलीप ओगरे ने कहा है कि लाइट मंगवाया था जो सभी लाइट लगवा दिया गया है। और जहां पर लाइट नहीं जल रहा वहां पर जल्दी से जल्दी लाइट लगवा देंगे ।

कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त हुए 98 आवेदन

"आम जनता की समस्याओं का संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ समाधान सुनिश्चित करें" - कलेक्टर

सूरजपुर। संयुक्त जिला कार्यालय में आज आयोजित जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुँचे आमजनों ने कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के समक्ष अपनी समस्याओं, मांगों एवं शिकायतों से जुड़े आवेदन प्रस्तुत किए। जनदर्शन में कुल 98 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें राजस्व प्रकरण, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा, बिजली-पानी, स्वास्थ्य सुविधाओं तथा व्यक्तिगत समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रमुख रूप से शामिल रहे। कलेक्टर ने एक-एक आवेदक से शांतिपूर्वक उनकी समस्या सुनी तथा उनकी कठिनाइयों को गंभीरता से समझते हुए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने जनदर्शन में प्राप्त समस्त आवेदनों की गंभीरता से समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन का परीक्षण कर निराकरण योग्य प्रकरणों का शीघ्रातिशीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आम जनता की समस्याओं का समाधान संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के आधार पर किया जाए तथा किसी भी आवेदक को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शी, समयबद्ध एवं जवाबदेह व्यवस्था के तहत प्रत्येक पात्र हितग्राही को उनका हक एवं सरकारी योजनाओं का लाभ अवश्य मिले, यह सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों का प्रथम दायित्व है।

कलेक्टर ने यह भी निर्देशित किया कि जिन आवेदनों के निराकरण में अधिक समय लगने की संभावना है, उनकी समयसीमा निर्धारित कर निराकरण की वस्तुस्थिति से आवेदकों को निरंतर अवगत कराया जाए, ताकि उन्हें अपने प्रकरण की प्रगति की जानकारी समय पर मिलती रहे। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निराकरण की मॉनिटरिंग पोर्टल पर नियमित रूप से अद्यतन की जाए तथा लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। जनदर्शन में प्राप्त समस्त आवेदनों को संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही एवं निराकरण हेतु प्रेषित कर दिया गया है।

कांग्रेस जनों ने झीरम घाटी में शहीद दिवंगत नेताओं को दी श्रद्धांजलि

बलौदा बाजार। जिला कांग्रेस कार्यालय बलौदाबाजार में झीरम घाटी की घटना को याद करते इस घटना में दिवंगत नेताओं को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर उनका शहादत दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा लोकतंत्र, संविधान एवं जनसेवा के प्रति उनके योगदान को याद किया।

कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि झीरम घाटी के शहीद नेताओं का बलिदान सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उनके संघर्ष, समर्पण एवं कांग्रेस विचारधारा के प्रति प्रतिबद्धता को कभी भुलाया नहीं जा सकता। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष परमेश्वर यदु जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष दिनेश यदु, नगर पालिका की छाया अध्यक्ष सुरेंद्र जायसवाल, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण सेन, ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक साहू, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष संतोष तिवारी, जिला महामंत्री लखेश साहू, शहर महामंत्री नीरज बांधे, मोहन साहू, दिगंबर साहू, सुखदेव साहू, अजय भारती,पावन मानिकपुरी शहर उपाध्यक्ष डिगेश्वरी रविंद्र नामदेव, यशवंत वर्मा, खिलावन जायसवाल महामंत्री जितेंद्र नवरत्न मंडल अध्यक्ष गोल्डी मारईया नेता प्रतिपक्ष सलमान शेख जय बाघमार शैलेंद्र ध्रुव सा सूर्यकांत वर्मा जय नायक, हेमंत ठाकुर सहित समस्त कांग्रेस जन उपस्थित रहे

न्यायालय तहसीलदार बसना
जिला-महासमुन्द (छ.ग.)

ईश्तहार

क्रमांक/175/क/वा-1/तह./2026
दिनांक 12.05.2026

एतद् द्वारा सर्वसाधारण के लिए सूचनार्थ प्रकाशन कराया जाता है कि आवेदक हेमसागर पटेल पिता नरोत्तम पटेल निवासी ग्राम/नगर जगत तहसील बसना द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि आवेदक/आवेदिका अपने माता धनकुंवर का दिनांक 09.03.2009 को स्थान जगत में मृत्यु हुआ है।

उक्त जन्म/मृत्यु का पंजीयन नहीं हो पाने के कारण उक्त तिथि में माता धनकुंवर के मृत्यु की घटना पंजीकृत किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को किसी भी प्रकार का आक्षेप/दावा हो अथवा आवेदन पत्र प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 26.05.2026 को उपस्थित होकर पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
बसना

सील

न्यायालय नायब तहसीलदार मुंगेली, जिला मुंगेली (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र. अ 6 अ/2025-26
ग्राम बहरमुड़ा प.ह.नं. 36

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक अशोक पिता/पति ईश्वर प्रसाद जाति ब्राम्हण निवासी बहरमुड़ा तहसील व जिला मुंगेली द्वारा ग्राम बहरमुड़ा हल्का नं. 36 तहसील व जिला मुंगेली स्थित भूमि खसरा नं. 08, कुल रकबा 1.6350 हे. का त्रुटि सुधार हेतु आवेदन पेश किया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को भी किसी प्रकार की कोई दावा/आपत्ति हो तो वह स्वयं वा अभिभाषक या प्रतिनधि के माध्यम से दिनांक 04/06/2026 समय 11:00 बजे दिन को तहसील कार्यालय मुंगेली में दावा/आपत्ति पेश कर सकती है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12/05/2026 को मेरे द्वारा हस्ताक्षर एंव न्यायालय के मुद्रा से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
मुंगेली (छ.ग.)

सील

झीरम घाटी के अमर शहीदों को चारामा ब्लॉक कांग्रेस ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

चारामा। झीरम घाटी में हुए कायराना नक्सली हमले की बरसी पर आज चारामा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा स्थानीय विधायक निवास में शहादत दिवस का आयोजन किया गया। इस भावुक और गरिमामयी कार्यक्रम में कांग्रेस पदाधिकारियों और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने देश और प्रदेश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित वक्ताओं ने झीरम घाटी हमले के काले दिन को याद करते हुए शहीदों के योगदान और उनकी वीरता को नमन किया। नेताओं ने कहा कि झीरम घाटी का हमला देश के इतिहास का एक ऐसा घाव है जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। छत्तीसगढ़ के शीर्ष नेतृत्व और जवानों ने प्रदेश में शांति की बहाली के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी, उनका यह बलिदान हमेशा आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर द्वारा वृद्धाश्रम एवं सखी वन स्टॉप सेन्टर का अचौक निरीक्षण

सूरजपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के तहत् जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सूरजपुर की सचिव व व्यवहार न्यायाधीया वरिष्ठ सुश्री पायल टोपनों द्वारा क्षेत्र के सामाजिक और कल्याणकारी केन्द्रों का अचौक निरीक्षण किया गया। इस अचौक निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर विधिक सहायता की उपलब्धता सुनिश्चित करना और संस्थाओं में सह रहे नागरिकों की समस्याओं का तवरित समाधान करना था।

स्नेह सम्बल वृद्धाआश्रम तिलसिवों का विस्तृत निरीक्षण- सचिव सुश्री पायल टोपनो सबसे पहले तिलसिवों स्थित स्नेह सम्बल विद्धाआश्रम पहुंचीं निरीक्षण के दौरान उन्होने निम्नलिखित महत्वपूर्ण कार्य और समीक्षाएं की। वृद्धजनों से आत्मीय संवाद औपचारिकताओं से परे हटकर, सचिव ने आश्रम में निवास कर रहे बुजुर्गों के साथ बैठकर समय बिताया। उन्होने वृद्धजनों से उनकी दैनिक दिनचर्या, खान-पान, रहन-सहन और विशेषकर उनके स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे में सीधे बातचीत की।

नालसा योजना की जानकारी- उन्होने बुजुर्गों को नालसा (वरिष्ठ नागरिकों के लिए विधिक सेवाएं) योजना- 2016 के कानूनी प्रावधानों के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होने बताया कि इस योजना के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानपूर्वक जीने, भरण-पोषण और मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त करने का अधिकार है।

लीगल एड क्लीनिक की समीक्षा- वृद्धाश्रम के भीतर संचालित हो रहे लीगल एड क्लीनिक के कार्यों की गहन समीक्षा की गई, ताकी यह सुनिश्चित हो सके कि बुजुर्गों को कानूनी सलाह एवं सहायता समय पर मिल रही है। भौतिक निरीक्षण एवं प्रशासनिक चर्चा सचिव ने पूरे वृद्धाश्रम परिसर के कमरों और स्वाच्छता व्यवस्थाओं का घूम-घूमकर जायजा लिया।

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिका दण्डाधिकारी मुंगेली (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र./.../बी-121/2025-26
ग्राम करही प.ह.नं. 17

एतद् द्वारा ग्राम करही के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक सरोजनी यादव आ. गनपत जाति यादव निवासी करही तहसील व जिला मुंगेली द्वारा ग्राम करही हल्का नं. 17 तहसील व जिला मुंगेली निवासी अपने पुत्री सुसमिता आ. गनपत की जन्म दिनांक 01/01/2006 को होने एवं सचिव ग्राम पंचायत करही के पंजी में दर्ज कराने हेतु आवेदन किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को भी किसी भी प्रकार की कोई दावा/आपत्ति हो तो वह स्वयं या अभिभाषक या प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 03/06/2026 समय 11:00 बजे दिन को तहसील कार्यालय मुंगेली में दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। निर्धारित तिथि को पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुद्रा से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
मुंगेली

सील

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिका दण्डाधिकारी मुंगेली (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र./.../बी-121/2025-26
ग्राम झुलना खुर्द प.ह.नं. 11

एतद् द्वारा ग्राम झुलना खुर्द के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक गेंदराम उईके आ. तीजऊ राम जाति गोंड निवासी झुलना खुर्द तहसील व जिला मुंगेली द्वारा ग्राम झुलनाखुर्द हल्का नं. ... तहसील व जिला मुंगेली निवासी अपने मां जानाबाई आ. पति तिजऊराम की मृत्यु दिनांक 16/05/2003 को होने एवं सचिव ग्राम पंचायत खुजहा के पंजी में दर्ज कराने हेतु आवेदन किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को भी किसी भी प्रकार की कोई दावा/आपत्ति हो तो वह स्वयं या अभिभाषक या प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 26/05/2026 समय 11:00 बजे दिन को तहसील कार्यालय मुंगेली में दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। निर्धारित तिथि को पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 04/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुद्रा से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
मुंगेली

सील

न्यायालय नायब तहसीलदार मुंगेली-2

मामले की श्रेणीः राजस्व

संदर्भ :- जिला-मुंगेली तहसील-मुंगेली प.ह.नं.- 00027 सोनपुरी ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-CG-2026-27-154-1-508

ईश्तहार

तहसील मुंगेली के प.ह.नं. 00027 के अंतर्गत ग्राम सोनपुरी के वर्तमान भूमिस्वामी फल्गीत राम रात्रे पिता/पति-धनऊ राम रात्रे पता-निवासी ग्राम सोनपुरी तहसील मुंगेली जिला मुंगेली छत्तीसगढ़ के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 42(0.1610), 139/11(0.1250), 199/2(0.0360) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता पांचोबाई पिता/पति-जनका पता-निवासी ग्राम सोनपुरी तहसील मुंगेली जिला मुंगेली छत्तीसगढ़ के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख दुरूस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 01/06/2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय नायब तहसीलदार मुंगेली-2 पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/अधिवक्ता/आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 12/05/2026 को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार
मुंगेली (छ.ग.)

सील

कोरिया की धरती पर जश्ने जबां जैसे आयोजन गढ़ रहे मील का पत्थर: नरेश प्रसाद

कोरिया जिले की सौ से अधिक प्रतिभाओं नें जश्ने जबां के मंच से दिखाया अपना हुनर

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में एकाग्र शर्मा, हीरामणि ने श्रोताओं को किया लोटपोट

बैकुण्ठपुर। कोरिया जिला मुख्यालय में दो दिनों तक चले जश्ने जबां कार्यक्रम में साहित्य, संस्कृति और लोक कला के प्रस्तुतियों ने हजारों दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यहां झुमका ओपन थियेटर में सौ से ज्यादा स्थानीय कलाकारों ने मंच से अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। देश प्रदेश से आए लगभग 60 कलाकारों ने अलग अलग विधाओं में अपना प्रदर्शन कर दर्शकों और साहित्य प्रेमियों में नई उर्जा का संचार किया। साईनाथ फाउंडेशन के तत्वाधान में निरंतर सात वर्षों से आयोजित हो रहे जश्ने जबां कार्यक्रम का कोरियावासियों ने जमकर आनंद उठाया। बीती शाम इस दो दिवसीय आयोजन का समापन समारोह झुमका ओपन एयर थियेटर में दक्षिण पूर्व कोयला प्रक्षेत्र के बैकुण्ठपु महाप्रबंधक नरेश प्रसाद की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कार्ययोजना महाप्रबंधक श्रवण कुमार, जिला पंचायत सीईओ डॉ आशुतोष चतुर्वेदी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेशा चैबे ने कार्यक्रम की सफलता पर अपने विचार व्यक्त किए और आयोजन में शामिल प्रत्येक प्रतिभागियों और विशिष्ट कलाकारों को मंच पर सम्मानित किया और सभी के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

जश्ने जबां जैसे आयोजन गढ़ रहे मील का पत्थर

समापन समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से संबोधित करते हुए महाप्रबंधक नरेश प्रसाद ने कहा कि इतनी विविधताओं के साथ एक आयोजन पूरे क्षेत्र के लिए उपलब्धि की तरह है। उन्होने आयोजन समिति के सभी सदस्यों और शामिल देश प्रदेश तथा कोरिया के समस्त प्रतिभाओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि प्रत्येक आयोजन में मंच से हुनर का प्रदर्शन आपकी कला को निखारता है। ऐसे आयोजनों में शामिल होना ही गौरव का विषय होता है। कोरिया की उर्वरा धरती पर आयोजन को मील का पत्थर कहते हुए उन्होने आश्वस्त किया कि यहां होने वाले प्रत्येक साहित्यिक, सांस्कृतिक और लोक कला के आयोजनों में एसइसीएल हमेशा सहयोग के लिए तैयार है। उन्होने लोककलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए अपनी शुभकामनाएं दीं।

जश्ने जबां से लोककला और संस्कृति की महक का विस्तार

विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित आपरेशन जीएम श्रवण कुमार ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए निरंतर इस तरह के आयोजन कराए जाने हेतु सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ डॉ आशुतोष चतुर्वेदी और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती सुरेशा चैबे ने भी प्रतिभाओं के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा कि कोरिया में जश्ने जबां जैसे आयोजनों से एक अलग माहौल तैयार होता है। देश प्रदेश से आए हुए कलाकार और साहित्यधर्मियों से कोरिया को हमेशा कुछ नया सीखने का अवसर मिलता है। ऐसे में स्थानीय प्रतिभाएं और निखर कर सामने आती हैं।

दूसरे दिन कथक,गेंड़ी,कवि सम्मेलन ने जमाया माहौल

जश्ने जबां के दूसरे दिवस के आयोजन में ओपन माइक सत्र में स्थानीय और प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए हुए 30 से अधिक कलाकारों ने नृत्य, काव्यपाठ, गायन में अपना जौहर दिखाया। इसके बाद खैरागढ़ से आए खगेश पैकरा ने गेंड़ी लोकनृत्य का दर्शनीय प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बालगृह के बच्चों ने शानदार योग का प्रदर्शन किया। बनारस घराने के संगीतज्ञों ने पूरे आयोजन में एक अलग माहौल बनाया। कथक नृत्य से डा मिश्रा ने प्रभु राम के चरित्र का अनूठा प्रदर्शन किया। इसके साथ ही लोक कलाकारों की प्रस्तुति हुई। अंत में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में मुंबई के एकाग्र शर्मा, समस्तीपुर से आए अक्स, इंदौर से आए गौरव साक्षी, गोपालगंज की सान्या राय और कोरबा के हीरामणि ने देर रात तक श्रोताओं को हास्य और श्रृंगार रस के गीत सुनाकर भावविभोर कर दिया।

उपन्यास यक्षिणी पर हुई पुस्तक चर्चा

दूसरे दिन के आयोजन में जिला पंचायत सीईओ डॉ आशुतोष चतुर्वेदी की प्रथम उपन्यास यक्षिणी पर चर्चा का सत्र भी संपादित किया गया। इस दौरान साहित्यधर्मी आशीष राज सिंहानिया ने लेखक डॉ आशुतोष से उपन्यास की रचना पर और उसके विषय पर अनेक प्रश्न रखे और इस पर डॉ आशुतोष ने अपने विचार व्यक्त किए। चर्चा के दौरान लेखक डॉ आशुतोष ने बताया कि यक्षिणी के अगले क्रम में भी वह नई उपन्यास के लिए लेखन कर्म प्रारंभ कर चुके हैं। उन्होने चर्चा के अंत में मां पर एक अत्यंत मार्मिक कविता पढ़कर व्यक्ति के जीवन में मां की ममता और उसके आशीर्वाद के महत्व को और गहराई प्रदान की।

युवा गायक आयुष के गीत रूबरू का पोस्टर लांच

जश्ने जबां के दूसरे दिन अंतिम सत्र में अतिथियों के द्वारा क्षेत्र के उभरते युवा गायक आयुष नामदेव के नए गीत रूबरू का पोस्टर लांच किया गया। सियाधेश म्यूजिक के बैनर तले आ रहे इस गीत को आयुष नामदेव ने स्वर दिया है। वहीं इसकी कम्पोजिशन सावन आर मुंबई के द्वारा की गई है। आयुष ने बताया कि यह गीत एचएस फिल्म प्रोडक्शन के द्वारा ऋषि त्रिपाठी द्वारा निर्देशित किया गया है और इसकी संगीत रिकार्डिंग इवीएस स्टूडियों में की गई है। जल्द ही यह गीत आमजन के बीच होगा। अतिथियों ने आयुष को अपनी शुभकामनाएं प्रदान कीं।

जंश्ने जबां के दूसरे दिन अतिथियों की दीर्घा में वरिष्ठ साहित्यकार वीरेन्द्र श्रीवास्तव, डा ओंकार साहू, गौरव अग्रवाल, श्रीमती अनु चक्रवर्ती, योगेश गुप्ता,आंचल पांडे सुनील शर्मा, आयुष नामदेव, संवर्त कुमार, सुरी अलीशा शेख, श्रीमती तारा पांडे, सुश्री रेणुका, भावेश देशमुख, हर्षपाल सिंह, अभिषेक पाण्डेय, जिला खेल अधिकारी जितेन्द्र गुप्ता, अखिलेश राजवाड़े, राजीव गुप्ता, सतीश गुप्ता, अरूण जैन, शेख खलील, प्रखर सिहं सहित अनेक विधाओं के पारंगत कलाकार, रचनाधर्मी और युवा प्रतिभाएं उपस्थित रहे। अंत में योगेश गुप्ता ने उपस्थित अतिथियों, कलाकारों, और अन्य व्यवस्थाओं से जुड़े महत्वपूर्ण साथियों के प्रति आभार प्रदर्शन किया।

पिथौरा को मिली विकास कार्यों की सौगात, 2.50 करोड़ के कार्यों का भूमिपूजन

पिथौरा। सुशासन दिवस के अवसर पर नगर पंचायत पिथौरा में सोमवार को लगभग 2.50 करोड़ रुपए की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं नगरवासी उपस्थित रहे। विकास कार्यों के शुभारंभ को लेकर लोगों में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष देवेश निषाद थे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पंचायत उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद प्रतिनिधि मनमीत छाबड़ा, वरिष्ठ पार्षद मन्नूलाल ठाकुर, पार्षद राम कुंवर सिन्हा, पार्षद पुष्पकांत पटेल, पार्षद कौशल मानिकपुरी, वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष नरेश सिंघल, विक्की सलूजा तथा स्काउट के उपायुक्त लक्ष्मीकांत सोनी, किशोर पटेल, दीपक सिन्हा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एसडीएम, तहसीलदार एवं नगर पंचायत सीएमओ भी मंचासीन रहे।

भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने कहा कि नगर में लगातार विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। सड़क, नाली, पेयजल एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों के पूर्ण होने से नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी तथा नगर का व्यवस्थित विकास सुनिश्चित होगा। वक्ताओं ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से कार्य किए जा रहे हैं और सुशासन दिवस इसी संकल्प को मजबूत करने का अवसर है।

कार्यक्रम में अतिथियों ने विकास कार्यों के लिए नगर पंचायत की पहल की सराहना करते हुए कहा कि जनसहभागिता के माध्यम से नगर को स्वच्छ, सुंदर एवं सुविधायुक्त बनाने की दिशा में लगातार प्रयास जारी रहेंगे। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने नागरिकों से विकास कार्यों में सहयोग की अपील भी की। कार्यक्रम स्थल पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, पार्षदगण, समाजसेवी, भाजपा कार्यकर्ता एवं नगर पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। भूमिपूजन के पश्चात अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान भी किया गया।

चिन्हित 17 गांवों में धरती आबा का लाभ देने प्रतिबद्ध : कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू

परसापाली में हुआ धरती आबा शिविर का सफल आयोजन

सारंगढ़ बिलाईगढ़। धरती आबा का शिविर बिलाईगढ़ ब्लॉक के परसापाली में आयोजित किया गया, जिसमें अतिथि के रूप में कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू, विधायक कविता लहरे, पूर्व विधायक सनम जांगड़े, सत्ताधारी दल के सुभाष जालान, सहायक आयुक्त आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास बद्रीश सुखदेवे सहित जिला अधिकारी, बिहान समूह की महिला सदस्य एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित थे। धरती आबा के इस कार्यक्रम में कलेक्टर सहित सभी अतिथियों के आगमन पर पारंपरिक ढ़ोल नगाड़े और सामूहिक नृत्य से स्वागत किया गया और उनके माथे में साफा बांधा गया। अतिथियों के साथ कलेक्टर ने चटाई में बैठकर ग्रामीणों के आवेदन लिए। कलेक्टर ने आदिवासी बाहुल्य गांव परसापाली के ग्रामीणो को सम्बोधित करते हुए कहा कि, धरती आबा भारत सरकार की महत्वपूर्ण योजना है, जिससे आदिवासी समाज के लोगों को सारे बुनियादी सुविधा मुहैया कराने के लिए केंद्र, राज्य एवं जिला प्रशासन को जिम्मेदारी दी है। हम लोग हमारे जिले के सभी चिन्हित 17 गांवों में राशन कार्ड, पेंशन, पेयजल, महतारी वंदन, आयुष्मान कार्ड, पीएम आवास, वन अधिकार पत्र, जाति, निवास, आय प्रमाण पत्र, राजस्व कार्य फौती नामांतरण, किसान पुस्तिका, सीमांकन, भूमिहीन अनुदान, आदि योजनाओं का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों को शत प्रतिशत प्रदान करेंगे।

जिला युवा कांग्रेस ने झीरम घाटी के शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

सारंगढ़। कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष शहीद नंदकुमार पटेल एवं शहीद दिनेश पटेल के साथ झीरम के शहीदों के शहादत दिवस पर उनकी याद में जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष शुभम बाजपेयी के नेतृत्व में बस स्टैंड स्थित कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धांजलि अर्पित कर शासकीय अस्पताल में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं एवं एनएसयूआई युवा कांग्रेस के साथियों के साथ फल वितरण कर शहादत दिवस मनाया गया। उक्त मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी पवन अग्रवाल, नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि अजय बंजारे किसान नेता प्रमोद मिश्रा समेत युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई के नेतागण उपस्थित रहे।

38 लाख रुपये के गबन का आरोपी बिलासपुर से गिरफ्तार, भेजा गया जेल

26 माह तक कंपनी की रकम हड़पता रहा एरिया सेल्स ऑफिसर, मकान निर्माण में खर्च किए रुपए

दुर्ग। जेवरा सिरसा चौकी पुलिस ने 38 लाख रुपये के गबन के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी एरिया सेल्स ऑफिसर को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। आरोपी ने कंपनी के व्यापारियों से वसूली गई रकम को कंपनी खाते में जमा करने के बजाय निजी उपयोग में खर्च कर दिया था।

गोयल ट्रेडर्स जेवरा सिरसा में एरिया सेल्स ऑफिसर के पद पर कार्यरत राजेश जायसवाल ने वर्ष 2020 से 2022 के बीच लगभग 26 माह तक कंपनी की राशि का गबन किया। आरोपी चाय पत्ती, सेवई, वाशिंग पाउडर एवं अन्य पैकेजिंग सामग्री की बिक्री से प्राप्त रकम व्यापारियों से वसूलता था, लेकिन उसे कंपनी खाते में जमा नहीं करता था।

मकान निर्माण और निजी कार्यों में खर्च की रकम : जांच में सामने आया कि आरोपी ने गबन की गई करीब 38 लाख रुपये की राशि को निजी मकान निर्माण एवं अन्य व्यक्तिगत कार्यों में खर्च कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की।

बिलासपुर से हुई गिरफ्तारी : मामले की जांच के दौरान पुलिस टीम ने आरोपी राजेश जायसवाल की तलाश कर उसे बिलासपुर से गिरफ्तार किया। पूछताछ एवं मेमोरेंडम कथन में आरोपी ने रकम का निजी उपयोग करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 409 एवं 420 भारतीय दंड संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

हज केवल एक इबादत नहीं बल्कि इंसान की रूहानी तरबियत

राजनांदगांव। मुस्लिम समाज जामा मस्जिद के सदर एवं सामाजिक चिंतक रईस अहमद शकील साहब ने इस वर्ष हज-ए-बैतुल्लाह के मुबारक और मुकद्दस सफर पर रवाना हो रहे लोगों को मुबारक दी और कहा ये इनके जीवन का एक बेहद अहम, रूहानी और बरकतों से भरपूर अवसर है, जिसे वह गहरी आस्था, अदब और तवक्कुल के साथ अंजाम देने जा रहे हैं। इस पाक-पवित्र यात्रा के दौरान सभी हाजी साहेबान अपने शहर, समाज, मुल्क और पूरी दुनिया के लिए अमन, सुकून, भाईचारे, मोहब्बत और खुशहाली की खास दुआ मांगेंगे। रईस अहमद शकील ने कहा कि हज केवल एक इबादत नहीं, बल्कि इंसान की रूहानी तरबियत, अखलाकी इस्लाह और इंसानियत की खिदमत का सबसे बड़ा जरिया है।

इस्लामी हज का महीना इस्लामी हिजरी कैलेंडर का 12वां और अंतिम महीना जुल-हिज्जा कहलाता है, इस महीने को हज का महीना इसलिए कहा जाता है, क्योंकि वार्षिक हज तीर्थयात्रा 8वीं से 12वीं तारीख तक इसी दौरान होती है, इसलिए जुल-हिज्जा इसे हज तीर्थयात्रा का महीना भी कहा जाता है।

खाद वितरण के बारे विशेष दिशा-निर्देश

सीमांत किसानों को एकमुश्त, बड़े किसानों को किश्तों में मिलेगा यूरिया

कोरिया। श्रीमती रोक्तिमा यादव ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कृषि, सहकारिता, खाद्य एवं विपणन विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक लेकर खरीफ 2026 के लिए उर्वरक वितरण संबंधी राज्य शासन के दिशा-निर्देशों की जानकारी दी। बैठक में खाद वितरण व्यवस्था, एग्रीस्टेक पंजीयन तथा किसानों को समय पर खाद-बीज उपलब्ध कराने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

किसानों को खाद-बीज के लिए परेशान नहीं होना पड़े : कलेक्टर श्रीमती यादव ने कहा कि शासन की स्पष्ट मंशा है कि किसानों को किसी भी हालत में खाद-बीज के लिए परेशान न होना पड़े। उन्होंने ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों, समिति प्रबंधकों तथा मार्कफेड से जुड़े अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि खाद वितरण में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने साफ कहा कि किसी प्रकार की सिफारिश या दबाव की आवश्यकता नहीं है, सभी अधिकारी शासन के नियमों के अनुसार कार्य करें। कलेक्टर श्रीमती यादव ने अधिकारियों से कड़े शब्दों में कहा कि वित्तीय गड़बड़ी, गबन या नियमों के विपरीत काम करने वाले सम्हल व सुधर जाएं होगी बड़ी कार्यवाही।

पिछले वर्ष के आधार पर होगा उर्वरक वितरण : कलेक्टर ने बताया कि खरीफ 2025 में किसानों को वितरित उर्वरक के आधार पर इस वर्ष यूरिया की 80 प्रतिशत तथा डीएपी की 60 प्रतिशत मात्रा का वितरण किया जाएगा। यूरिया की शेष 20 प्रतिशत मात्रा पारंपरिक यूरिया उपलब्ध होने पर दी जाएगी, अन्यथा नैनो यूरिया के रूप में उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं डीएपी की शेष 40 प्रतिशत मात्रा वैकल्पिक एनपीके उर्वरक अथवा नैनो डीएपी के माध्यम से दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी किसान को नैनो उर्वरक लेने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा और यह पूरी तरह वैकल्पिक रहेगा।

वेदांता बालको में दिग्विजय कॉलेज की छात्राओं का पर चयन

राजनांदगांव। दिग्विजय महाविद्यालय की 9 छात्राओं का प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्था वेदांता बालको में पोस्ट ग्रेजुएट ट्रेनी पद पर अंतिम रूप से चयन हुआ है। चयनित छात्राओं को प्रारंभिक वार्षिक पैकेज 5.50 लाख रुपये प्रदान किया जाएगा। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के दिशा-निर्देशन तथा कॉलेज के रोजगार एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं रसायन शास्त्र विभाग के अथक प्रयासों से यह महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हुई है।

चयनित छात्राओं में अंजू साहू, गिरिजा वर्मा, खिलेश्वरी, प्रांजलि साहू, पूर्णिमा साहू, रेशमा वर्मा, वीणा पटेल, यामिनी कुम्भकार एवं अंकिता सोनवानी शामिल हैं। प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता ने छात्राओं की इस सफलता पर उन्हें बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार मेहनत एवं लगन से कार्य करने की सलाह दी। रोजगार एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. संजय ठिस्के ने इस सफलता का श्रेय अपनी टीम] महाविद्यालय के रजिस्ट्रार दीपक परगनिहा तथा रसायन शास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. यूनुस रज़ा बेग को दिया। उन्होंने बताया कि प्रो. बेग एवं उनकी टीम ने नियमित अध्ययन-अध्यापन के अतिरिक्त समय निकालकर छात्राओं को साक्षात्कार की विशेष तैयारी कराई, जिसका सकारात्मक परिणाम सामने आया।

डॉ. ठिस्के ने जानकारी दी कि वेदांता बालको वर्ष 2007 से दिग्विजय महाविद्यालय के प्रतिभावान विद्यार्थियों का चयन अपनी कंपनी के लिए करता आ रहा है। अब तक 200 से 300 विद्यार्थी वेदांता बालको द्वारा आयोजित कैंपस चयन प्रक्रिया का लाभ उठाकर कंपनी में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

खैरागढ़ बीईओ कार्यालय शराब खोरी वायरल वीडियो मामला : जिला शिक्षा अधिकारी ने की बड़ी कार्रवाई,

शराब खोरी में लिप्त 2 कर्मचारी निलंबित

खैरागढ़। खैरागढ़ बीईओ कार्यालय शराब खोरी वायरल वीडियो मामला में आखिरकार सोमवार 25 मई को बड़ा दिन आया जब शिक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुये दो कर्मचारियों को निलंबित कर दिया। केसीजी जिले के खैरागढ़ के बीईओ कार्यालय में कथित शराब पार्टी और वायरल वीडियो मामले में कई दिनों तक इस मामला को दबाने की जबरदस्त कोशिश हुई पर आखिरकार मीडिया के दबाव में और केसीजी कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल के संज्ञान में ये मामला आते ही जिला शिक्षा विभाग पूरी तरह हरकत में आया और जिला शिक्षा अधिकारी ने कथित शराब खोरी वीडियो वायरल काण्ड के दोषी दो कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। खास बात ये है कि इस पूरे मामले को दबाने, संभालने और चुप्पी साधने की लगातार कोशिशें होती रहीं। लेकिन सोशल मीडिया में लगातार वायरल हो रहें वीडियो और मीडिया में लगातार खबरें प्रकाशित होने के बाद उठ रहें बड़े सवालों के बाद शिक्षा विभाग को बड़ी कार्रवाई करनी ही पड़ी। आखिरकार अब जिला शिक्षा विभाग ने दो कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। केसीजी जिला शिक्षा अधिकारी मुकुल केपी साव द्वारा जारी आदेश के अनुसार बीईओ कार्यालय खैरागढ़ में पदस्थ सहायक ग्रेड- 2 रविन्द्र सिंह गहरवार व शासकीय प्राथमिक शाला संडी के प्रधान पाठक सुनील कुमार वर्मा को अब तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। ये आदेश जिला कलेक्टर द्वारा अनुमोदित भी है। गौरतलब है कि जिला शिक्षा विभाग के सोमवार 25 मई के आदेश में कहा गया है कि सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों में वायरल वीडियो के माध्यम से शासकीय कार्यालय परिसर में इन कर्मचारियों के शराब सेवन और अमर्यादित व्यवहार की जानकारी सामने आई थी। प्रथम दृष्टया यह मामला छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के विरुद्ध पाया गया जिसके बाद ये निलंबन की कार्रवाई की गई है और दोनों ही कर्मचारियों के खिलाफ जांच भी प्रस्तावित है।

शराब खोरी का वीडियो वायरल

पाठको बता दें कि शराब खोरी का वीडियो वायरल होने के बाद भी कई माह तक जिले के जिम्मेदार अधिकारी पूरे मामले पर चुप्पी साधे रहे और पहले इस मामले के ठंडे होने का इंतजार किया जा रहा था। लेकिन जब सोशल मीडिया में सरकारी संस्थान में शराब खोरी का ये वीडियो लगातार वायरल होते रहा और मीडिया ने भी जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी पर बड़े सवाल उठाने शुरू कर दिये तो अंततः शिक्षा विभाग हरकत में आया और दोनों कर्मचारियों पर गलत कर्म करने पर बड़ी गाज़ गिरी। इस बड़ी कार्रवाई के बाद अब उम्मीद है कि सरकारी दफ्तरों पर ऐसी घटिया हरक़त करने वाले अन्य कर्मचारियों के हाथ पांव भी अब कापेंगे और वो ऐसी गुस्ताखी करने से बचेंगे।

कर्मचारियों द्वारा की गई घटिया हरक़त

गौरतलब है कि जिस कार्यालय से ब्लॉक की पूरी शिक्षा व्यवस्था संचालित होती है वहीं के सरकारी दफ्तर के कर्मचारियों द्वारा की गई। इस घटिया हरक़त पर बड़े सवाल खड़े होने लगे थे और अब आदेश के मुताबिक निलंबन अवधि में दोनों कर्मचारियों का मख्यालय बीईओ कार्यालय छुईखदान निर्धारित किया गया है। बहरहाल इस बड़ी कार्रवाई के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। सरकारी संस्थान में इस शराब खोरी के मामले की चर्चा पूरे जिलेभर में हो रही है। इस मामले के अलावा भी हमें पूर्व में बहुत से कर्मचारियों के नशे में अपनी ड्यूटी निभाने की शिकायत पालकों और उनके बच्चों से मिलती रही है। उम्मीद है कि भविष्य में और भी दूसरे नशाखोरी के मामले जल्द सामने आयेंगे या फिर इस मामले में कार्रवाई होने के बाद नशे में शिक्षा के मंदिर जाने वाले कर्मचारी अब सुधरेंगे।

शत्रु कीट की रफ्तार पर ब्रेक

कीटनाशक विक्रेता संस्थानों की सतर्क खरीदी

भाटापारा। पनपते हैं 21 से 35 डिग्री सेल्सियस तापमान में लेकिन आहार लेने और अंडे देने की क्षमता भी बेहद धीमी हो चली है क्योंकि तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जा पहुंचा है। आगत खरीफ फसलों में इस बार कीट प्रकोप काफी हद तक कम या नियंत्रित रह सकता है क्योंकि कीटों के पनपने के लायक तापमान नहीं है।अपवादस्वरूप रस चूसक कीट जरुर बढ़ सकते हैं लेकिन क्षति पहुंचाने लायक स्थिति में नहीं होंगे। आशंका खरपतवार को लेकर जरुर बन रही है,जिस पर किसानों को ख़ासा ध्यान देना होगा।

सक्रियता नहीं

अधिकांश कीट 21 से 35 डिग्री सेल्सियस तापमान में पनपते हैं। सक्रियता में कमी 40 डिग्री सेल्सियस जैसे तापमान में आने लगती है। फिलहाल जैसा तापमान बना हुआ है, उसके बाद आहार लेने तथा प्रजनन क्षमता में कमजोरी देखी जा रही है। किसान इस अवसर का लाभ उठाकर खेत की गहरी जुताई करके तेज धूप में छोड़ देते हैं, तो हानिकारक कीटों के अंडे और लार्वा तथा प्यूपा आसानी से समाप्त हो सकते हैं।

बढ़ सकते हैं यह कीट

गर्म और शुष्क मौसम में ही पनपते हैं रस

चूसक कीट। इनमें सफेद मक्खियां, थ्रिप्स और माइट्स का नाम प्रमुखता से लिया जा सकता है। तापमान जिस स्तर पर पहुंचा हुआ है, उसे देखते हुए आशंका है कि फसलों को व्यापक नुकसान पहुंचाने वाले यह कीट अपनी सक्रियता बढ़ा सकते हैं। लिहाजा किसानों को न केवल सतर्कता बढ़ानी होगी बल्कि प्रबंधन भी चुस्त रखना होगा।

मौका खरपतवार का

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी बारिश के पूर्वानुमानों तथा वर्तमान तापमान की स्थितियों को देखते हुए इस बार खरपतवार की शिकायतों में इजाफा की आशंका बन रही है क्योंकि कमजोर बारिश की स्थितियों में ही खरपतवार का अंकुरण न केवल जोरदार होता है बल्कि बढ़वार भी तेज गति से होती है। लिहाजा यह स्थितियां बनीं तो नुकसान का दायरा बढ़ने की आशंका है।

गर्मी ने रोकी कीटों की रफ्तार

वर्तमान में 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान के कारण अधिकांश हानिकारक कीटों की सक्रियता, भोजन ग्रहण करने और प्रजनन क्षमता में कमी देखी जा रही है, जिससे आगामी खरीफ फसलों में कीट प्रकोप अपेक्षाकृत नियंत्रित रह सकता है। हालांकि गर्म एवं शुष्क परिस्थितियों में रस चूसक कीट जैसे सफेद मक्खी, थ्रिप्स और माइट्स की सक्रियता बढ़ने की आशंका बनी हुई है। किसानों को इस समय गहरी जुताई, खेत स्वच्छता तथा प्रारंभिक खरपतवार प्रबंधन पर विशेष ध्यान देना चाहिए, क्योंकि कमजोर मानसून अथवा अनियमित वर्षा की स्थिति में खरपतवार तेजी से बढ़ सकते हैं।

- डॉ. अर्चना केरकेट्टा, एसोसिएट प्रोफेसर (कीटविज्ञान), बीटीसी कॉलेज ऑफ़ एग्रीकल्चर एंड रिसर्च स्टेशन, बिलासपुर

उच्च शिक्षा के लिए 51 विद्यार्थियों को मिल रही आर्थिक सहायता

- कलेक्टर से मिलकर विद्यार्थियों ने जताया आभार
- जिला प्रशासन की पहल बनी विद्यार्थियों के सपनों का सहारा

कांकेर। जिला प्रशासन कांकेर द्वारा संचालित हमर लक्ष्य योजना आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के सपनों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जिला कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशन तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी के मार्गदर्शन में जिले के कुल 51 छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु आर्थिक सहायता राशि प्रदान की जा रही है। शासकीय मदद से उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर और जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी से मुलाकात कर उच्च शिक्षा हेतु आर्थिक सहायता के लिए आभार व्यक्त किया। विद्यार्थियों ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा समय पर मिली आर्थिक सहायता ने उनके उच्च शिक्षा के सपनों को नई दिशा प्रदान की है।

कलेक्ट्रेट पहुंचे विद्यार्थियों में एमबीबीएस के एक, बीडीएस के एक, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (जीजीयू) के चार, शंकराचार्य कॉलेज जुनवानी भिलाई के एक तथा आईआईआईटी के एक छात्र-छात्रा शामिल थे। इसके अलावा बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई कर रहे छात्र-छात्राओं में बोधनी देवी नर्सिंग इंस्टीट्यूट जगदलपुर के 10, सृष्टि नर्सिंग कॉलेज रायपुर के 04, भारत इंस्टीट्यूट दानीटोला बालोद के 03 तथा लीलादेवी नर्सिंग कॉलेज मोतीपुर राजनांदगांव सहित कुल 26 विद्यार्थी शामिल थे। विद्यार्थियों ने कहा कि आर्थिक कठिनाइयों के कारण उच्च शिक्षा प्राप्त करना कई परिवारों के लिए चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन जिला प्रशासन द्वारा प्रदान की जा रही सहायता राशि उनके लिए संबल का कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि इस सहयोग से न केवल उनकी पढ़ाई सुचारू रूप से जारी रह सकेगी, बल्कि वे अपने लक्ष्य की ओर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ पाएंगे। जिला प्रशासन द्वारा हमें जो सहयोग प्रदान किया जा रहा है, वह हमारे लिए अमूल्य है। हम सभी छात्र-छात्राएं इस सहायता के लिए सदैव ऋणी रहेंगे। यह सहयोग हमें

फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल रैली आयोजित

राजनांदगांव। जनमानस में स्वास्थ्य एवं फिटनेस के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से रविवार को दिग्विजय स्टेडियम राजनांदगांव में फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारत सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा हॉकी इंडिया के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ हॉकी एवं जिला हॉकी राजनांदगांव के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम के 75वें एडिशन में हॉकी खिलाड़ियों सहित खेल प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ हॉकी अध्यक्ष फिरोज अंसारी, आरपीएफ प्रभारी तरूणा साहू, अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मृणाल चौबे, अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी रेखा पदम तथा साईं सेंटर प्रभारी केसी त्रिपाठी विशेष रूप से उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि फिरोज अंसारी ने कहा कि फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल अभियान देशभर में आगामी 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स के प्रचार-प्रसार की थीम पर आयोजित किया जा रहा है।

नगर पालिका कोण्डागांव में सुशासन तिहार का आयोजन

- विधायक ने विभिन्न योजनाओं अंतर्गत हितग्राहियों को सामग्री वितरित की

कोण्डागांव। राज्य शासन द्वारा आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं मांगों के समाधान हेतु प्रदेशभर में सुशासन तिहार के अंतर्गत शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को नगरीय क्षेत्र के चौपाटी मैदान स्थित विद्यालय परिसर में जिला स्तरीय शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोण्डागांव विधायक सुश्री लता उसेण्डी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती नुपूर राशि पन्ना, पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा, नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, उपाध्यक्ष जसकेतु उसेण्डी सहित सभी पार्षदगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक सुश्री उसेण्डी ने कहा कि आम नागरिकों को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार आयोजित इन शिविरों में सभी विभागों के अधिकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध रहते हैं, जिससे लोगों को भटकना न पड़े और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान मिल सके। उन्होंने श्रम पंजीयन से मिलने वाले लाभों की जानकारी देते हुए बताया कि इससे बच्चों की शिक्षा, बेटियों के विवाह एवं जन्म पर सहायता राशि प्रदान की जाती है। साथ ही दुर्घटना की स्थिति में भी आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीरो बिजली बिल संकल्प का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत घरों की छतों पर सोलर प्लांट लगाने से उपभोक्ताओं को शून्य बिजली बिल के साथ अतिरिक्त बिजली उत्पादन पर उपभोक्ताओं को आय भी प्राप्त होती है। इन योजनाओं सहित शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल ने कहा कि सुशासन तिहार संवाद और समाधान का प्रभावी माध्यम बन रहा है। इन शिविरों के जरिए शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। वहीं नगर पालिका उपाध्यक्ष जसकेतु उसेण्डी ने कहा कि यह अभियान आमजनों तक योजनाओं की जानकारी पहुंचाने और उनकी समस्याओं के निराकरण की दिशा में सराहनीय पहल है। कलेक्टर श्रीमती नुपूर राशि पन्ना ने स्वागत भाषण देते हुए सुशासन तिहार, बस्तर मुन्ने, मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान तथा जनगणना से संबंधित गतिविधियों की जानकारी दी और नागरिकों से इन अभियानों में सक्रिय सहभागिता की अपील की।

शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत 03 हितग्राहियों को आवास की चाबी प्रदान की गई। साथ ही निर्धारित अवधि से 18 माह पूर्व आवास निर्माण पूर्ण करने पर प्रत्येक हितग्राही को 32 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त राजस्व विभाग द्वारा 02 डिजिटल किसान किताब, 05 बी-1 खसरा एवं 07 जन्म प्रमाण पत्र वितरित किए गए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 07 आयुष्मान कार्ड, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 02 महिलाओं की गोदभराई, शिक्षा विभाग द्वारा 18 विद्यार्थियों को जाति प्रमाण पत्र तथा उद्यानिकी विभाग द्वारा 10 पौधों का वितरण किया गया।

दुर्घटनाजन्य क्षेत्रों का चिन्हांकन कर यातायात व्यवस्था सुचारू करने आवश्यक उपाय करें

- सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

कांकेर। कलेक्टर एवं जिला सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने आज बैठक लेकर सड़क दुर्घटनाओं को रोकने एवं यातायात व्यवस्थाएं दुरूस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले के मुख्य मार्गों में ब्लैक स्पॉट (दुर्घटनाजन्य क्षेत्र) का चिन्हांकन कर अनिवार्य रूप से संकेतक लगाने तथा अन्य प्रकार की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश यातायात पुलिस, परिवहन तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को दिए।

आज दोपहर समय-सीमा बैठक के पश्चात् आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कलेक्टर ने दुर्घटनाजन्य स्थलों, जंक्शन पाइंट में साइन बोर्ड, रेडियम रिफ्लेक्टर, क्रॉस बेरियर आदि लगाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही उच्च न्यायालय बिलासपुर के निर्देशानुसार आवारा मवेशियों को मार्गों से हटाने, राष्ट्रीय राजमार्ग के मोड़ एवं जंक्शन पाइंट पर लाइट एवं ब्लिंकर लगाने तथा नगरपालिका कांकेर क्षेत्र में सड़कों के दोनों किनारों व फुटपाथ से अतिक्रमण हटाकर आवाजाही सही करने सहित सभी प्रकार के वाहनों की सघन चेकिंग करने के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि जिले में वर्ष 2024-25 में 05 ब्लैक स्पॉट चिन्हांकित कर आवश्यक कार्यवाही की गई थी तथा वर्तमान में 02 ब्लैक स्पॉट हैं। इसके अलावा स्कूलों एवं कॉलेजों में यातायात संबंधी जनजागरूकता अभियान चलाने और टैऊफिक नियमों की जानकारी देने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में विभिन्न एजेण्डों पर चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश कलेक्टर एवं एसपी ने दिए। इस अवसर पर एसपी निखिल राखेचा, जिला पंचायत के सीईओ हरेश मंडावी, अपर कलेक्टर जितेन्द्र कुर्रे तथा ए.एस. पैकरा, सभी एसडीएम, विभिन्न विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे।

धोखाधड़ी के मामले में आरोपी को दी 3 वर्ष की कारावास की सजा

सूरजपुर। 10.07.2018 को प्रार्थी अशोक दास द्वारा थाना प्रेमनगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि हेमंत महंत द्वारा आबकारी विभाग में भृत्य (चपरासी) की नौकरी लगाने के नाम पर 1 लाख रूपये लिया तथा फर्जी नियुक्ति आदेश तैयार कर उसे दिया गया। प्रार्थी संबंधित विभाग में पता करने पहुंचा तो उक्त नियुक्ति आदेश फर्जी होना पाया गया। प्रार्थी की रिपोर्ट अपराध क्रमांक 53/18 धारा 420, 467, 468, 471 भारतीय दण्ड संहिता का पंजीबद्ध किया गया एवं आरोपी हेमंत महंत ग्राम चंदननगर थाना प्रेमनगर को गिरफ्तार किया गया। मामले के विवेचक निरीक्षक बसंत लाल सिंह द्वारा प्रकरण में पुख्ता साक्ष्य संकलित कर आरोप पत्र माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी न्यायालय सूरजपुर में पेश किया। अभियोजन की ओर से पैरवी एडीपीओ राजेश सिंह व पंकज कुमार बागड़े के द्वारा की गई।

इस मामले की सुनवाई विद्वान न्यायाधीश श्रीमती रूचि मिश्रा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सूरजपुर के यहां हुई। माननीय न्यायालय ने मामले की सुनवाई पूरी कर निर्णय दिनांक 13.05.2026 को समग्र तथ्यों, साक्ष्यों के आधार पर धोखाधड़ी के आरोप पर दोषसिद्ध होने से आरोपी हेमंत महंत को धारा 420 आईपीसी के तहत 3 वर्ष का कारावास एवं 5 सौ रूपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

शासकीय कार्य में लापरवाही पर बड़ी कार्रवाई

कलेक्टर पदमिनी भोई साहू के निर्देश पर ग्राम पंचायत परसापाली के सचिव निलंबित

सारंगढ़। पदमिनी भोई साहू ने शासकीय कार्य में लापरवाही बरतने वाले ग्राम पंचायत सचिव के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए तत्काल निलंबन के निर्देश दिए हैं। यह कार्रवाई बिलाईगढ़ ब्लॉक के ग्राम पंचायत परसापाली में आयोजित धरती आबा शिविर के दौरान मिली शिकायतों के आधार पर की गई।

शिविर में सरपंच और पंचों ने की शिकायत

जानकारी के अनुसार कलेक्टर पदमिनी भोई साहू धरती आबा शिविर में शामिल होने ग्राम पंचायत परसापाली पहुंची थीं। इस दौरान ग्राम पंचायत के सरपंच एवं पंचों ने पंचायत सचिव सुदर्शन हिरवानी के खिलाफ कई गंभीर शिकायतें दर्ज कराईं। शिकायत में बताया गया कि सचिव नियमित रूप से पंचायत कार्यालय में उपस्थित नहीं रहते हैं। आम नागरिकों के आवेदन लेने के

लिए भी पंचायत कार्यालय नहीं पहुंचते तथा जन्म-मृत्यु पंजीयन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में भी लापरवाही बरती जा रही थी। ग्रामीणों ने शासकीय कार्य प्रभावित होने की बात भी कही।

कलेक्टर ने तत्काल दिए निलंबन के निर्देश

मामले को गंभीरता से लेते हुए पदमिनी भोई साहू ने मौके पर ही मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को सचिव के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश के बाद इन्द्रजीत बर्मन ने ग्राम पंचायत सचिव सुदर्शन हिरवानी को शासकीय कार्य में लापरवाही का दोषी मानते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

जनपद पंचायत बिलाईगढ़ बनाया गया मुख्यालय

निलंबन आदेश के तहत सुदर्शन हिरवानी का मुख्यालय कार्यालय जनपद पंचायत बिलाईगढ़ निर्धारित किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय कार्य में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्रशासन की सख्ती से ग्रामीणों में संतोष

कलेक्टर की त्वरित कार्रवाई से ग्रामीणों में संतोष का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पंचायत स्तर पर नियमित कार्य संचालन और आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों की जवाबदेही तय होना जरूरी है।

जनजातीय गरिमा उत्सव जन भागीदारी अभियान आयोजित

- 11 हजार 500 से अधिक प्रतिभागी हुए शामिल

कांकेर। जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत जनजातीय गरिमा उत्सव जनभागीदारी अभियान का आयोजन 18 से 25 मई 2026 तक जिले के पीएम जनमन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के कुल 07 विकासखंडों के जनजातीय बाहुल्य चिन्हांकित 552 ग्रामों में कलस्टर स्तर शिविर आयोजित किए गए।

सहायक आयुक्त आदिवासी विकास ने बताया कि इसका उद्देश्य प्राथमिकता के आधार पर आईईसी कैम्पेन जनभागीदारी-'सबसे दूर, सबसे पहले' थीम पर किया गया। उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत जमीनी संपर्क, स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता, सिकलसेल परीक्षण, टी.बी. स्क्रीनिंग, सेवा संतृप्ति (जैसे- आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, जनधन खाता, मातृ वंदन योजना, पोषण अभियान, जाति प्रमाण पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड, पेंशन योजना, पीएम-जीवन ज्योति बीमा योजना, वन अधिकार मान्यता पत्र, उज्जवला योजना, पीएम विश्वकर्मा) आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत निर्मित आदि सेवा केन्द्रों में जन सुनवाई कार्यक्रम का आयोजन, सुनवाई में प्राप्त शिकायतों को सूचीबद्ध कर उनका समाधान करने तथा उपरोक्त जन भागीदारी अभियान अंतर्गत की गई समस्त गतिविधियों का प्रगति प्रतिवेदन तैयार कर आदि प्रसारण पोर्टल पर अपलोड किया गया।

यह भी बताया गया कि समस्त ग्रामों में निवासरत जनजातीय हितग्राहियों एवं पीवीटीजी हितग्राहियों एवं को शासन की महत्वपूर्ण पलैगशिप योजनाओं में शत-

फार्मर रजिस्ट्री 15 जून से पूर्व मिशन मोड पर पूर्ण करने के निर्देश, खाद-बीज वितरण व्यवस्था की गहन समीक्षा

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक संपन्न

सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक आयोजित की गई, जिसमें एग्री स्टैक परियोजना, खरीफ वर्ष 2026 की तैयारी, खाद-बीज वितरण व्यवस्था, पेट्रोल-डीजल आपूर्ति की निगरानी तथा प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर ने एग्री स्टैक परियोजना के अंतर्गत संचालित फार्मर रजिस्ट्री अभियान को 15 जून से पूर्व मिशन मोड पर पूर्ण करने के स्पष्ट निर्देश कृषि एवं संबद्ध विभाग को दिए। उन्होंने पंजीयन की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए कहा कि शेष सभी पात्र कृषकों को शीघ्र अति शीघ्र एग्री स्टैक पंजीयन से जोड़ा जाए, ताकि कोई भी किसान शासन की योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने जिले के समस्त कृषक बंधुओं से अपील की कि वे शीघ्र अति शीघ्र एग्री स्टैक के अंतर्गत अपना फार्मर रजिस्ट्री पंजीयन अवश्य कराएं। उन्होंने बताया कि एग्री स्टैक भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक किसान को एक विशिष्ट

फार्मर आईडी प्रदान की जाएगी, जो उनके लिए डिजिटल पहचान का कार्य करेगी। इस आईडी के माध्यम से किसानों को केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न कृषक हितैषी योजनाओं जैसे पीएम किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपज का विक्रय, कृषि ऋण तथा कृषि उपकरणों पर अनुदान आदि का लाभ सुगमता एवं पारदर्शी ढंग से प्राप्त हो सकेगा। कलेक्टर ने कहा कि किसान भाई अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी), ग्राम पंचायत कार्यालय, कृषि विभाग के मैदानी अमले अथवा पटवारी से सम्पर्क कर अपना पंजीयन करा सकते हैं। पंजीयन हेतु आधार कार्ड, आधार से लिंक मोबाइल नंबर तथा भू-अभिलेख (बी-1/खसरा) की जानकारी आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पंजीयन पूर्णतः निःशुल्क है तथा भविष्य में शासन की समस्त कृषक हितैषी योजनाओं का लाभ केवल पंजीकृत किसानों को ही सुनिश्चित किया जाएगा, अतः कोई भी पात्र किसान इस पंजीयन से वंचित न रहे।

बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि पंचायतवार फार्मर रजिस्ट्री एवं फार्मर आईडी क्रिएशन की पेंडेंसी सूची तैयार कर संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों तथा राजस्व अमले को उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने पंजीयन की वास्तविक स्थिति से अवगत होने के लिए दैनिक प्रगति की समीक्षा करने तथा पूर्व से लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर यथाशीघ्र निष्पादित करने के निर्देश भी दिए। बैठक के दौरान खरीफ वर्ष 2026 के लिए खाद एवं बीज वितरण व्यवस्था पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई, जिसमें किसानों को समय पर गुणवत्तायुक्त उर्वरक उपलब्ध कराने, वितरण प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने तथा कालाबाजारी रोकने के विषयों पर विस्तृत विमर्श किया गया। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि वितरित प्रत्येक खाद का अनिवार्य रूप से अंकन किया जाए, जिससे वितरण व्यवस्था में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने किसानों को सॉइल हेल्थ कार्ड की जानकारी देने तथा मृदा परीक्षण के आधार पर खाद के संतुलित उपयोग हेतु जागरूक करने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि वैज्ञानिक आधार पर उर्वरक का उपयोग न केवल उत्पादन बढ़ाएगा, बल्कि मृदा की उर्वरा शक्ति को भी संरक्षित रखेगा।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
जोन क्र. -5

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

क्रमांक/17/जोन क्र. 5/लो.क.वि./2026 रायपुर, दिनांक : 22/05/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत 'द' से प्रवर श्रेणी में पंजीकृत ठेकेारों से निम्नांकित कार्यों हेतु सीलबंद निविदायें तीन लिफाफा पद्धति में दिनांक 10.06.2026 तक को 4:00 बजे तक स्पीड पोस्ट के माध्यम से नगर पालिक निगम जोन कार्यालय क्रमांक 5 में आमंत्रित की जाती है। इस हेतु निविदा प्रपत्र प्राप्त करने के लिय दिनांक 03.06.2026 तक आवेदन के साथ निर्धारित निविदा प्रपत्र की राशि जमा करने के पश्चात प्राप्त किये जा सकेंगे। दिनांक 04.06.2026 तक निविदा प्रपत्र जारी होंगे। प्राप्त निविदाये दिनांक 11.06.2026 को सायं 05:00 बजे खोली जावेगी।

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि (लाख में)	अमानत राशि (रूपये)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य की अवधि	एस.ओ.आर. नॉन एस.ओ.आर.
1	जोन क्रमांक 5 अंतर्गत पावर पंप मरम्मत कार्य।	3.98	6000/-	750/-	3 माह	NON S.O.R.
2	जोन क्रमांक 5 अंतर्गत हैण्ड पंप मरम्मत कार्य।	3.98	6000/-	750/-	3 माह	NON S.O.R.
3	जोन क्रमांक 5 अंतर्गत वार्ड क्र. 42, 66, 67 एवं अन्य वार्ड में पावर पंप मरम्मत/संधारण कार्य।	3.98	6000/-	750/-	3 माह	NON S.O.R.

शर्तें :-
1. निविदा के दस्तावेज रजिस्टर्ड पोस्ट/स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्रस्तुत करना होगा।
2. कार्य से संबंधित अन्य जानकारी एवं शर्तें कार्यालयीन दिवस में नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 5 कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
3. तीन वर्ष के आयकर की बाध्यता नए फर्मों के लिए बाध्यकारी नहीं होगी।

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें

जोन कमिश्नर
जोन क्रं. -5
नगर पालिक निगम, रायपुर

2016 की भर्ती में बड़ा स्कैम

एक नाम पर कहीं छह तो कहीं चार लोग कर रहे नौकरी

- खुली पोल तो अफसरों के उड़े होश

लखनऊ। 'सुधीर कुमार ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से डॉर्क रूम सहायक की परीक्षा पास की। वर्ष 2016 में स्वास्थ्य महानिदेशालय से नियुक्ति पत्र जारी हुआ, लेकिन इन दिनों प्रदेश में छह सुधीर कुमार नौकरी कर रहे हैं। हर साल करोड़ों रुपये का चूना लगा रहे हैं। इस तरह के दो दर्जन से ज्यादा मामले सामने आए हैं। यह खेल स्वास्थ्य महानिदेशालय और मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय की मिलीभगत से हुआ है।'

स्वास्थ्य विभाग में डॉर्क रूम सहायक की भर्ती में भी फर्जीवाड़ा हुआ है। यूपीएसएसएससी से जारी परीक्षा परिणाम के पास स्वास्थ्य महानिदेशालय से जारी सूची और मानव संपदा पोर्टल पर कार्यरत कर्मियों की सूची की पड़ताल में यह बात सामने आई है। अमर उजाला ने 36 नाम की पड़ताल की। इसमें 15 का नाम सूची में है। सुधीर की तरह की तरह ही अंशुल के नाम पर चार, मनोज सिंह, रजनीकांत के नाम पर तीन-तीन लोग नौकरी कर रहे हैं।

जन्म दिन में हेरफेर किया गया

इसी तरह धीरज कुमार सिंह, कीर्ति गुप्ता, नवनीत यादव, पवन कुमार, प्रदीप कुमार, पुष्पेंद्र कुमार, राहुल कुमार, सर्वेश कुमार, सौरव कुमार, विनीत सिंह के दो-दो लोग नौकरी कर रहे हैं। किसी के पिता के नाम की स्पेलिंग अलग है तो किसी के जन्म दिन में हेरफेर किया गया है। मानव संपदा पोर्टल पर इन सभी के कार्यभार ग्रहण करने की तिथि, वेतन खाता संख्या और ईएचआरएमएस आईडी अलग- अलग है।

355 पद के सापेक्ष 337 की हुई थी भर्ती

वर्ष 2015 में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने 355 पद पर डॉर्क रूम सहायक के लिए आवेदन मांगे। 90 नंबर की परीक्षा और 10 नंबर का साक्षात्कार था। आयोग ने परीक्षा परिणाम जारी कर स्वास्थ्य महानिदेशालय को भेजा।

272 लोगों की सूची जारी की गई

काउंसिलिंग के जरिए चयनितों को जिले आवंटित कर मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय भेजे गए। इसमें 16 जून 2016 को तत्कालीन महानिदेशक सुनील श्रीवास्तव और निदेशक पैरामेडिकल एससी त्रिपाठी के हस्ताक्षर से 272 लोगों की सूची जारी की गई। इसी तरह 15 जुलाई 2016 को 65 लोगों की सूची जारी की गई है। 18 लोगों ने नियुक्ति में हिस्सा नहीं लिया।

मानव संपदा पोर्टल पर 36 लोगों का सूची से मिलाकर किया गया। यहां मौजूद डाटा और इस सूची का मिलान करने पर पता चला कि एक ही नाम से अलग- अलग लोग नौकरी कर रहे हैं। पूरे मामले की विस्तृत जांच हो तो प्रदेश में 337 की जगह पांच सौ से अधिक लोग नौकरी करते मिल सकते हैं।

अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अमित कुमार घोष ने कहा कि मामला पुराना है। जानकारी में नहीं है। गलत नियुक्ति हुई है तो जांच कराई जाएगी। सभी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी। विभाग में जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

केस 1

नाम	पिता	वर्तमान तैनाती
सुधीर कुमार	जय प्रकाश	बलिया
सुधीर कुमार	जय प्रकाश	बाराबंकी
सुधीर कुमार	जय प्रकाश	इटावा
सुधीर कुमार	जय प्रकाश	इटावा
सुधीर कुमार	जय प्रकाश	आजमगढ़
सुधीर कुमार	जय प्रकाश	शाहजहांपुर

केस 2

नाम	पिता	वर्तमान तैनाती
अंशुल कुमार	राम प्रकाश	अमेठी
अंशुल कुमार	श्रीराम प्रकाश	बदायूं
अंशुल कुमार	श्रीराम प्रकाश	इटावा
अंशुल कुमार	राम प्रकाश	हाथरस

केस 3

नाम	पिता	वर्तमान तैनाती
मनोज सिंह	देवकीनंदन सिंह	कानपुर देहात
मनोज सिंह	देवकीनंदन सिंह	लखनऊ
मनोज सिंह	देवकीनंदन सिंह	संत कबीर नगर

एनआईए की आतंकवाद पर बड़ी कार्रवाई

श्रीनगर-शोपियां में कई स्थानों पर छापेमारी

जम्मू। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआई) ने सोमवार को शोपियां जिले में कई जगहों पर छापेमारी की। एनआईए की टीमें जम्मू-कश्मीर पुलिस और अर्धसैनिक बलों की मदद से श्रीनगर के लाल बाजार इलाके और दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के कई स्थानों पर एक साथ तलाशी अभियान चला रही हैं।

एनआईए ने शोपियां के इमाम साहिब स्थित दारुल उलूम जामिया सिराजुल उलूम' पर छापा मारा। यह वही स्कूल है जिसपर हाल ही में प्रशासन ने यूएपीए के तहत कार्रवाई की थी। हाल ही में कश्मीर प्रशासन ने दारुल उलूम जामिया सिराजुल उलूम स्कूल को गैर-कानूनी संस्था घोषित कर दिया था। संस्थान पर टेरर फंडिंग और यहां के कुछ लोगों के प्रतिबंधित संगठन से संबंध होने के आरोप लगे। वहीं, शोपियां में एक घर पर कार्रवाई जारी है।

जानकारी के मुताबिक, एनआईए की टीम शोपियां जिले में जैनापोरा के मूलू चित्रगाम में प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी के पूर्व सदस्य शहजाद औरंगजेब के घर पहुंची। एनआईए की टीम ने पुलिस और सीआरपीएफ कर्मियों के साथ मिलकर, कई घंटों तक तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने जांच या किसी भी बरामदगी के संबंध में कोई बयान जारी नहीं किया है। वहीं, एनआईए ने श्रीनगर के लाल बाजार इलाके में एक स्कूल, 'जमीयत उल बनात' में भी तलाशी अभियान चलाया।

धर्मेंद्र प्रधान ने उदयनिधि के दावे को किया खारिज, राहुल गांधी पर साधा निशाना

चेन्नई। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन के उस बयान को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा की जीत के पीछे कांग्रेस जिम्मेदार है। धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को कहा, 'लोकतंत्र में जनता ही सबसे बड़ी नेता होती है। वही तय करती है कि किसे चुना जाएगा। डीएमके के खराब शासन और जनविरोधी राजनीति के कारण उसने तमिलनाडु के लोगों का भरोसा खो दिया है। हताशा में वे इस तरह की बातें कर रहे हैं। '

प्रधान ने यह भी कहा कि देश की जनता लगातार कांग्रेस पार्टी को नकारती रही है। इससे पहले डीएमके युवा विंग की बैठक को संबोधित करते हुए उदयनिधि स्टालिन ने कहा था कि पहले उन्हें लगता था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह भाजपा की लगातार जीत के लिए जिम्मेदार हैं, लेकिन अब उन्हें लगता है कि असली वजह कांग्रेस है।

राहुल पर प्रधान ने साधा निशाना

नीट मुद्दे को लेकर धर्मेंद्र प्रधान और प्रधानमंत्री मोदी के इस्तीफे की मांग कर रहे यूथ कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन पर उन्होंने कहा कि पीएम जनता के जनादेश से अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं, विपक्ष की दया से नहीं। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी सोचते हैं कि यह देश उनकी जमींदारी या जागीर है। दुर्भाग्य से हालिया चुनाव में देश की जनता ने कुछ और फैसला किया।'

सीबीएसई पोर्टल में तकनीकी गड़बड़ी के सवाल पर प्रधान ने कहा कि सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और अब समस्या का समाधान कर लिया गया है। यह गड़बड़ी खासतौर पर 12वीं के उन छात्रों को प्रभावित कर रही थी, जो पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन कर रहे थे।

तमिलनाडु में नई सरकार को लेकर क्या बोले धर्मेंद्र प्रधान?

प्रधान ने कहा, 'आईआईटी मद्रास और आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञ तकनीकी पहलुओं की जांच कर रहे हैं। फिलहाल पोर्टल सुचारू रूप से काम कर रहा है।' तमिलनाडु में केंद्र की योजनाओं को लेकर सहयोग के सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने राज्य में हुए राजनीतिक बदलाव का स्वागत किया और नई सरकार के साथ मिलकर काम करने की बात कही।

उन्होंने कहा, 'मैं तमिलनाडु की जनता के फैसले का स्वागत करता हूं। मैं तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री विजय का स्वागत करता हूं।' प्रधान ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मिलकर काम करेंगे, जो देश के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार नई राज्य सरकार के साथ सांविधानिक भावना के तहत विस्तृत चर्चा को तैयार है।

पति की हत्या के आरोप में प्रेमी समेत पत्नी गिफ्तार

हैदराबाद। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले से एक बेहद सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है, जहां एक महिला ने अपने कथित प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी और फिर उसकी लाश को एक खेत में दफना दिया. पुलिस जांच में सामने आया कि हत्या के बाद सबूत मिटाने की कोशिश भी की गई. पुलिस अब इस केस में हर पहलू से जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश में जुटी है कि साजिश में कोई और भी शामिल था या नहीं.

पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान 42 वर्षीय मुथ्यम रेड्डी के रूप में हुई है, जो नारायणखेड़ मंडल के गंगापुर गांव का रहने वाला था. करीब 12 साल पहले उसकी शादी मनूर मंडल की रहने वाली कल्पना से हुई थी. दोनों के दो बच्चे भी हैं और परिवार सामान्य जीवन बिता रहा था. लेकिन पिछले कुछ महीनों में पति-पत्नी के बीच विवाद लगातार बढ़ने लगे थे. गांव वालों के अनुसार परिवार में तनाव का मुख्य कारण कल्पना का कथित प्रेम संबंध था. इसी विवाद ने आखिरकार एक खौफनाक वारदात का रूप ले लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि करीब तीन महीने पहले कल्पना की पहचान मनूर मंडल के एल्गोयी

ईंधन की बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र पर बरसे राहुल गांधी

किस्तों में बढ़ा रहे दाम, 'जनता की जेब पर लगातार वार'

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 10 दिनों के भीतर चौथी बार हुई बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार किस्तों में ईंधन के दाम बढ़ाकर आम लोगों की जेब पर चुपचाप डाका डाल रही है।

राहुल ने क्या कहा?

विपक्षी नेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि सरकार ईंधन के दाम किस्तों में बढ़ा रही है, ताकि आम लोगों की जेब पर लगातार बोझ पड़ता रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कई महीनों से आर्थिक संकट की चेतावनी दी जा रही थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनावों में व्यस्त थे और चुनाव खत्म होते ही पेट्रोल-डीजल के दाम 8 रुपये तक बढ़ा दिए गए।

खरगे ने केंद्र पर साधा निशाना

इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ईंधन की कीमतों में हर बढ़ोतरी घरेलू बजट पर सीधा असर डालती है और इसका प्रभाव पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। खड़गे ने आरोप लगाया कि किसान से लेकर छोटे उद्योगों तक हर वर्ग भाजपा सरकार की लूट का बोझ झेल रहा है।

पेट्रोल-डीजल के दाम कितने बढ़े?

बीते कुछ दिनों में लगातार पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। 15 मई को पेट्रोल और डीजल के दाम 3 रुपये प्रति लीटर बढ़ाए गए थे। इसके बाद 19 मई को 90 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई। वहीं 23 मई को पेट्रोल 87 पैसे और डीजल 91 पैसे प्रति लीटर महंगा किया गया। जानकारों के मुताबिक वैश्विक कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण तेल कंपनियों पर दबाव बढ़ा है। लगातार बढ़ती ईंधन कीमतों का असर परिवहन और लॉजिस्टिक्स लागत पर पड़ सकता है, जिससे खुदरा महंगाई और घरेलू बजट पर अतिरिक्त बोझ बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

ममता बनर्जी की करीबी काकोली घोष ने छोड़ा जिला अध्यक्ष का पद

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद तृणमूल कांग्रेस (TMC) के भीतर उठापटक थमती नजर नहीं आ रही है। पार्टी की वरिष्ठ सांसद काकोली घोष दस्तिदार ने बारासात संगठनात्मक जिला अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने इलाके में पार्टी की हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ा, लेकिन साथ ही चुनावी रणनीति और नेतृत्व की प्राथमिकताओं पर भी सवाल उठाए।

इस्तीफा देते समय क्या बोलीं घोष?

चार बार की सांसद काकोली घोष दस्तिदार ने राज्य टीएमसी अध्यक्ष सुब्रत बख्शी को भेजे इस्तीफे में कहा कि पार्टी को पुराने तरीके की सड़क की राजनीति में लौटना चाहिए। उन्होंने इशारों में चुनावी रणनीतिकार संस्था I-PAC (इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी) और पार्टी में बढ़ते नए राजनीतिक ढांचे पर निशाना साधा।

उन्होंने लिखा कि अगर ईमानदार और पुराने समर्पित कार्यकर्ताओं के साथ पहले की तरह काम किया जाए तो पार्टी की छवि फिर मजबूत होगी। मुश्किल काम अस्थायी संगठनों के जरिए नहीं किए जा सकते। राजनीतिक हलकों में इसे I-PAC पर सीधा हमला माना जा रहा है, जिसे टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के करीबी रणनीतिक ढांचे से जोड़ा जाता है।

पार्टी में बढ़ते भ्रष्टाचार को लेकर जताई चिंता

काकोली घोष दस्तिदार ने पार्टी में बढ़ते अपराधीकरण और भ्रष्टाचार को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि हाल की घटनाओं से लोगों में डर और असंतोष बढ़ा है और राजनीति में पारदर्शिता, जवाबदेही और मूल्यों को ज्यादा महत्व देने की जरूरत है।

केंद्र के नोटिस के खिलाफ कोर्ट पहुंचा दिल्ली जिमखाना क्लब, सुनवाई आज

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 'दिल्ली जिमखाना क्लब' को लुटियंस दिल्ली में स्थित उसके 27.3 एकड़ के परिसर को 5 जून तक खाली करने का निर्देश दिया है. इस आदेश को क्लब ने हाई कोर्ट में चुनौती दी है, जिसके बाद अदालत इस याचिका पर 26 मई को सुनवाई करने के लिए तैयार हो गई है।

22 मई को भूमि और विकास कार्यालय ने दिल्ली जिमखाना क्लब को नोटिस जारी करके परिसर खाली करने के लिए कहा था. सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने जस्टिस अवनीश झिंगन के सामने इस मामले को पेश किया. उन्होंने इस मामले पर तुरंत सुनवाई करने की मांग की था। सरकार ने अपने आदेश में मूल लीज समझौते की धारा 4 (क्लॉज 4) का हवाला दिया है. ये धारा सरकार को ये अधिकार देती है कि अगर किसी सार्वजनिक उद्देश्य के लिए जमीन की जरूरत हो, तो वो जमीन को वापस अपने कब्जे में ले सकती है.

क्यों जमीन वापस लेना चाहती है सरकार?

सरकार के मुताबिक, ये जमीन प्रधानमंत्री आवास और लुटियंस दिल्ली के कई दूसरे बेहद

हाई सिक्योरिटी वाले प्रतिष्ठानों के काफी करीब है. सरकार को इस बेशकीमती जमीन की जरूरत देश के डिफेंस इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने, शासन से जुड़ी जरूरी सुविधाओं और दूसरी जरूरतों को पूरा करने के लिए है।

नोटिस मिलते ही दिल्ली जिमखाना क्लब की जनरल कमेटी ने एक इमरजेंसी रिव्यू मीटिंग बुलाई थी. इस बैठक में क्लब के सदस्यों और वहां काम करने वाले कर्मचारियों के हितों से जुड़े कई गंभीर मुद्दों पर चर्चा की गई.

क्लब ने एक बयान में कहा कि जनरल कमेटी ने विस्तार से बातचीत करने के बाद तुरंत भूमि और विकास कार्यालय को पत्र लिखने का फैसला किया है. क्लब इस पत्र के जरिए अपने सदस्यों और कर्मचारियों के हितों से जुड़ी कई चिंताओं पर सरकार से सफाई मांगेगा।

लोहरदगा में हैवानियत! शख्स ने पिता और पत्नी को उतारा मौत के घाट

लोहरदगा। झारखंड के लोहरदगा जिले में सोमवार सुबह एक दर्दनाक और सनसनीखेज घटना सामने आई, जहां एक पारिवारिक विवाद ने खूनी रूप ले लिया. भंडरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत सेंगरा टोली गांव में 35 वर्षीय एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपने ही पिता और पत्नी की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी. इस घटना से पूरे इलाके में दहशत फैल गई. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी।

पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान संदीप उरांव के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि सोमवार सुबह घर में किसी बात को लेकर पारिवारिक विवाद बढ़ गया था. विवाद इतना गंभीर हो गया कि आरोपी ने अपना आपा खो दिया और अपने 60 वर्षीय पिता सुरेंद्र उरांव व 27 वर्षीय पत्नी सुजीता उरांव पर धारदार हथियार से हमला कर दिया. हमले में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के दौरान घर में मौजूद तीन वर्षीय मासूम बच्ची भी इस हिंसा की चपेट में आ गई और गंभीर रूप से घायल हो गई. बच्ची को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है. डॉक्टरों के अनुसार उसकी हालत पर लगातार नजर रखी जा रही है।

हत्या के वजहों की जांच में जुटी पुलिस

सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया. लोहरदगा के पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिज़वी ने बताया कि घटना के तुरंत बाद आरोपी संदीप उरांव को गिरफ्तार कर लिया गया. पुलिस ने घटनास्थल से हत्या में इस्तेमाल की गई कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली है, जिसे जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है।

पुलिस अधीक्षक ने यह भी बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है. हालांकि सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है. आरोपी से पूछताछ जारी है ताकि घटना के पीछे की असली वजहों का पता लगाया जा सके. इस दोहरे हत्याकांड ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया है. स्थानीय लोगों के अनुसार, परिवार में पहले भी आपसी तनाव की बातें सामने आती रही थीं।

प्रथम पेज का शेष

युवती की जान चली गई, वजह...

ने इस मामले में जांच को लेकर भी टिप्पणी की। कोर्ट ने ऐसे मामलों में जांच के संचालन पर दुःख व्यक्त किया और जांच को लेकर चल रही प्रक्रियागत अनियमितताओं का संज्ञान लेते हुए निष्पक्ष जांच का निर्देश दिया है।

राज्य सरकार की निगरानी में भोपाल में हुए पहले शव परीक्षण (पोस्टमार्टम) पर जब पीड़ित परिवार ने गंभीर सवाल उठाए, तब मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के कड़े आदेश पर दिल्ली एम्स की चार सदस्यीय विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने मृतका का दूसरा पोस्टमार्टम किया। इस पूरी कानूनी प्रक्रिया के कारण घटना के 12 दिन बीत जाने के बाद आखिरकार ट्विशा का अंतिम संस्कार किया जा सका। ट्विशा शर्मा 12 मई को भोपाल के कटारा हिल्स इलाके में अपने ससुराल में फंदे से लटकी हुई मिली थीं। 33 साल की मॉडल-एक्टर के परिवार ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं और कहा है कि उनकी बेटी की मौत के लिए वही जिम्मेदार हैं। जबकि ससुराल पक्ष का कहना है कि ट्विशा नशे की लत से जूझ रही थीं। उसके परिवार ने ससुराल वालों पर दहेज प्रताड़ना, सबूतों से छेड़छाड़ और जांच में लापरवाही का आरोप लगाया है।

एनटीए ने अब तक सबक नहीं ...

अधिक छात्रों के मौलिक अधिकारों पर सीधे सीधे हमला होने का हवाला देते हुए शीर्ष अदालत से सीधे हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। एनटीए के पुनर्गठन या उसके स्थान पर राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी के संचालन के लिए एक मजबूत और स्वायत्त प्रणाली की स्थापना की मांग की है।

याचिका में यह निर्देश देने का अनुरोध किया है कि जब तक री-एग्जाम की देखरेख के लिए औपचारिक रूप से एक नई समिति का गठन नहीं हो जाता तब तक एक उच्चस्तरीय निगरानी समिति नियुक्त की जाए। याचिका में कहा गया है कि समिति में अध्यक्ष के रूप में सुप्रीम कोर्ट के एक रिटायर्ड जज, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और फोरेंसिक वैज्ञानिक शामिल होने चाहिए, ताकि आगे कोई और डेटा लीक न हो। मेडिकल शिक्षा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एनटीए की ओर से तीन मई को आयोजित नीट-यूजी की परीक्षा में पेपर लीक के आरोपों के बीच इसे 12 मई को रद्द कर दिया गया था, जिसकी जांच अब सीबीआई कर रही है।

10 दिन में चौथी बार बढ़े पेट्रोल...

और डीजल के दाम में प्रति लीटर 90 पैसे की वृद्धि हुई थी।

23 मईः पेट्रोल की कीमत में 87 पैसे लीटर जबकि डीजल के दाम में 91 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई थी।

25 मईः पेट्रोल की कीमत में 2.61 रुपये प्रति लीटर और डीजल के दाम में 2.71 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई।

सरकारी अधिकारियों के मुताबिक, पिछली बढ़ोतरी के बावजूद तेल कंपनियां अब भी भारी नुकसान (अंडर-रिकवरी) का सामना कर रही हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने पहले बताया था कि 15 मई की बढ़ोतरी से नुकसान में करीब 25 प्रतिशत की कमी आई थी, लेकिन इसके बावजूद सरकारी तेल कंपनियों को प्रतिदिन लगभग 750 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा था। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल के अनुमानों के अनुसार, हालिया संशोधनों के बाद भी तेल कंपनियों को पेट्रोल पर लगभग 10 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर लगभग 13 रुपये प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है।

बीजापुर में 10 करोड़ का तेंदूपत्ता...

तेंदूपत्ता के 18 हजार से अधिक बोरे रखे थे।

तेज गर्मी और सूखे मौसम की वजह से आग बहुत तेजी से फैल गई। कुछ ही देर में धुएं का बड़ा गुबार उठने लगा, जो दूर-दूर तक दिखाई दे रहा था। इससे आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग घबरा गए।

वन विभाग ने आग लगने की सूचना तुरंत पुलिस, प्रशासन और फायर ब्रिगेड को दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। आग की गंभीर स्थिति को देखते हुए वन विभाग, पुलिस और नगर पालिका की टीमें भी मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में जुट गईं। फिलहाल आग पर काबू पाने की कोशिश जारी है।

हालांकि, घटना में किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग इतनी भयानक थी कि आसपास के इलाके में दहशत फैल गई। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। इस घटना के बाद तेंदूपत्ता भंडारण केंद्रों की सुरक्षा और फायर सेफ्टी व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं।

बीजापुर के डीएफओ रमेश जांगड़े ने बताया कि गोदाम में आग लगने की सूचना करीब ढाई बजे मिली। इसके बाद तुरंत पुलिस, प्रशासन और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। वहीं, गोदाम में खड़ी गाड़ियों को तुरंत ही परिसर से बाहर किया गया। इस दौरान आग बुझाने का भी प्रयास किया गया, लेकिन तब तक आग भीषण रूप ले चुकी थी। फिलहाल फायर ब्रिगेड की टीम आग बुझाने में जुटी हुई है। उन्होंने बताया कि गोदाम में आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। डीएफओ ने बताया कि गोदाम में पहले ही अग्नि शामक यंत्र पहले से मौजूद था, लेकिन आग पर काबू पाने में वो कारगर साबित नहीं हुआ।

छत्तीसगढ़ में बढ़े आत्महत्या के...

इन कारणों से हो रही है खुदकुशी

जानकारों का मानना है कि छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में ग्रामीण आर्थिक दबाव, पारिवारिक विवाद, शराब की लत, कर्ज और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की सीमित उपलब्धता भी बड़ी वजहों में शामिल हो सकती हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि, आत्महत्या केवल कानून-व्यवस्था या सामाजिक समस्या नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य का बड़ा मुद्दा बन चुकी है। राज्य में काउंसलिंग सेवाओं, मनोचिकित्सकों और सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों की उपलब्धता बढ़ाने की जरूरत महसूस की जा रही है।

बी.टेक तृतीय वर्ष के छात्र गौरव जायसवाल परीक्षा में तीन बार फेल होने से बुरी तरह से अवसाद में आ गया और उसने चार दिन पूर्व अशोका रतन के 10वीं मंजिल से कूदकर खुदकुशी कर ली। गौरव अपने तीन भाई बहनों में इकलौता भाई था। परीक्षा में बार-बार असफल होने के बाद गौरव को उनके माता पिता ने ढांढस बंधाते हुए बिजनेस करने की सलाह दी थी। इसके लिए गौरव को उनके माता-पिता पैसा देने के लिए भी तैयार थे। एम्स के छात्र ओडिशा, भुवनेश्वर निवासी रंजीत भोयर (25) दो वर्ष पूर्व वर्ष मई में दवा की ओवरडोज लेकर खुदकुशी कर ली थी। खुदकुशी करने का कारण छात्र द्वारा पीजी इंटर्न की परीक्षा पास नहीं की थी तब से वह अवसाद में था, जिसका वह उपचार करा रहा था।

अभनपुर थाना क्षेत्र में तीन दिन पूर्व शादी शुदा अधेड़ प्रेमी जोड़ा शारदा भारती (38) तथा शिव कुमार कुरें (45) ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध था। बताया जा रहा है कि दोनों के संबंधों की जानकारी परिवार और आसपास के लोगों को लग गई थी। इसके हाद प्रेमी जोड़ा तनाव में थे। लोक लाज की भय से दोनों ने साथ में जहर सेवन कर खुदकुशी कर ली। कोतवाली थाना क्षेत्र में सराफा कारोबारी प्रवाल सोनी ने तीन दिन पहले अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। कारोबारी के खुदकुशी करने का कारण एक वर्ष पूर्व बेटी की संदिग्ध परिस्थिति में मौत होने के कुछ माह बाद कारोबारी की पत्नी ने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी।

बंगाल में घुसपैठियों और विदेशी ...

लिए किया जाएगा।

तत्काल पकड़े गए घुसपैठिए: सीमा लांघकर अवैध रूप से भारत में प्रवेश करते ही पुलिस या सुरक्षा एजेंसियों द्वारा पकड़े गए घुसपैठियों को सीधे इन होल्डिंग सेंटरों में भेजा जाएगा।

विचाराधीन जेलबंदी: ऐसे विदेशी कैदी जो वर्तमान में जेलों में बंद हैं, उन्हें अब बार-बार अदालत में पेश करने के बजाय सीधे इन सेंटरों में स्थानांतरित कर सुरक्षित रखा जाएगा।

सजा पूरी कर चुके विदेशी नागरिक: ऐसे बांग्लादेशी या अन्य विदेशी नागरिक जिनकी जेल की सजा पूरी हो चुकी है, लेकिन कानूनी और कूटनीतिक पेचीदगियों के कारण जिनका प्रत्यर्पण (स्वदेश वापसी) अटका हुआ है, उन्हें भी इसी सुरक्षित ठिकाने पर रखा जाएगा।

प्रशासन के इस त्वरित एक्शन से साफ है कि सीमावर्ती जिलों में घुसपैठ और विदेशी नागरिकों के अवैध ठहराव को लेकर सरकार अब कोई ढील बरतने के मूड में नहीं है। आने वाले दिनों में राज्य के अन्य जिलों में भी ऐसे सेंटर तेजी से काम करना शुरू कर देंगे।

आज की जनधारा

कारोबार जनधारा

मंगलवार, 26 मई 2026

तिरछी नज़र से

रियल एस्टेटः सपने बेचने का धंधा

प्रभात दत्त झा

जहाँ Flat Ready है – बस थोड़ा और इंतज़ार चाहिए, जैसे पिछले सात साल से है

दुनिया में तीन महान कल्पनाशील प्राणी हैं। पहले – कवि, जो चाँद-तारों में प्रेमिका देखते हैं। दूसरे – नेता, जो पाँच साल में सब ठीक करने का वादा करते हैं। तीसरे – रियल एस्टेट बिल्डर, जो जंगल में खड़े होकर कहते हैं: 'यह रहा आपका प्राइम लोकेशन।'

'Brochure देखकर फ्लैट बुक मत करिए' – यह हिंदी का सबसे उपयोगी वाक्य है जो आज तक किसी पाठ्यपुस्तक में नहीं आया। Brochure में जो तस्वीर होती है – हरे-भरे पेड़, स्विमिंग पूल, क्लब हाउस, बच्चों का पार्क – वह सब उस बिल्डर के बेटे की शादी में भी नहीं दिखती जो वह Brochure छापता है।

बिल्डर ने कहाः पजेशन (Possession) छह महीने में। ग्राहक ने पूछाः कौन से छह महीने? Builder बोलाः आने वाले। ग्राहक ने पूछाः यही तो आप 2019 से कह रहे हैं। Builder बोलाः और हम झूठ नहीं बोले – छह महीने आने वाले ही हैं, बस अभी तक आए नहीं।

RERA आया। बिल्डरों पर लगाम लगाने के लिए। बिल्डरों ने RERA पढ़ा। कुछ ने RERA का पंजीकरण कराया – बड़ी खुशी से। फिर जब डेडलाईन निकली तो RERA को ही Petition दीः कोविड था, बारिश थी, सीमेंट महँगा था, मज़दूर नहीं मिले। RERA ने Extension दिया। ग्राहक घर में बैठकर किराया भरता रहा। RERA ने सोचाः हमने तो काम किया। ग्राहक ने सोचाः कौन से RERA की बात हो रही है?

एमेनिटीज (Amenities) की बात करें। ब्रोशर में लिखा थाः जिम मिला – एक कमरे में दो ट्रेडमिल (Treadmill) जिनमें से एक चलती है। ब्रोशर में थाः स्वीमिंग पूल (Swimming Pool)। मिला – एक छोटा-सा हौज़ जिसमें अगर पाँच लोग एक साथ उतरें तो पानी बाहर आ जाए। Brochure में थाः 24×7 Security। मिला – एक बुज़ुर्ग Guard जो रात को सोते हैं – जो खुद की सिक्योरिटी के लिए ज़रूरी है।

सबसे मनोरंजक प्राणी होता है –प्रॉपर्टी कंसल्टेंट (Property Consultant)। वह कहता हैः यह Property अभी लो, कल दाम बढ़ जाएँगे। दाम वाकई बढ़ते हैं – लेकिन Possession नहीं आती। तब वह कहता हैः देखो, इनवेस्टमेंट (Investment) अच्छी रही! आप सोचते हैंः जिसमें रह नहीं सकते, उसकी कीमत बढ़ने से क्या फायदा? वह कहता हैः बेच दो। आप पूछते हैंः किसे? वह कहता हैः किसी और को जो अभी जहाँ आप थे, वहाँ है।

भारतीय मध्यवर्ग का सबसे बड़ा सपना हैः अपना घर। बिल्डर जानता है। इसीलिए वह सपने बेचता है – पहले ज़मीन पर, फिर नक्शे पर, फिर Brochure पर। घर बनाना तो बाद की बात है।

रियल एस्टेट वह उद्योग है जहाँ ग्राहक पैसे देता है, सपने खरीदता है और Possession की तारीख का इंतज़ार करते हुए बूढ़ा हो जाता है।

हँसिए – क्योंकि रोने से EMI नहीं घटती, Smart City नहीं बनती, और Flat का Possession नहीं आता।

देवेंद्रनगर, बिलासपुर (छ.ग.)

1.8 लाख स्टार्टअप, 120 यूनिकॉर्न – पर नींव कितनी मज़बूत?

सपनों की इमारत और ज़मीन की दरारें – एक जरूरी पड़ताल

– प्रभात दत्त झा

एक दृश्य कल्पना करें। बेंगलुरु का कोई चमकदार को-वर्किंग स्पेस – काँच की दीवारें, बीन-बैग, फ्री कॉफ़ी, दीवार पर लिखा हैः 'Disrupt or Die.' भीतर एक उत्साही युवा लैपटॉप पर झुका हुआ है – उसकी आँखों में ऑक्टोबर में लॉन्च, दिसंबर में फंडिंग और अगले साल यूनिकॉर्न का सपना है। अब उसी दृश्य को ज़ूम आउट कीजिए। उसी बेंगलुरु में, कुछ किलोमीटर दूर, एक और युवा है जिसके स्टार्टअप की फंडिंग तीन महीने पहले बंद हो गई, निवेशक मुँह फेर चुके हैं और वह अब फिर से नौकरी ढूँढ रहा है। यही भारतीय स्टार्टअप जगत की दो असली तस्वीरें हैं – और दोनों सच हैं।

आँकड़े जो गर्व कराते हैं

भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र है। डिपार्टमेंट फ़ॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड (DPIIT) के पास पंजीकृत स्टार्टअप की संख्या 1.8 लाख के पार जा चुकी है। 120 से अधिक यूनिकॉर्न – यानी एक अरब डॉलर से अधिक के मूल्यांकन वाली कंपनियाँ। 2016 में जब स्टार्टअप इंडिया अभियान की शुरुआत हुई थी, तब ये संख्या महज़ चार सौ के आसपास थी। यह छलाँग किसी उत्सव से कम नहीं।

डेटा बॉक्स

पंजीकृत स्टार्टअप (2026) - 1.80 लाख से अधिक
यूनिकॉर्न की संख्या - 120+
स्टार्टअप इंडिया लॉन्च वर्ष - 2016
वैश्विक रैंकिंग – तीसरा स्थान
2021-22 में फंडिंग शिखर - 25 बिलियन
2023 में फंडिंग - 25 बिलियन 2023 में फंडिंग - 7 बिलियन (गिरावट दर्ज, शिखर से लगभग 72% कम)
सफलता दर (5 वर्ष बाद) - 10% से कम

वह सवाल जो कोई नहीं पूछना चाहता

पहली बातः इन 1.8 लाख स्टार्टअप में से 90% से अधिक पाँच साल के भीतर बंद हो जाते हैं। वैश्विक औसत भी यही है – लेकिन जब इन स्टार्टअप में युवाओं की बचत लगी हो, परिवार की उम्मीदें जुड़ी हों और बैंक से लिए कर्ज़ का बोझ हो, तो यह महज़ एक आँकड़ा नहीं रहता।

दूसरी बातः भारत की फंडिंग 2021-22 के शिखर 25 बिलियन से गिरकर 2023 में 25 बिलियन से गिरकर 2023 में 7 बिलियन रह गई। EdTech की दुनिया को देखें – बायजू, जो एक समय दुनिया का सबसे मूल्यवान EdTech यूनिकॉर्न था (मूल्यांकन 22 बिलियन), 2024-25 में ऐसे संकट में फँसा कि उसकी दास्तान हर बिज़नेस स्कूल में केस स्टडी बन गई। लगभग 4,000 से अधिक कर्मचारियों की नौकरी गई, अभिभावकों की फ़ीस पर मुकदमे हुए, और कंपनी का मूल्यांकन 95% से अधिक गिर गया। एक विशाल ब्रांड – सब कुछ एक झटके में।

तीसरी बातः भारतीय स्टार्टअप जगत का भूगोल अत्यंत असंतुलित है। बेंगलुरु, दिल्ली-NCR, मुंबई, हैदराबाद और पुणे – यही पाँच शहर 80% से अधिक फंडिंग और लगभग सभी यूनिकॉर्न के जन्मदाता हैं।

नींव की असली परीक्षा

पहला खंभाः प्रतिभा। IIT, IIM और NIT से निकले युवाओं ने स्टार्टअप को ग्लैमर दिया। लेकिन उद्यमिता शिक्षा अभी भी महाविद्यालयों के पाठ्यक्रम में हाशिए पर है।

दूसरा खंभाः फंडिंग। भारत में Venture Capital का पैसा अभी भी सुरक्षित दाँव पर लगता है। Deep Tech, Manufacturing, AgriTech जैसे क्षेत्रों में फंडिंग की भारी कमी है।

तीसरा खंभाः बाजार और ग्राहक। असली भारत – उसके 65 करोड़ ग्रामीण नागरिक – अभी भी इस स्टार्टअप क्रांति के लाभार्थी कम, दर्शक अधिक हैं।

छत्तीसगढ़ का कोण – और देश की ज़रूरत

अच्छी खबर यह है कि कुछ उदाहरण उम्मीद जगाते हैं – और रास्ता दिखाते हैं। छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित स्टार्टअप 'किसान साथी' ने स्थानीय सब्ज़ी उत्पादकों को डिजिटल मंच से जोड़ा और अब 5,000 से अधिक किसान इससे जुड़े हैं। बिलासपुर के 'कोसा सिल्क टेक' ने पारंपरिक कोसा रेशम को ऑनलाइन ब्रांडिंग देकर दिल्ली-मुंबई बाज़ार में पहचान बनाई है। सरकारी योजनाओं में मध्य प्रदेश का 'स्टार्टअप इंदौर' मॉडल और छत्तीसगढ़ की 'इन्क्यूबेशन सेंटर स्कीम' (2024) कुछ प्रयास हैं।

जश्न भी, जाँच भी

120 यूनिकॉर्न निश्चित रूप से उत्सव के विषय हैं। लेकिन एक परिपक्व राष्ट्र अपनी उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए अपनी कमज़ोरियों को भी ईमानदारी से देखता है। इज़रायल – एक छोटा-सा देश – स्टार्टअप नेशन इसलिए नहीं बना कि उसके पास अधिक यूनिकॉर्न थे, बल्कि इसलिए बना कि उसकी पूरी शिक्षा और संस्कृति में जोखिम लेने, असफल होने और फिर उठने का स्वभाव था।

भारत ने क्या कदम उठाए हैं — और क्या उठाने चाहिए? नेशनल स्टार्टअप एडवाइजरी काउंसिल, स्टार्टअप फंड ऑफ फंड्स (10,000 करोड़ रूपए), और सरकारी खरीद में स्टार्टअप को छूट। लेकिन इज़रायल के 'योज़मा' कार्यक्रम की तरह वैसी संस्थागत मानसिकता भारत में अभी नदारद है। हमें चाहिएः हर विश्वविद्यालय में अनिवार्य 'उद्यमिता प्रयोगशाला', बैंकों के साथ 'असफल ऋण माफी योजना', और एक राष्ट्रीय 'दूसरा मौका कोष'।

1.8 लाख स्टार्टअप एक संख्या है। लेकिन उनके पीछे 1.8 लाख सपने हैं, लाखों परिवारों की आशाएँ हैं, और एक देश की उद्यमशीलता की भूख है।

'सबसे मज़बूत इमारत वह होती है जिसकी नींव सबसे गहरी हो – सबसे ऊँची नहीं।'

कार लोन लेने से पहले यह तीन अंक समझ लीजिएः 20-4-10

एक गलत लोन आपकी ड्रीम कार को बोझ में बदल सकता है। एक अनुभवी बैंकर की नज़र से समझिए – कब, कितना और कैसे लें।

गीतांजलि शर्मा

20% डाउन पेमेंट, 4 साल की अवधि, 10% मासिक आय सीमा

मुझसे अक्सर लोग पूछते हैं — 'सर, कौन सी कार लूँ?' मैं हमेशा पलटकर पूछता हूँ – 'पहले बताइए, आपकी मासिक आय कितनी है?' क्योंकि सच यह है कि कार का चुनाव शोरूम में नहीं, आपकी बैंक स्टेटमेंट में होना चाहिए। बरसों की बैंकिंग में मैंने देखा है कि लोग कार की EMI तो संभाल लेते हैं, पर टायर बदलवाने के पैसे नहीं होते। यहीं से शुरू होती है असली परेशानी।

1 – 20% डाउन पेमेंटः ईएमआई का असली दुश्मन कम डाउन पेमेंट है

मान लीजिए आपने 10 लाख रूपए की कार खरीदी और केवल 50,000 रूपए डाउन पेमेंट दी। अब 9.50 लाख रूपए का लोन 7 साल के लिए 9% ब्याज पर लिया। आप हर महीने 15,200 रूपए देंगे और कुल ब्याज चुकाएंगे 3.81 लाख रूपए – यानी कार की असली कीमत हो गई 13.81 लाख रूपए।

अब वही कार, 20% यानी 2 लाख रूपए डाउन पेमेंट के साथ। लोन होगा 8 लाख रूपए, EMI घटकर आएगी 12,800 रूपए और कुल ब्याज होगा केवल 55,760 रूपए। सिर्फ़ 1.50 लाख रूपए ज़्यादा डाउन पेमेंट देने से आपने 74,000 रूपए से अधिक ब्याज बचाए। यही तर्क है 20% के पीछे।

उदाहरण – 10 लाख रूपए की कार, 9% ब्याज, 4 साल

कार की कीमत (ऑन-रोड)	10,00,000 रूपए
20% डाउन पेमेंट	2,00,000 रूपए
लोन राशि	8,00,000 रूपए
मासिक EMI (4 वर्ष)	19,920 रूपए
कुल ब्याज भुगतान	55,760 रूपए
कार की वास्तविक लागत	10,55,760 रूपए

2 – 4 साल की अवधिः लंबी अवधि सस्ती नहीं, महंगी होती है

बैंक आपको 7 साल तक का कार लोन देने को तैयार हैं – और यही उनका फ़ायदा है, आपका नुकसान। 8 लाख रूपए का लोन अगर 7 साल के लिए लें तो EMI घटकर 12,850 रूपए आएगी, जो सुनने में राहत देती है। पर 7 साल में कुल ब्याज होगा 2.79 लाख रूपए – जबकि 4 साल में ब्याज होगा केवल 55,760 रूपए। सिर्फ़ अवधि बढ़ाने से आपने अतिरिक्त 2.23 लाख रूपए ब्याज चुकाए।

इसके अलावा एक और जोखिम है — कार की बाज़ार कीमत। 4 साल बाद कार की रिसेल वैल्यू लगभग 40-50% रह जाती है, पर आपका लोन अभी भी बड़ा होगा। इसे वित्तीय भाषा में 'negative equity' कहते हैं – यानी कार की कीमत से ज़्यादा लोन बाकी है।

लोन की अवधि बढ़ाना EMI कम करता है, पर आपकी जेब से निकलने वाला कुल पैसा बढ़ा देता है।

3 – 10% आय सीमाः सिर्फ़ EMI नहीं, पूरा कार-खर्च जोड़े

यह नियम का सबसे अनदेखा हिस्सा है। लोग केवल EMI देखते हैं, बाकी खर्च भूल जाते हैं। अगर आपकी मासिक आय 60,000 रूपए है, तो कार पर कुल खर्च 6,000 रूपए से अधिक नहीं होना चाहिए।

मासिक कार खर्च का पूरा हिसाब

EMI	4,200 रूपए
ईंधन (पेट्रोल/डीजल)	1,500 रूपए
बीमा (मासिक औसत)	700 रूपए
रखरखाव / सर्विस	400 रूपए
कुल मासिक खर्च	6,800 रूपए

ध्यान दें

6,800 रूपए अगर आपकी आय का 10% से अधिक है, तो या तो आय कम है, या कार बड़ी है। यह संकेत है कि लोन की शर्तें या कार की पसंद – दोनों में से कुछ बदलना होगा।

4 – वार्षिक आय की 50% से अधिक कीमत की कार मत लीजिए

यह नियम का वह हिस्सा है जो लोग सबसे पहले तोड़ते हैं। 6 लाख रूपए सालाना कमाने वाला व्यक्ति 8 लाख रूपए की कार नहीं लेनी चाहिए। इससे ऊपर जाते ही पूरा 20-4-10 फ़ॉर्मूला टूट जाता है – या तो EMI असहनीय होगी, या अवधि खिंचेगी, या मासिक बजट चरमराएगा।

आय के अनुसार अधिकतम कार बजट

वार्षिक आय 5 लाख रूपए	**कार = 2.5 लाख रूपए**
वार्षिक आय 10 लाख रूपए	**कार = 5 लाख रूपए**
वार्षिक आय 20 लाख रूपए	**कार = 10 लाख रूपए**
वार्षिक आय 30 लाख रूपए	**कार = 15 लाख रूपए**

5 – जब बजट कम पड़े तो ये चार रास्ते अपनाइए

निचला वेरिएंट चुनें
पसंदीदा कार का बेस या मिड वेरिएंट लें। फ़ीचर थोड़े कम होंगे, जेब पर बोझ बहुत कम।

डाउन पेमेंट बढ़ाएं
6 महीने और रुककर बचत करें। 1 लाख रूपए अधिक डाउन पेमेंट से ब्याज में 50,000 रूपए + बचते हैं।

क्रेडिट स्कोर सुधारें
750+ स्कोर पर बैंक 0.5-1% कम ब्याज देते हैं - 8 लाख रूपए लोन पर यह 30,000 रूपए की बचत है।

NBFC से तुलना करें
बैंक के साथ NBFC की दरें भी जाँचें। 0.25-0.5% का फ़र्क भी हज़ारों रुपये बचाता है।

20-4-10 नियम कोई कठोर बेड़ी नहीं है – यह एक दर्पण है जो आपको आपकी असली वित्तीय स्थिति दिखाता है। अगर इस फ़ॉर्मूले में कार फ़िट नहीं होती, तो समझिए कि कार बड़ी है या समय अभी नहीं आया। गाड़ी बाद में भी मिलेगी – पर एक बार कर्ज़ के जाल में फँसे, तो निकलना मुश्किल होता है।

आलेखः गीतांजलि शर्मा, बिल्हा, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ क यहाँ दिए गए आंकड़े औसत बाज़ार दरों पर आधारित हैं और केवल मार्गदर्शन हेतु हैं। निवेश या लोन से पहले अपने वित्तीय सलाहकार से परामर्श अवश्य लें।

एक युवा बैंकर के उपयोगी टिप्स

चेक बाउंस होने पर क्या करें?

परिवार की सबसे ज़रूरी वित्तीय सुरक्षा

शशांक झा

चेक बाउंस क्या होता है?

जब बैंक चेक को वापस कर दे क्योंकिः

खाते में पर्याप्त पैसे नहीं हैं

सिग्नेचर मिसमैच है

कोई तकनीकी कारण है

यह भारत में दंडनीय अपराध है-धारा 138, परक्राम्य लिखत अधिनियम (NI Act) के तहत।

समय सीमा – इसे याद रखें (सबसे ज़रूरी!)

चेक बाउंस

30 दिन में – नोटिस भेजें
15 दिन – इंतज़ार करें
30 दिन में – कोर्ट में केस

एक भी दिन की देर हुई तो आपका केस अदालत खारिज कर सकती है!

तीन ज़रूरी कदम – Step by Step

1 बाउंस मेमो लें और संपर्क करें (पहले 30 दिन)

बैंक से Dishonour Memo (बाउंस मेमो) लेकर सुरक्षित रखें-यही आपका सबसे पहला सबूत है। चेक देने वाले से पहले मौखिक बात करें। अक्सर गलती या देरी से मामला सुलझ जाता है। अगर वह नया चेक दे तो उसे तुरंत बैंक में जमा करें।

2 लीगल नोटिस भेजें-30 दिन के अंदर

चेक बाउंस की तारीख से 30 दिनों के अंदर रजिस्टर्ड पोस्ट या स्पीड पोस्ट से नोटिस भेजें। लिखेंः 'आपका चेक बाउंस हो गया। 15 दिनों में पूरी रकम दें, वरना धारा 138 के तहत कोर्ट में केस करूँगा।' नोटिस की कॉपी और डाक रसीद संभाल कर रखें।

3 मजिस्ट्रेट कोर्ट में परिवाद दर्ज करें-अगले 30 दिन में

15 दिन बाद भी पैसे न मिलें तो अगले 30 दिनों में मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट या ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की अदालत में शिकायत करें। साथ लगाएँः बाउंस मेमो, चेक की फोटोकॉपी, नोटिस और डाक रसीद। दोषी को 2 साल तक की कैद और/या जुर्माना हो सकता है।

कानूनी आधार

धारा 138 – परक्राम्य लिखत अधिनियम (Negotiable Instruments Act)

कोई न्यूनतम राशि की सीमा नहीं-रू.100 का चेक भी हो तो केस हो सकता है

दोषी को 2 साल तक की कैद, जुर्माना, या दोनों

केस मजिस्ट्रेट कोर्ट में दर्ज होता है

शिकायतकर्ता को अपना कोर्ट चुनने का अधिकार है

विशेषज्ञ की खास सलाह

समय सीमा ही सबसे बड़ा हथियार है

30 ---> 15 ---> 30 दिन की लिमिट कैलेंडर में लिख लें। एक दिन की देरी भी केस खारिज करा सकती है। इसे अपनी सबसे बड़ी प्राथमिकता बनाएँ।

हमेशा रजिस्टर्ड/स्पीड पोस्ट करें

साधारण डाक, WhatsApp या ईमेल पर भेजा नोटिस कोर्ट में मान्य नहीं होता। रजिस्टर्ड पोस्ट की रसीद आपका अनिवार्य दस्तावेज़ है।

WhatsApp-SMS- कॉल रिकॉर्ड सुरक्षित रखें

बाउंस के बाद की हर बातचीत के स्क्रीनशॉट लें। ये सबूत के रूप में कोर्ट में सहायक हो सकते हैं-हालाँकि कानूनी नोटिस का विकल्प नहीं हैं।

लोक अदालत-तेज़ और सस्ता विकल्प

अगर दूसरा पक्ष समझौते को तैयार हो तो लोक अदालत जाएँ। यहाँ जल्दी निर्णय होता है, खर्च कम होता है और दोनों का समय बचता है।

शुरुआत खुद, आगे वकील ज़रूरी

नोटिस खुद भेज सकते हैं, पर कोर्ट में परिवाद दर्ज करने के लिए अनुभवी वकील लेना बेहतर है-खासकर बड़ी राशि के मामले में।

एक से ज़्यादा बार बाउंस हर बार अलग केस

अगर चेक बार-बार बाउंस हुए तो हर बाउंस के लिए अलग केस हो सकता है। हर बार की प्रक्रिया और समय सीमा अलग-अलग होती है।

चेक दे रहे हैं? खाते में पैसे सुनिश्चित करें

जानबूझकर चेक बाउंस कराना गंभीर अपराध है। हमेशा सुनिश्चित करें कि चेक देते समय खाते में पर्याप्त राशि हो।

लेखकः शशांक झा, असिस्टेंट मैनेजर, इंडियन बैंक – बैंकिंग विशेषज्ञ एवं कानूनी सलाहकार [यह जानकारी केवल जागरूकता के लिए है। विधिक राय के लिए अपने वकील से अवश्य मिलें।]

एक टिप्पणी, लाखों काकरोच – भारत के युवाओं का डिजिटल विद्रोह

सुभाष दत्त झा

कभी-कभी इतिहास एक शब्द से बदलता है। 'काकरोच' – यह वह शब्द था जो 15 मई 2026 को देश के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश माननीय श्री सूर्यकांत जी के मुँह से निकला और बेरोजगार, हताश, व्यवस्था से टूटे हुए लाखों युवाओं के दिलों में उतर गया। लेकिन यह शब्द उन्हें तोड़ नहीं सका – बल्कि उन्होंने इसे अपनी पहचान बना लिया। 'काकरोच जनता पार्टी' का जन्म हुआ और तीन दिनों में 20 लाख सदस्य और 50 लाख इंस्टाग्राम फॉलोअर – यह किसी फिल्मी सुपरस्टार की उपलब्धि नहीं, यह भारत के युवाओं के संचित आक्रोश का विस्फोट है।

65% जनसंख्या, शून्य हिस्सेदारी?

भारत के 65 प्रतिशत नागरिक 35 वर्ष से कम उम्र के हैं। यह जनसांख्यिकीय लाभांश एक दुर्लभ ऐतिहासिक अवसर है – लेकिन यह अवसर तभी फलीभूत होगा जब युवाओं को आर्थिक प्रणाली में वास्तविक हिस्सेदारी मिले। आज की स्थिति यह है कि स्नातक युवा सरकारी नौकरी की कतारों में वर्षों गँवाते हैं, परीक्षाएँ लीक होती हैं, भर्तियाँ रद्द होती हैं। निजी क्षेत्र में वेतन कम है और असुरक्षा अधिक। महिला युवाओं की श्रम भागीदारी दर 20 प्रतिशत से भी नीचे है। CJP की सदस्यता में '11 घंटे ऑनलाइन रहने' की अनिवार्यता दरअसल उस युवा का दर्द है जिसके पास समय तो है, काम नहीं।

व्यंग्य से विद्रोह तक - एक डिजिटल पीढ़ी की भाषा

Gen Z की भाषा व्यंग्य है। वे सड़क पर नारे नहीं लगाते, मीम बनाते हैं। वे जुलूस नहीं निकालते, ट्रेंड बनाते हैं। लेकिन इस व्यंग्य के पीछे जो बेचैनी है, वह बिल्कुल वास्तविक है। CJP ने BJP को सोशल मीडिया फॉलोइंग में पीछे छोड़ दिया – यह कोई संयोग नहीं है। यह उस पीढ़ी का संदेश है जो अपनी शर्तों पर राजनीति को देखना चाहती है। जिस पार्टी का ट्रेडमार्क रजिस्ट्रेशन होने लगे, वह केवल मजाक नहीं रहती।

आगे की राह - सुनिए, समझिए, सुधारिए

काकरोच जनता पार्टी एक चेतावनी है – अगर इसे समझा गया तो यह एक रचनात्मक आंदोलन बन सकता है, अगर नजरअंदाज किया गया तो यह गुस्से में बदल सकता है। जरूरत है कि भर्ती प्रक्रियाएँ पारदर्शी बनें, शिक्षा और रोजगार के बीच का अंतर पाटा जाए, और संस्थाएँ – चाहे वे न्यायपालिका हों, सरकार हों या उद्योग – युवाओं को सम्मान से सुनें। वरना काकरोच की यह फौज एक दिन वोटबूथ पर भी उसी ऊर्जा के साथ उतरेगी – और उस दिन का हिसाब बहुत बड़ा होगा।

इतिहास में जब-जब सत्ता ने युवाओं को अपमानित किया, तब-तब युवाओं ने सत्ता की परिभाषा बदल दी। भारत के काकरोच जाग चुके हैं। अब सवाल यह नहीं है कि उन्हें कैसे रोका जाए – सवाल यह है कि उनकी ऊर्जा को देश के निर्माण में कैसे लगाया जाए।

50 लाख काकरोच और बढ़ रहे हैं। ये वे युवा हैं जो भारत का भविष्य हैं। इन्हें 'काकरोच' कहना इतिहास की सबसे महँगी भूल साबित हो सकती है – या फिर यही क्षण वह मोड़ बन सकता है जब व्यवस्था ने युवाओं की बात सुनी और एक नया भारत गढ़ा।

सेवानिवृत्त प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय मनेन्द्रगढ़ अयोध्या नगर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ (आज की जनधारा, बिलासपुर)

'गंगरैल गेस्ट हाउस से इंदौर तक' हनी ट्रैप के जाल में कौन-कौन ?

गंगरैल की रंगीनियों से बढ़ी धड़कनें, हनी ट्रैप जांच में नए नामों की चर्चा

कृष्ण कुमार सिकंदर

जनधारा समाचार

रायपुर। मध्य प्रदेश के बहुचर्चित हनी ट्रैप कांड की दूसरी कड़ी अब छत्तीसगढ़ तक सियासी और प्रशासनिक हलकों में हलचल पैदा कर रही है। रायपुर और धमतरी के गंगरैल गेस्ट हाउस में हुई कथित हाईप्रोफाइल महफिलों के बाद अब जिस नाम की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है, वह है रेशू उर्फ अभिलाषा। हालांकि अब तक यह साफ नहीं हो पाया है कि गंगरैल गेस्ट हाउस की कथित रंगीन पार्टियों में उसकी मौजूदगी थी या नहीं, लेकिन राजनीतिक गलियारों, प्रशासनिक अफसरों और कारोबारियों के बीच इस बात को लेकर बेचैनी बढ़ गई है कि कहीं वे भी इस पूरे जाल की जद में तो नहीं आने वाले। फिलहाल कई प्रभावशाली लोग 'वेट एंड वॉच' की रणनीति अपनाए हुए हैं, मगर उनके माथे पर चिंता की लकीरें साफ दिखाई देने लगी हैं।

इसी बीच, हनी ट्रैप पार्ट-2 की मुख्य किरदार बताई जा रही रेशू चौधरी की निजी जिंदगी से जुड़े कई ऐसे तथ्य सामने आए हैं, जिन्होंने इस मामले को और अधिक पेचीदा बना दिया है। अब तक जिस महिला को अभिलाषा नाम से

पहचाना जा रहा था, उसका वास्तविक नाम रेशू चौधरी बताया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक 'अभिलाषा' नाम उसके भाई अभिलाष चौधरी से जुड़ा है, जो वर्तमान में पुलिस विभाग में सिपाही के पद पर पदस्थ है। रेशू के पिता भी पुलिस विभाग में थे और उनके निधन के बाद भाई को अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। चर्चा है कि इसी पुलिस बैकग्राउंड और प्रभाव का इस्तेमाल रेशू ने अपने व्यक्तिगत विवादों और संबंधों में भी किया।

रेशू चौधरी की शादी 10 दिसंबर 2018 को रायपुर के शिवाजी पार्क मैरिज गार्डन में महेंद्र चौधरी के साथ हुई थी। शादी के कुछ महीनों बाद मार्च 2019 में वह अपने पति के साथ ओमान की राजधानी मस्कट चली गई थी। बताया जाता है कि वहीं से दोनों के रिश्तों में तनाव शुरू हुआ। हाईप्रोफाइल लाइफस्टाइल और आपसी विवादों के चलते महज तीन महीने बाद जून 2019 में रेशू भारत लौट आई। इसके बाद अगस्त 2019 में उसने सागर के महिला थाने में पति महेंद्र चौधरी, ससुर प्यारेलाल अहिरवार और सास गीता देवी के खिलाफ दहेज प्रताड़ना और घरेलू हिंसा का मामला दर्ज कराया।

शिकायत में रेशू ने पति पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। उसने दावा किया था कि मस्कट में रहने के दौरान उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया गया, शराब पीने के लिए मजबूर किया गया और उसे कमरे में बंद रखकर मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया। उसने जान से मारने की धमकी देने तक के आरोप लगाए थे। दूसरी ओर ससुराल पक्ष ने इन आरोपों को निराधार बताते हुए कहा था कि रेशू की लाइफस्टाइल और व्यवहार के कारण वैवाहिक संबंध टूटे। उनका आरोप था कि वह मस्कट से नकदी और जेवर लेकर बिना बताए लौट आई थी।

इस विवाद के बाद रेशू सागर में राजनीतिक रूप से सक्रिय हो गई और भाजपा के एससी मोर्चा से जुड़कर खुद को युवा नेत्री के रूप में स्थापित करने की कोशिश करने लगी। इसी दौरान उसका नेटवर्क तेजी से बढ़ा और अब उसका नाम कथित हनी ट्रैप नेटवर्क से जोड़ा जा रहा है। उधर, इंदौर क्राइम ब्रांच की स्पेशल टीम पूरे मामले की जांच बेहद गोपनीय तरीके से कर रही है। सूत्रों के अनुसार पुलिस के पास साक्ष्य जुटाने के लिए सीमित समय है और जांच एजेंसियां इलेक्ट्रॉनिक सबूतों से लेकर वित्तीय लेन-देन तक की पड़ताल में जुटी हुई हैं। अब तक इस मामले में सात लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि कई अन्य नाम भी जांच एजेंसियों के रडार पर बताए जा रहे हैं। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में बेचैनी भी बढ़ती जा रही है।

सरगुजा क्षेत्र में सड़क हादसों में 6 मौते

चलती ट्रैक्टर में घुसी बाइक, 4 मजदूरों की मौत, कार ने 2 ग्रामीणों को कुचला

बलरामपुर। सरगुजा संभाग में सड़क हादसों में 6 लोगों की मौत हो गई। पहली घटना बलरामपुर जिले के ग्राम पीपरपान की है, जहां रविवार शाम बाइक सवार मजदूरों की तेज रफ्तार बाइक चलती ट्रैक्टर में जा घुसी। हादसे में चारों की मौत हो गई। मामला सनावल थाना क्षेत्र का है। ट्रैक्टर ड्राइवर ने हादसे के बाद गाड़ी नहीं रोकी बल्कि घायलों को 100 मीटर तक घसीटकर ले गया, वहीं उन्हें तड़पता छोड़ भाग निकला। मृतकों में सभी चचेरे भाई है, एक ही परिवार के हैं। वे मजदूरी करते थे और राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र है।

दूसरी घटना नेशनल हाईवे-130 (अंबिकापुर-बिलासपुर मुख्य मार्ग) पर हुई। जजगा के पास तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार 2 ग्रामीणों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक उछलकर सड़क पर गिर गए और कई मीटर तक घिसटते चले गए। मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। दोनों ग्रामीण मेहमानी में जजगा

आए थे और रात करीब 10 बजे वापस लौट रहे थे, तभी हादसा हुआ।

केस 1- ट्रैक्टर में घुसी बाइक, 4 मौतें: जानकारी के मुताबिक, रविवार शाम करीब 6:30 बजे सुन्दरपुर मोड़ से आगे सनावल रोड पर हादसा हुआ। ग्राम पीपरपान के पास ईंट से लदे ट्रैक्टर ने तेज रफ्तार में लापरवाहीपूर्वक युवकों को टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि, ट्रैक्टर चालक प्रेमचंद यादव ने हादसे के बाद घायलों को करीब 100 मीटर तक घसीटा। बाद में उसने घायलों को वाहन से निकालकर सड़क किनारे फेंक दिया। इसके बाद ट्रैक्टर का इंजन अलग कर मौके से फरार हो गया। घटना के बाद न एम्बुलेंस को सूचना दी गई, न घायलों के इलाज के लिए कोई मदद की गई।

अस्पताल पहुंचने से पहले चारों की मौत: स्थानीय राहगीरों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन तब तक चारों की मौत हो चुकी थी। परिजनों का कहना है कि समय पर इलाज मिल जाता तो युवकों की जान बच सकती थी।

ट्रैक्टर छिपाने का भी आरोप: परिजनों ने आरोप लगाया कि, अशोक यादव ट्रैक्टर का इंजन छिपाने के लिए ग्राम बगरा स्थित अपने ससुराल ले गया। वहीं रामनारायण यादव पर दुर्घटना में शामिल ट्रैक्टर को छिपाने और साक्ष्य मिटाने में सहयोग करने का आरोप लगाया गया है।

आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग: मृतक पंडो जनजाति के थे। समाज के अध्यक्ष उदय कुमार पंडो ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

बकरीद पर जानवरों की कुर्बानी के बदले केक काटें

- **अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति ने की अपील**

रायपुर। अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के अध्यक्ष डॉ. दिनेश मिश्र ने कहा है कि ईदुज्जुहा (बकरीद) पर जीवित जानवरों की कुर्बानी देने के बजाय लोग चाहें तो केक काटकर भी धार्मिक रस्म निभा सकते हैं। उन्होंने बताया कि कुछ राज्यों में पहले ही नियम बनाए गए हैं, जहां ऊंट या अन्य जानवरों की कुर्बानी पर रोक है और कानून तोड़ने पर कार्रवाई भी हो सकती है। तेलंगाना सहित कई राज्यों में इस तरह के आदेश और कोर्ट के फैसले भी सामने आ चुके हैं। वहीं कई जगहों पर जनजागरूकता के चलते लोग अब पर्यावरण और पशु संरक्षण को ध्यान में रखते हुए अलग तरीके से त्योहार मनाने लगे हैं।

निर्दोष जानवरों की जान लेना सही नहीं: डॉ. मिश्र के मुताबिक, देश में कई राज्यों में पशुबलि को लेकर कानून बने हुए हैं, लेकिन उनका पूरी तरह पालन नहीं हो पाता, जिससे कई निर्दोष जानवरों की कुर्बानी हो जाती है। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों में प्रेम और अहिंसा का संदेश दिया गया है, इसलिए किसी भी प्राणी की जान लेना सही नहीं है।

कई जगहों पर केक काटकर मनाई गई बकरीद: उन्होंने यह भी बताया कि पिछले कुछ वर्षों में कई जगहों पर लोगों ने जनजागरूकता के चलते बकरीद पर जानवरों की कुर्बानी छोड़कर केक काटकर प्रतीकात्मक रूप से त्योहार मनाया है। कुछ जगहों पर तो केक पर बकरे की तस्वीर लगाकर भी रस्म निभाई गई।

चोरों के सरदार को पकड़ने पुलिस बनी जनगणना अधिकारी, 300 किलोमीटर तक पीछा कर दबोचा

दुर्ग। छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, चंदीगढ़ के विभिन्न जिलों में चोरी की घटना को अंजाम देने वाले चोरों के सरदार को दुर्ग पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस ने दिल्ली में 15 दिनों तक कैंप किया। पुलिस को जब आरोपी के संबंध में जानकारी मिली तो जनगणना अधिकारी बनकर आरोपी नासीर हुसैन के छिपने वाले स्थान पहुंची और घर-घर जाकर जानकारी जुटाई। पुलिस के आने की भनक मिलते ही आरोपी कार में सवार होकर बिहार भाग रहा था, जिसका यमुना एक्सप्रेस-वे पर 300 किलोमीटर तक पीछा कर दबोचा गया। आरोपी के कब्जे से 20 लाख की संपत्ति जब्त की गई।

दरअसल, मई माह में नेहरू नगर, भिलाई थाना, सुपेला, पदमनाभपुर में हुई चोरियों का खुलासा किया गया था। दुर्ग पुलिस ने दिल्ली, मेरठ के अन्तराज्यीय चोर गिरोह का पर्दाफाश कर आरोपी

हासिम खान निवासी शालीमार गाईन मेरठ (उप्र) को 17 मई को गिरफ्तार किया था। आरोपी के साथ चोरी का जेवर खरीदने वाले ज्वेलरी शाप संचालक सलीम खान निवासी मेरठ को भी पकड़ा गया था।

आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई 60 लाख का सोना बरामद किया गया था। घटना में शामिल फरार आरोपी कुख्यात व शातिर आरोपी नासिर हुसैन निवासी शाहीनबाग दिल्ली की तलाश की जा रही थी।

विशेष टीम का गठन

इस दौरान पुलिस को सूचना मिली कि शाहीन बाग व मदनपुर खादर, नोएड़ा क्षेत्र जैसे घनी आबादी, संकरी गलियों तथा बहुमंजिला फ्लैटों वाले क्षेत्रों में लगातार ठिकाना बदलकर छिपा रहा था। इस जानकारी के बाद एसएसपी विजय अग्रवाल ने तत्काल विशेष टीम का गठन कर दिल्ली रवाना किया।

15 दिनों तक कैंप

पुलिस टीम ने पेशेवर व गोपनीय तरीके से क्षेत्र में 15 दिनों तक कैंप किया। पुलिस के सिविल स्टाफ ने स्थानीय लोगों के बीच घुल-मिलकर बकरा विक्रेताओं के साथ रहकर व बकरा विक्रेता के साथ कई दिनों तक क्षेत्र में सक्रिय रहकर संदिग्ध व्यक्तियों के ठिकानों की जानकारी जुटाई।

शराब दुकानों पर सीएम-मंत्री की फोटो लगाने की मांग

कोरबा। कोरबा में सुशासन तिहार 2026 के तहत एक अनोखा आवेदन सामने आया है। बांकिमोंगरा नगर पालिका के नेता प्रतिपक्ष मधुसूदन दास ने आबकारी विभाग से शराब दुकानों पर मुख्यमंत्री और आबकारी मंत्री की तस्वीरें लगाने की मांग की है। यह आवेदन सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

आवेदन क्रमांक 262703300 में दर्ज इस मांग में जिला कोरबा, नगरीय निकाय बांकिमोंगरा नगर पालिका और वार्ड 7033003 मोंगरा का उल्लेख है। आवेदक मधुसूदन दास ने आबकारी विभाग को संबोधित करते हुए यह मांग रखी है।

मधुसूदन दास ने अपने आवेदन में तर्क दिया है कि राज्य के सभी कार्यों और योजनाओं में मुख्यमंत्री और संबंधित मंत्री की तस्वीरें लगाई जाती हैं। इसी प्रकार, राज्य सरकार को बड़ा राजस्व देने वाली शराब दुकानों पर भी मुख्यमंत्री और आबकारी मंत्री की तस्वीरें लगाई जानी चाहिए। आवेदन पर आवेदक के हस्ताक्षर भी मौजूद हैं। सुशासन तिहार 2026 छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जनता की समस्याओं और मांगों के निराकरण के लिए चलाया जा रहा एक अभियान है। इस अभियान के तहत नागरिक अपनी मांगें और शिकायतें दर्ज करा सकते हैं।

इबोला वायरस को लेकर छत्तीसगढ़ अलर्ट

- **एयरपोर्ट पर बढ़ाई जाएगी स्क्रीनिंग, संदिग्ध मरीजों की तत्काल होगी पहचान,**
- **अस्पतालों में तैयारी के निर्देश**

रायपुर। दुनियाभर में तेजी से फैल रहे इबोला वायरस को देखते हुए छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं छत्तीसगढ़ ने संक्रमण की रोकथाम को लेकर सभी अधिकारियों को जरूरी निर्देश जारी किए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने एयरपोर्ट पर आने वाले यात्रियों की जांच बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा गया है कि अगर कोई यात्री संदिग्ध नजर आता है तो उसकी जानकारी तुरंत स्वास्थ्य विभाग तक पहुंचाई जाए।

एयरपोर्ट पर रहेगा खास निगरानी सिस्टम

एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम की ओर से जारी निर्देश में रायपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को एयरपोर्ट पर एक नोडल अधिकारी तैनात करने को कहा गया है। यह अधिकारी यात्रियों की स्वास्थ्य जांच और पूरी व्यवस्था की निगरानी करेगा।

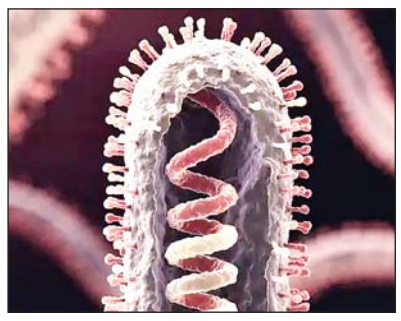

अस्पतालों को भी तैयार रखने के निर्देश

स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों को आइसोलेशन वार्ड, रेफरल और इमरजेंसी व्यवस्था तैयार रखने के लिए कहा है, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत मरीजों का इलाज और प्रबंधन किया जा सके।

कांगो और युगांडा में बढ़े मामले

बता दें कि, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और युगांडा में इबोला संक्रमण के मामले बढ़ने के बाद दुनियाभर में सतर्कता बढ़ाई गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन पहले ही इसे अंतरराष्ट्रीय चिंता का स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर चुका है। इसी को देखते हुए भारत में भी एहतियात बढ़ा दिए गए हैं।

कांग्रेस नेता पर फर्जी आर्म्स एक्ट का आरोप

सूरजपुर। विश्रामपुर नगर पंचायत शिवनंदनपुर चुनाव से पहले कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन पर आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज मामले को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा नेताओं ने नरेंद्र जैन पर कटार अड़ाने का आरोप लगाया था, हालांकि सीसीटीवी फुटेज में इसकी पुष्टि नहीं हुई है। इस आरोप के विरोध में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के नेतृत्व में पार्टी के कई नेता थाने पहुंचे। उन्होंने पुलिस पर सत्ता के दबाव में काम करने का आरोप लगाया।

कांग्रेस पदाधिकारियों ने नरेंद्र जैन पर की गई कार्रवाई को फर्जी बताते हुए थाने के सामने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि राजनीतिक द्वेष के चलते नरेंद्र जैन को झूठे आर्म्स एक्ट में फंसाया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने इस कार्रवाई को लोकतंत्र की हत्या का प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए पुलिस का दुरुपयोग किया जा रहा है।

नेता प्रतिपक्ष महंत का बड़ा बयान

मैं रामभद्राचार्य को जगतगुरु नहीं मानता, धीरेन्द्र शास्त्री जैसे सभी बाबा हैं फर्जी

मनेन्द्रगढ़। चिरमिरी में जगतगुरु रामभद्राचार्य की कथा चल रही है। सोमवार को नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत मनेन्द्रगढ़ पहुंचे। जहां मिडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि, मैं रामभद्राचार्य को मैं जगतगुरु नहीं मानता। इसलिए मैं उनकी कथा सुनने नहीं जाऊंगा।

उन्होंने आगे कहा कि, जिस प्रकार से भाजपा का प्रचार कर रहे हैं तो वह सिर्फ भाजपा के प्रचारक हैं। ऐसे बाबा लोगों को बेवकूफ बना रहे हैं। ऐसी जगह हमारे कांग्रेस के किसी आदमी को नहीं जाना चाहिए। हम तो कण कण में भगवान मानने वाले लोग हैं। हमारे तो कण-कण में भगवान है। धीरेन्द्र शास्त्री सहित अन्य सभी बाबा फर्जी हैं।

सुशासन तिहार में महिला विधायक को जाने नहीं दिया गया

सुशासन तिहार में कांग्रेस की महिला विधायक शेषराज हरबंश को जाने से रोकने पर श्री महंत ने कहा कि, महिला विधायक को जाने नहीं दिया जा रहा है। कांग्रेसियों को रोका जा रहा

है। मुख्यमंत्री किस जगह उतरेंगे यह कलेक्टर एसपी को मालूम है, तो विधायक वहां गए तो रोक दिया जाता है। ये कहा जाता है कि कांग्रेस विधायक ऐसे प्रश्न करेंगे, जिसका जवाब सीएम के पास नहीं होगा। मुख्यमंत्री को जितना सुशासन करना है करते रहे, हम आने वाले दिनों में शासन में होंगे। पामगढ़ की महिला विधायक शेषराज हरबंश को सुशासन तिहार में जाने से कलेक्टर- एसपी ने रोका था।

ओड़िशा से स्कूटी में गांजा लाकर सरगुजा में खपा रहा था दंपती

- **साढ़े चार लाख के माल के साथ गिरफ्तार**

अंबिकापुर। सरगुजा जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ आबकारी विभाग की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में संभागीय आबकारी उड़नदस्ता टीम ने शनिवार को बड़ी सफलता हासिल करते हुए ओड़िशा से गांजा लाकर सप्लाई करने वाले दंपती को गिरफ्तार किया है। टीम ने आरोपितों के कब्जे से करीब साढ़े चार लाख रुपए मूल्य का 22.600 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद जेल दाखिल कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार संभागीय आबकारी उड़नदस्ता टीम को नशे के अवैध कारोबार की सूचना मिलने के बाद थाना सीतापुर क्षेत्र में विशेष गश्त अभियान चलाया जा रहा था। सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता के नेतृत्व में टीम बंदना

मेन रोड से मैनपाट की ओर गश्त कर रही थी। इसी दौरान जजगा पुलिया के पास एक महिला और पुरुष ओड़िशा नंबर की टीवीएस जूपिटर वाहन के साथ दो बोरियों के पास संदिग्ध अवस्था में खड़े दिखाई दिए। टीम द्वारा वाहन रोककर पूछताछ किए जाने पर दोनों घबरा गए। संदेह होने पर बोरियों की जांच की गई, जिसमें गांजा भरा मिला।

पूछताछ में पुरुष ने अपना नाम रूपनाथ यादव तथा महिला ने इच्छा यादव बताया। दोनों पति-पत्नी हैं। बताया गया कि रूपनाथ यादव मूल रूप से बंदना थाना सीतापुर क्षेत्र का निवासी है।

राजधानी रायपुर से गांव तक बिजली संकट गहराया

अघोषित कटौती और लो वोल्टेज से जनता परेशान

रायपुर। भीषण गर्मी के बीच छत्तीसगढ़ में बिजली व्यवस्था पूरी तरह लड़खड़ाती नजर आ रही है। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में अघोषित बिजली कटौती और लो वोल्टेज की समस्या ने आम लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। दिन हो या रात, बिजली कभी भी गायब हो रही है और कई इलाकों में घंटों तक सप्लाई बाधित रहने से लोगों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। सबसे ज्यादा परेशानी उन इलाकों में है जहां लगातार लो वोल्टेज के कारण कूलर, पंखे और घरेलू उपकरण ठीक से काम नहीं कर पा रहे हैं।

शहर के कई मोहल्लों में पिछले कुछ दिनों से बार-बार बिजली ट्रिपिंग की शिकायतें सामने आ रही हैं। नया रायपुर, डीडीनगर, टिकरापारा, संतोषीनगर, भनपुरी, उरला और विधानसभा क्षेत्र के कई हिस्सों में लोग देर रात तक बिजली आने का इंतजार करते दिखाई दे रहे हैं। ग्रामीण इलाकों की स्थिति और भी खराब बताई जा रही है, जहां कई बार घंटों तक सप्लाई बंद रहने के बावजूद उपभोक्ताओं को कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिलती। लोगों का आरोप है कि बिजली विभाग न तो

पहले से कटौती की सूचना देता है और न ही शिकायतों का समय पर समाधान हो पा रहा है।

लो वोल्टेज की समस्या ने घरेलू उपभोक्ताओं के साथ व्यापारियों और छोटे उद्योगों को भी प्रभावित किया है। दुकानों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बार-बार बंद हो रहे हैं, वहीं कई जगह मोटर पंप तक नहीं चल पा रहे। इससे पेयजल संकट की स्थिति भी बनने लगी है। छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और रात में बुजुर्गों व बच्चों को उमस भरी गर्मी में भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

बिजली संकट को लेकर अब राजनीतिक सवाल भी उठने लगे हैं। विपक्ष का आरोप है कि सरकार बिजली उत्पादन और वितरण व्यवस्था संभालने में नाकाम साबित हो रही है। सवाल यह भी उठ रहे हैं कि जिस राज्य को कभी बिजली उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बताया जाता था, वहां आज उपभोक्ताओं को अघोषित कटौती क्यों झेलनी पड़ रही है। दूसरी ओर बिजली विभाग का कहना है कि बढ़ती मांग, अत्यधिक गर्मी और तकनीकी कारणों के चलते कुछ क्षेत्रों में सप्लाई प्रभावित हो रही है, हालांकि हालात सुधारने के प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रदेश में लगातार बढ़ रही बिजली मांग के बीच वितरण व्यवस्था की कमजोरियां भी सामने आने लगी हैं। कई जगह पुराने ट्रांसफार्मर ओवरलोड हो रहे हैं और लाइन फॉल्ट की घटनाएं बढ़ गई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली बिल समय पर वसूले जाते हैं, लेकिन सुविधा के नाम पर उपभोक्ताओं को सिर्फ परेशानी मिल रही है। अब लोगों की नजर इस बात पर टिकी है कि सरकार और बिजली विभाग इस संकट से राहत दिलाने के लिए क्या ठोस कदम उठाते हैं, क्योंकि गर्मी बढ़ने के साथ हालात और बिगड़ने की आशंका जताई जा रही है।

केनाल-लिंक रोड के लिए बेदखली नोटिस पर विरोध

- **जोगीडीपा के लोग पहुंचे रायगढ़ निगम**

रायगढ़। जिले में जोगीडीपा-फौजदार पारा इलाके में प्रस्तावित केनाल लिंक रोड निर्माण को लेकर विवाद शुरू हो गया है। नगर निगम ने पहले चरण में करीब 25 से 30 लोगों को बेदखली नोटिस जारी किया है। इसके बाद बड़ी संख्या में स्थानीय महिला और पुरुष नगर निगम पहुंचकर विरोध जताया और महापौर से मुलाकात कर अपनी समस्याएं रखीं।

नगर निगम की ओर से जारी नोटिस में कहा गया है कि, नजूल भूमि पर बिना अनुमति निर्माण किया गया है, जो नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 293 का उल्लंघन है। नोटिस में प्रभावित लोगों से निर्माण संबंधी अनुमति पत्र प्रस्तुत करने को कहा गया है।

दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने की स्थिति में अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

महापौर बोले- कम से कम लोग होंगे प्रभावित: मेयर जीवर्धन चौहान ने प्रभावित लोगों को आश्वासन देते हुए कहा कि परियोजना में कम से कम परिवार प्रभावित हों, इसका प्रयास किया जाएगा। हर परिवार का बेहतर तरीके से विस्थापन किया जाएगा।

महापौर ने प्रगति नगर परियोजना का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां 70 मकान टूटे थे और 120 लोगों को मकान उपलब्ध कराए गए थे।

प्रकाशक एवं मुद्रक सुभाष मिश्रा द्वारा स्वामी अभिव्यक्ति प्रकाशन प्रा.लि. के लिए मिशन मीडिया प्रा.लि., रजबंधा मैदान, रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित एवं एचआईजी 27 हाउसिंग बोर्ड कालोनी सड्डू, रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित।

प्रधान संपादक- सुभाष मिश्रा, सलाहकार संपादक-भालचंद्र जोशी, स्थानीय संपादक-विवेक मिश्रा, आरएनआई रजि. नं.-52143/91, * पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।